सुप्रभात
रांची, शनिवार
27.04.2024
** नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

लोकसभा चुनाव 2024
सभी चुनें सही चुनें

khabarmantra.net वैशाख, कृष्ण पक्ष, तृतीया, संवत् 2081 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 283

12 शाहरुख के साथ अजय और टाइगर नजर आये

न्यूज डायरी

झारखंड की चार सीटों से 18 के नामांकन रद्द

रांची। लोकसभा चुनाव के पहले चरण को लेकर दाखिल किये गये नामांकन की शुक्रवार को स्क्रूटनी हुई। इसमें चार लोकसभा सीट से 18 प्रत्याशियों का पर्चा रद्द कर दिया गया। खूंटी से 9 प्रत्याशी, लोहरदगा से 2, सिंहभूम सीट से 7 और पलामू से किसी भी प्रत्याशी का नामांकन रद्द नहीं हुआ। इसके बाद अब मैदान में 47 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं। हालांकि, वापसी की अंतिम तिथि 29 अप्रैल है। इसके बाद कोई भी उम्मीदवार अपना नाम वापस नहीं ले सकता है। सिंहभूम लोकसभा सीट से 21, लोहरदगा से 17, खूंटी से 16 और पलामू से 11 लोगों ने अपना पर्चा दाखिल किया था।

संदेशखाली में मिला हथियारों का जखीरा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली से सीबीआई को छापेमारी में हथियारों का जखीरा मिला। यह सूचना मिली थी कि शाहजहां शेख के एक करीबी रिश्तेदार के घर में बड़ी संख्या में हथियार और बम रखे हुए हैं। सीबीआई तुरंत संदेशखाली पहुंच गयी। शुक्रवार को जांचकर्ताओं ने संदेशखाली के सरबेरिया के मल्लिकपुर में शाहजहां के करीबी हफीजुल खान की भाभी के घर पर तलाशी अभियान चलाया। जहां से भारी मात्रा में बम व हथियार बरामद किया गया है।

वीवीपैट-इवीएम में हम पक्षकार नहीं : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम)के माध्यम से पड़े मतों के साथ वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट (वीवीपैट) संबंधी याचिका के उच्चतम न्यायालय में खारिज होने के बाद शुक्रवार को कहा कि जिन याचिकाओं के माध्यम से चुनौती दी गई उनमें कांग्रेस कभी पक्षकार नहीं रही है।

नोटा को अधिक वोट पर चुनाव रद्द करने की याचिका

नयी दिल्ली। किसी उम्मीदवार से अधिक 'नोटा' को वोट मिलने पर संबंधित चुनाव को अमान्य घोषित कर रद्द करने का निर्देश देने की मांग वाली एक जनहित याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोटई ने याचिका पर विचार करने का फैसला करते हुए चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया।

रांची सीट से भाजमो के धर्मेंद्र तिवारी लड़ेंगे

रांची। विधायक सरयू राय की पार्टी भारतीय जनतंत्र मोर्चा (भाजमो) ने रांची लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। पार्टी की संसदीय चुनाव समिति की शुक्रवार को हुई बैठक में यह फैसला हुआ है। निर्णय हुआ कि पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी रांची सीट से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी के फैसले पर धर्मेंद्र तिवारी ने संसदीय चुनाव समिति तथा विधायक सरयू राय का आभार जताया है।

त्रिपुरा-मणिपुर में सबसे ज्यादा यूपी में सबसे कम वोटिंग

88 सीटों पर कुल 60.96% मतदान, दूसरा चरण खत्म होते ही 14 राज्यों में वोटिंग पूरी

➲ राहुल, थरूर समेत कई नेताओं की किस्मत इवीएम में कैद

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश के 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 लोकसभा सीटों पर आज यानी शुक्रवार को दूसरे चरण का मतदान शांतिपूर्व पूरा हो गया। जिन राज्यों में शुक्रवार को मतदान हुआ उनमें केरल की सभी 20 सीटे शामिल थी। इसके अलावा कर्नाटक की 14, राजस्थान की 13, उत्तर प्रदेश की आठ, महाराष्ट्र की आठ सीटों पर वोटिंग हुई। वहीं मध्य प्रदेश में छह, असम और बिहार में पांच-पांच सीटों, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में तीन-तीन सीटों पर चुनाव हुए। इसके अलावा त्रिपुरा की एक और जम्मू-कश्मीर की दोनों लोकसभा सीटों पर वोटिंग हुई। यूपी के मथुरा, राजस्थान के बांसवाड़ा और महाराष्ट्र के परभणी में कुछ गांवों के मतदाताओं ने विभिन्न मुद्दों को लेकर मतदान का बहिष्कार किया। कर्नाटक के चामराजनगर जिले में दो समूहों में झड़प के कारण ईवीएम को क्षतिग्रस्त किया गया। मतदान को लेकर चुनाव आयोग की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गये थे। एक लाख 67 हजार मतदान केंद्र पर 16 करोड़ मतदाताओं ने उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला किया। शाम छह बजे तक के मतदान में त्रिपुरा में शाम छह बजे तक सबसे अधिक 77.95 प्रतिशत मतदान हुआ। बिहार में 53.60 और यूपी में 53.2 प्रतिशत मतदान हुआ। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर वोटरों का आभार जताया। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि चरण दो बहुत अच्छा रहा।

मतदान के आंकड़े

जिन राज्यों में वोटिंग हुई है उनमें पिछले चुनाव में मणिपुर, असम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में 80 फीसदी से ज्यादा वोट पड़े थे। वहीं, बिहार, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश ऐसे राज्य थे जहां 65 फीसदी से कम वोटिंग हुई थी।

पीएम मोदी ने जनता का जताया आभार

दूसरे चरण का चुनाव खत्म होने के बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर वोटरों का आभार जताया। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि चरण दो बहुत अच्छा रहा। भारत भर के लोगों का आभार जिन्होंने आज मतदान किया। एनडीए को मिल रहा अद्वितीय समर्थन विपक्ष को और भी निराश करने वाला है। मतदाता एनडीए का सुशासन चाहते हैं। युवा और महिला मतदाता एनडीए को मजबूत समर्थन दे रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में वोटर्स ने दिखाये दम

छत्तीसगढ़ में कुल तीन सीटों पर मतदान हुआ। कांकेर, राजनांदगांव और महासमुंद को मिलाकर कुल तीन सीटों पर 72:13 फीसदी वोटिंग हुई। मतदान के दौरान वोटर्स का जमकर उत्साह देखा गया। इन तीनों सीटों पर सबसे ज्यादा वोटिंग कांकेर में हुई। सेकेंड फेज में तीन सीटों में नक्सल प्रभावित कांकेर और राजनांदगांव लोकसभा सीट शामिल है।

कई दिग्गजों की किस्मत ईवीएम में बंद

दूसरे चरण के प्रमुख उम्मीदवारों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, शशि थरूर, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर, अभिनेता अरुण गोविल, कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी शामिल हैं। वहीं भाजपा सांसद हेमा मालिनी, ओम बिरला और गजेंद्र सिंह शेखावत तीसरी बार संसद में पहुंचने की कोशिश में मैदान में हैं।

कहां कितना मतदान

- असम- 70.68 प्रतिशत
- बिहार- 53.60 प्रतिशत
- छत्तीसगढ़- 72.51 प्रतिशत
- जम्मू-कश्मीर- 67.22 प्रतिशत
- कर्नाटक- 64.46 प्रतिशत
- केरल- 64.95 प्रतिशत
- मध्य प्रदेश- 55.19 प्रतिशत
- महाराष्ट्र- 53.71 प्रतिशत
- मणिपुर- 76.46 प्रतिशत
- राजस्थान- 59.54 प्रतिशत
- त्रिपुरा- 77.95 प्रतिशत
- उत्तर प्रदेश- 53.02 प्रतिशत
- पश्चिम बंगाल- 71.84 प्रतिशत

मतदान के बाद सील हुए इवीएम

पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर में दूसरे चरण का मतदान संपन्न हो गया। इसके बाद इवीएम मशीनों को सील किया गया। वहीं, मध्य प्रदेश के मऊगंज में दूसरे चरण का मतदान संपन्न होने के बाद एश्ट मशीनों को सील किया गया।

धर्म के नाम पर गरीबों का हक छीनना चाहती है कांग्रेस

सुप्रीम कोर्ट ने बूथ लुटेरों का सपना चूर-चूर कर दिया: मोदी

देश में धर्म आधारित आरक्षण असंभव

एजेंसी

पटना। बिहार के अररिया, मुंगेर और फारबिसगंज में शुक्रवार को पीएम मोदी ने चुनावी सभाओं में कांग्रेस, राजद और इंडी गठबंधन (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस) पर जम कर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन की योजनाएं काफी घातक और खतरनाक हैं। कांग्रेस और उनके सहयोगी दल अन्य पिछड़ी जातियों (ओबीसी) का हक छीनकर देशभर में धर्म के आधार पर आरक्षण लाना चाहती है। पीएम ने इंडी गठबंधन को लोकतंत्र, संविधान और गरीब विरोधी बताया। साथ ही कहा कि इवीएम पर उच्चतम न्यायालय के फैसले से मतपेटियों को लूटने इरादा रखने वालों को ऐसा गहरा झटका लगा कि उनके सारे सपने चूर-चूर हो गये। **(शेष 11 पर)**

श्री मोदी ने राजग उम्मीदवारों के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में धर्म आधारित आरक्षण नहीं हो सकता। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर भी इसके पक्ष में नहीं थे, ये संविधान में भी लिखा है, लेकिन कांग्रेस ओबीसी का हक छीनकर देश भर में धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहती है। कर्नाटक में ओबीसी कोटे के 27 प्रतिशत आरक्षण में चोरी की गयी है। आंखों में धूल झोंक कर कांग्रेस ने पर्दे के पीछे खेल खेला और रातों रात कर्नाटक के मुसलमानों को कागजी तौर पर ओबीसी बना दिया, जिसके कारण ओबीसी के आरक्षण का बड़ा हिस्सा इनके खाते में चला गया। कांग्रेस कर्नाटक आरक्षण के इसी मॉडल को पूरे देश में लागू करना चाहती है।

वोट लुटेरो के सपने टूटे

फारविशगंज में पीएम मोदी ने कहा कि इवीएम पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से मतपेटियों को लूटने का इरादा रखने वालों के सपने चूर-चूर हो गये। मोदी ने कांग्रेस और राजद के इंडी गठबंधन) को लोकतंत्र, संविधान और गरीब विरोधी बताया। चुनाव मतपत्र ने नहीं इवीएम से होंगे, उच्चतम न्यायालय के फैसले ने मतपेटियों को लूटने इरादा रखने वालों गहरा झटका दिया। गठबंधन के हर नेता ने इवीएम को लेकर जनता के मन में संदेह पैदा करने का पाप किया। संविधान की ताकत देखें, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें गहरा झटका दे दिया।

चतरा, कोडरमा, हजारीबाग चुनाव की अधिसूचना जारी

भ्रष्टाचारियों को सबक देगी जनता : मरांडी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड की तीन लोकसभा सीटों चतरा, हजारीबाग और कोडरमा में आम चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही शुक्रवार से नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गयी। मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यालय से इसकी अधिसूचना जारी हुई। नामांकन के पहले ही दिन चतरा सीट से भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह ने अपना परचा दाखिल किया। इस मौके पर आयोजित जनसभा में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड जनता भ्रष्टारियों को सबक सिखायेगी। उन्होंने दावा किया कि 2024 के चुनाव में भाजपा 400 पार करेगी। झारखंड की इन 3 लोकसभा सीटों पर पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होना है। 3 मई 2024 तक नामांकन है, चार को नामांकन पत्रों की जांच और 6 मई तक नाम वापस लिये जा सकेंगे।

चतरा से कालीचरण सिंह ने किया नॉमिनेशन

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी की मौजूदगी में एनडीए के चतरा से उम्मीदवार कालीचरण सिंह ने शुक्रवार को अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन से पहले प्रत्याशी श्री कालीचरण के साथ श्री मरांडी और रोड शो में शामिल हुए। इस मौके पर श्री मरांडी ने कहा कि इसबार के चुनाव में जनता भ्रष्टाचारियों को सबक सिखायेगी। भाजपा इस लोकसभा चुनाव में 400 का आंकड़ा पार कर लेगी। मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री बनेंगे। मरांडी ने कहा कि इंडी गठबंधन के लोग अपने लिए राजनीति करते हैं। परिवार के लिए राजनीति करते हैं। पैसे के लिए राजनीति करते हैं। इसलिए इसमें से कई लोग कोई जेल में है। कोई बेल पर है। कोई सजायाफ्ता है। ये लोग भारत के भाग्य विधाता बनने के लिए घूम रहे हैं। इस मौके पर अमर कुमार बाउरी ने कहा कि झारखंड सरकार आदिवासी और दलित विरोधी है।

लोहरदगा से दो का नामांकन रद्द: लोहरदगा से दो उम्मीदवारों का संवीक्षा के दौरान शुक्रवार को नामांकन रद्द कर दिया गया। नामांकन रद्द होने वाले उम्मीदवारों में ललित उरांव (बहुजन मुक्ति पार्टी) और एतवा उरांव (स्वतंत्र) शामिल हैं। 25 अप्रैल तक हुए अंतिम नामांकन तिथि तक 12- लोहरदगा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुल 17 प्रत्याशियों ने अपना-अपना नामांकन कराया था। इसमें से दो उम्मीदवारों के नामांकन रद्द होने के बाद अब चुनावी समर में 15 उम्मीदवार बचे हैं।

गांडेय उपचुनाव की अधिसूचना जारी

चुनाव आयोग ने गांडेय उपचुनाव के लिए शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है। मतदान 20 मई सोमवार को होगा। 6 जून तक सारी प्रक्रिया पूरी की जायेगी। चुनाव सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक होगा। गांडेय सीट सरफराज अहमद के इस्तीफे से खाली हुआ है।

हेमंत की याचिका पर सुनवाई 29 को

खबर मन्त्र संवददाता

हाइकोर्ट का फैसला नहीं आने का मामला

रांची। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए याचिका को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए 29 अप्रैल को सूचीबद्ध किया गया है। बुधवार को हेमंत सोरेन की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने इस याचिका की तत्काल सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति संजीव खन्ना के समक्ष आग्रह किया। सिब्बल ने कहा कि हाई कोर्ट का फैसला अब तक नहीं आने से हेमंत सोरेन के समक्ष दुविधा की स्थिति है क्योंकि वह कानूनी उपायों के लिए न तो आगे बढ़ सकते हैं और न ही पीछे जा सकते हैं। वह चुनाव प्रचार में भी भाग नहीं ले पा रहे हैं। ऐसे में जमानत जरूरी है। दरअसल, हेमंत की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि झारखंड हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी एवं रिमांड को चुनौती देने वाली याचिका पर 28 फरवरी को बहस पूरी हो गयी है। इसके बावजूद अभी तक उनकी याचिका पर फैसला नहीं आया है। 31 जनवरी को ईडी की गिरफ्तारी के बाद से हेमंत न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा जेल में हैं।

झारखंड सहायक शिक्षक नियुक्ति परीक्षा पर अहम फैसला

बिना अनुमति रिजल्ट नहीं जारी करें : सुप्रीम कोर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड में 26 हजार सहायक आचार्यों (सहायक शिक्षकों) की नियुक्ति परीक्षा को लेकर अहम आदेश पारित किया है। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस संजय करोल की खंडपीठ ने झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) उत्तीर्ण अभ्यर्थियों परिमल कुमार एवं अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड सरकार और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) को आदेश दिया है कि सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बिना नियुक्ति परीक्षा का रिजल्ट नहीं प्रकाशित करें। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर अगली सुनवाई जुलाई के पहले सप्ताह में निर्धारित की है और तब तक नियुक्ति परीक्षा का रिजल्ट जारी करने पर रोक रहेगी। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में झारखंड हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गयी है। इसमें दूसरे राज्यों की टेट (टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट) परीक्षा या सीटेट (सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट) परीक्षा पास अभ्यर्थियों को भी इस नियुक्ति परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी गयी है। हाईकोर्ट ने यह फैसला दिसंबर, 2023 में झारखंड सीटेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी संघ की याचिका पर सुनवाई के बाद सुनाया था। अब सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिका लगाने वाले प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायण और अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने पक्ष रखते हुए कहा कि झारखंड टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट (जेटेट) उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को राज्य की क्षेत्रीय भाषाओं संथाली, खोरठा, नागपुरी आदि का ज्ञान है, क्योंकि, उन्होंने इन पत्रों की परीक्षा पास की है।

सीइसी की आज की बैठक में अमेठी और रायबरेली पर फैसला

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा और अंतिम मुहर लगाने के लिए शनिवार को कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति (सीइसी) की बैठक होने वाली है। इस बैठक में अन्य मुद्दों के साथ-साथ अमेठी और रायबरेली को लेकर फैसला हो सकता है। दरअसल, मीडिया गलियारों में चर्चा है कि राहुल अमेठी से और प्रियंका रायबरेली से चुनाव लड़ेंगे। दोनों के नाम की घोषणा भी संभव है। सूत्रों के हवाले से मीडिया गलियारों में चर्चा है कि अमेठी से एक बार फिर राहुल गांधी चुनाव लड़ सकते हैं। वहीं, रायबरेली से प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने की की संभावना जतायी जा रही है। काफी दिनों से रायबरेली और अमेठी की सीट को लेकर असमंजस है। अमेठी और रायबरेली के लिए नामांकन शुक्रवार 26 अप्रैल से ही शुरू हो चुका है। बैठक में राहुल और प्रियंका को लेकर पार्टी कुछ फैसला ले सकती है। इसी कारण अभी तक इस सीट से कांग्रेस ने उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है।

गहना आभूषण
सोना (बिक्री) : 67900 रु./10 ग्राम
चांदी : 85000 रु./प्रति किलो

तीसरी आंख

इवीएम- वीवीपैट बवाल को सुप्रीम कोर्ट ने खत्म कर दिया

देश में चुनाव इवीएम से ही होंगे, मतपत्र से नहीं

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत में जब से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (इनीएम) का इस्तेमाल होना शुरू हुआ है, तब से उस पर सवालिया निशान भी लगते रहे हैं। इस बार सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि चुनाव इवीएम से ही होंगे। इवीएम और वीवीपैट को लेकर सुप्रीम कोर्ट का शुक्रवार को बड़ा फैसला आया।

इवीएम पर सवाल उठने भले ही कम हों न हों, लेकिन एक बात तो तय है कि अब भारत में चुनाव का वर्तमान और भविष्य तो इवीएम ही है, जिसपर सवाल उठाने से पहले कई बार अब सोचना पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच ने जो फैसला दिया है, वो हर चुनाव में इस्तेमाल हो रहे इवीएम की जरूरत पर एक मुहर की तरह है, जिसका फिलहाल कोई दूसराऑप्शन नहीं है। **(शेष 11 पर)**

सुप्रीम कोर्ट ने कहा : जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच में लंबी बहस हुई। 24 अप्रैल 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया और 26 अप्रैल को अदालत का आखिरी फैसला आया है। कोर्ट ने ईवीएम पर मुहर लगा दी। अपने फैसले में दोनों जजों ने कहा, चुनाव इवीएम से ही होंगे, बैलेट पेपर से चुनाव नहीं होंगे। इवीएम और वीवीपैट का मिलान नहीं होगा। नतीजे में जो उम्मीदवार दूसरे या तीसरे नंबर पर है और अगर उसे लगता है कि गड़बड़ी हुई है तो वो रिजल्ट घोषित होने के 7 दिनों के अंदर जांच की मांग कर सकता है।

हमेशा उठे हैं इवीएम पर सवाल

जब केंद्र की सत्ता में कांग्रेस थी, तो भाजपा सवाल उठाती थी और अब जब पिछले 10 साल से बीजेपी केंद्र की सत्ता में है तो कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल ईवीएम पर सवाल उठाते हैं। समय-समय पर याचिकाएं दाखिल होती रही हैं। कभी कहा जाता है कि इवीएम से छेड़छाड़ हो सकती है तो कभी कहा जाता है कि इवीएम को हटाकर बैलेट पेपर से चुनाव करवाया जाये। कभी कहा जाता है कि इवीएम के साथ जो वीवीपैट होता है यानी कि आपने जो वोट दिया है, वो किसको गया है उसकी पर्ची का इवीएम में दर्ज वोटों के साथ मिलान किया जाये। जितने लोग उतने तर्क और उनकी ही अलग-अलग याचिकाओं पर हर बार कोर्ट में सुनवाई होती है और हर बार फैसला इवीएम के पक्ष में ही आता है।

तेजी से गिर रहे भूगर्भ जल स्तर पर सरकार गंभीर

खबर मन्त्र ब्यूरो

➲ तपती धरती के लिए वर्षा जल संचयन जरूरी
➲ सभी आना होगा आगे, वृक्षा रोपण जरूरी
➲ तलाब, कुंआ, पोखर और नदियों को बचाना होगा

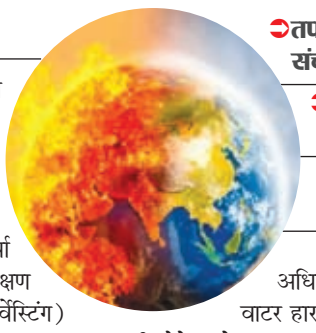

रांची। राजधानी रांची की तपती एवं प्यासी धरती की प्यास बुझाने और भविष्य में भीषण जल संकट से बचने के लिए वर्षा जल संचयन और संरक्षण (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) आवश्यक है। सतही जल उपलब्ध नहीं होने के कारण भूगर्भ जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। यह अलार्मी स्थिति है। इसको लेकर राज्य सरकार गभींर भी है। सरकार ने विशेष कर रांची नगर निगम को सभी आवश्यक उपाय कर जन जागरूकता अभियान चलाकर रेन वाटर हारवेस्टिंग कराने का निर्देश दिया है।

रेन वाटर हारवेस्टिंग

अभी रेन वाटर हारवेस्टिंग के लिए नियम बना है, उसके अनुसार 3000 स्क्वायर फीट से अधिक वाले आवासों के लिए रेन वाटर हारवेस्टिंग आवश्यक है। इस नियम के कारण लगभग 60 हजार आवास रेन वाटर हारवेस्टिंग नहीं करायें हैं जबकि यह सभी आवास पानी का उपयोग करते हैं। 27104 आवासों में रेन वाटर हारवेस्टिंग नहीं है। इसके लिए रांची नगर निगम जल्द ही सर्वे करा कर इन आवासों को सिस्टम लगवाने का प्रयास करेगा। इन आवासों के मालिको को जुर्माना स्वरूप डेढ़ गुना होल्डिंग टैक्स देना पड़ रहा है। रांची नगर निगम ने रेन वाटर हारवेस्टिंग के लिए फिलहाल प्रचार प्रसार अभियान चला रहा है। **(शेष 11 पर)**

चतरा, कोडरमा और हजारीबाग सीट पर लोकसभा चुनाव 2024 की अधिसूचना जारी

तीनों संसदीय सीट पर 29 अप्रैल तक होगा नामांकन, 57.73 लाख मतदाता करेंगे वोट

अधिसूचना के साथ ही कालीचरण सिंह ने किया नामांकन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड की 3 लोकसभा सीट पर आम चुनाव 2024 के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। शुक्रवार (26 अप्रैल) को मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यालय से इसकी अधिसूचना जारी हुई। इसके साथ ही चतरा, हजारीबाग और कोडरमा लोकसभा सीट पर नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। नामांकन के पहले दिन चतरा लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी कालीचरण सिंह ने अपना पर्चा दाखिल किया। उनके नामांकन में झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

बताते चलें कि झारखंड की इन तीन लोकसभा सीटों पर पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होना है। इसके लिए उम्मीदवार 3 मई 2024 तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 4 मई 2024 को होगी और 6 मई 2024 तक प्रत्याशी अपने नाम वापस ले सकेंगे। इसी दिन उम्मीदवारों की अंतिम लिस्ट जारी की जाएगी।

गौरतलब है कि चतरा लोकसभा क्षेत्र में 3 जिलों के मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करते हैं। इस जिले में चतरा के अलावा पलामू और लातेहार जिले के वोटर भी मतदान करते हैं। इस संसदीय सीट के अंतर्गत 5 विधानसभा सीटें हैं। इनमें सिमरिया, चतरा, मनिका, लातेहार और पांकी विधानसभा शामिल है। वहीं कोडरमा लोकसभा सीट की बात करें, तो गिरिडीह जिले का बड़ा हिस्सा कोडरमा का सांसद चुनता है। कोडरमा और हजारीबाग के कुछ हिस्से भी इस संसदीय क्षेत्र में आते हैं। कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में 6 विधानसभा क्षेत्र कोडरमा, बरकट्ठा, धनवार, बगोदर, जमुआ और गांडेय आते हैं।

इसके अलावा हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में 5 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। इस संसदीय सीट के लिए बरही, बड़कागांव, रामगढ़, मांडू और हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हजारीबाग का सांसद चुनते हैं। इस संसदीय क्षेत्र में हजारीबाग जिले के साथ-साथ रामगढ़ के मतदाता भी मतदान करते हैं।

पांचवें चरण का मतदान 20 मई को

- चतरा संसदीय सीट के लिए 3 जिलों के वोटर करते हैं मतदान
- कोडरमा सीट पर कोडरमा और गिरिडीह के वोटर करते हैं वोट
- हजारीबाग संसदीय क्षेत्र में आतीं हैं 5 विधानसभा सीटें

आजसू, भाजपा का दामन छोड़ झामुमो में शामिल हुए थे समीर मोहंती

विधानसभा चुनाव में झंडा गाड़ने के बाद अब लोकसभा में फतह करने उतरेंगे समीर मोहंती

कुबेर सिंह

रांची। जमशेदपुर लोकसभा सीट से झामुमो ने बहरागोड़ा के विधायक समीर मोहंती को अपना उम्मीदवार बनाया है। समीर मोहंती झामुमो के दमदार प्रत्याशी माने जा रहे हैं। उन्होंने बहरागोड़ा विधानसभा के साल 2009 में हुए चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार कुणाल षाड़ंगी को 7565 रिकॉड मतों से शिकस्त दी थी। समीर मोहंती को एक लाख 6017 वोट मिले थे। माना जा रहा है कि समीर मोहंती की जनता के बीच अच्छी पैठ है। जानकारों का मानना है कि बहरागोड़ा, घाटशिला, पोटका और जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र में झामुमो अच्छा प्रदर्शन कर सकती हैं क्योंकि, ग्रामीण इलाके में पार्टी की पकड़ अच्छी है। इन सभी विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के विधायक हैं। समीर मोहंती खुद बहरागोड़ा के विधायक हैं।

फर्श से अर्श तक कैसे पहुंचे समीर

समीर मोहंती ने अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत साल 2005 के विधानसभा चुनाव से की थी। यह चुनाव समीर मोहंती ने निर्दनीय लड़ा था। इस चुनाव में उन्हें बेहद कम 9411 मत मिले थे। इस चुनाव में भाजपा के दिनेश षाड़ंगी ने झामुमो के विद्युत वरण महतो को हराया था। दिनेश षाड़ंगी को 51 हजार 753 मत मिले थे। कम वोट मिलने के बावजूद समीर मोहंती ने हिम्मत नहीं हारी और उन्होंने अपना प्रयास जारी रखा।

साल 2009 में आजसू के टिकट पर लड़ा था चुनाव : साल 2009 के अगले चुनाव में समीर मोहंती को आजसू पार्टी से टिकट मिला था। समीर का प्रदर्शन अच्छा रहा था। चुनाव में आजसू पार्टी के टिकट पर 11 हजार 465 वोट प्राप्त किया था। चुनाव में असफलता के बाद भी समीर मोहंती ने हार नहीं मानी थी और साल 2014 में फिर से बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा क्षेत्र से ताल ठोंकी। इस बार उन्होंने झारखंड विकास मोर्चा प्रजातांत्रिक को चुना। वोट में जबरदस्त इजाफा हुआ। इससे समीर उत्साहित हुए।

2019 में लहराया था परचम : साल 2019 में समीर मोहंती ने परचम लहराने की रणनीति तैयार की। वह भाजपा में चले गये थे। लेकिन, ऐन वक्त पर जब उन्होंने देखा कि झामुमो नेता कुणाल षाड़ंगी ने पाला बदल लिया था। कुणाल पार्टी छोड़ भाजपा में चले गये थे। ऐसे में समीर मोहंती को भाजपा से टिकट मिलना संभव नहीं था। समीर मोहंती भाजपा छोड़कर झामुमो में पहुंच गये। झामुमो से 2019 के विधानसभा चुनाव में समीर मोहंती ने जीत दर्ज की।

झारखंड आंदोलनकारियों की तीन माह की पेंशन ₹4.26 करोड़ जारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार ने 23 जिलों (गढ़वा छोड़कर) के आंदोलनकारियों के लिए पेंशन मद में तीन माह की बकाया राशि 4,26,57,000 करोड़ रुपये का आवंटन कर दिया है। गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने जारी आवंटन पत्र सभी जिलों के उपायुक्तों को भेज दिया है। इनमें सर्वाधिक राशि (65.06 लाख) पूर्वी सिंहभूम के आंदोलनकारियों लिए आवंटित की गयी है। जमशेदपुर के आंदोलनकारियों का एरियर मद में अभी भी तीन करोड़ से अधिक का बकाया है। राज्य सरकार द्वारा ये राशि जारी नहीं की जा रही है। इसे लेकर कई बार आंदोलनकारियों ने पत्राचार भी किया गया है।

पूर्वी सिंहभूम :	65.06 लाख
सरायकेला-खरसावां :	14.28 लाख
चाईबासा :	8.80 लाख
बोकारो :	22.47 लाख
चतरा :	9.64 लाख
देवघर :	7.69 लाख
धनबाद :	37.89 लाख
दुमका :	42.32 लाख
गिरिडीह :	38:86 लाख
गोड्डा :	15.12 लाख
गुमला :	7.92 लाख
हजारीबाग :	37.45 लाख
जामताड़ा :	13.27 लाख
कोडरमा	23.93 लाख
लातेहार :	1.00 लाख
लोहरदगा :	26.55 लाख
पाकुड़ :	1.98 लाख
पलामू :	1.47 लाख
रामगढ़ :	22.45 लाख
रांची :	22.50 लाख
साहेबगंज :	1.47 लाख
सिमडेगा :	3.32 लाख
खूंटी :	5.33 लाख

भाजपा ने झामुमो और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर बोला बड़ा हमला

झारखंड में लव जिहाद के बाद अब लैंड जिहाद की शुरूआत : भाजपा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस में राज्य की झामुमो गठबंधन सरकार पर बड़ा हमला बोला। प्रतुल ने आरोप लगाया कि गैंग्स ऑफ वासेपुर की तर्ज पर गैंग्स ऑफ छोटानागपुर काम कर रहा है, जो पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झामुमो के कई अन्य बड़े नेताओं को जमीन कब्जा करने के लिए कागजात बनाने में मदद करता था। प्रतुल ने कहा लव जिहाद को सरकार ने पूरे तरीके से नजरअंदाज करके रखा था। अब लैंड जिहाद भी इस सरकार में शुरू हो गया। उन्होंने कहा लैंड जिहादी गैंग ने

जगन्नाथपुर के कचनार टोली की बेशकीमती जमीन पर कब्जा कर लिया। इसमें भी गठबंधन से जुड़े जाकिर का नाम आया। जाकिर के साथ जाकिर के साथ मुबारक खान, शमीम खान, इकबाल, नासिर इकराम, अब्दुल, सलीम, राशिद, हुसैन, मंजूर और अनवर को भी अभियुक्त बनाया गया है। इस सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यकाल में सिर्फ जमीन पर डाका नहीं डाला, बल्कि युवाओं के रोजगार पर भी डाला डाला जो आगे विनोद और हेमंत सोरेन के बीच व्हाट्सएप चैट से स्पष्ट है। यह ईडी के चार्ज शीट का भी हिस्सा है। 25-25 लाख में युवाओं के सपनों को बेच देने का कार्य हुआ।

अंतू तिर्की की डायरी खोल सकती है कई बड़े राज : उन्होंने कहा कि अंतू तिर्की की एंट्री ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी संरक्षण में जमीन के लूट का खेल चल रहा था। प्रतुल ने कहा की जानकारी मिल रही है कि अंतू तिर्की के डायरी से झामुमो के कई बड़े नेताओं से लेनदेन की एंट्री भी निकली है। मौके पर सह मीडिया प्रभारी तारीक इमरान भी उपस्थित थे।

चुनाव आयोग ने पीएम मोदी को नोटिस क्यों नहीं भेजा : सुप्रियो

रांची। निर्वाचन आयोग की ओर से दो राष्ट्रीय दलों को स्टार प्रचारकों के संबंध में नोटिस भेजे जाने पर जेएमएम ने कड़ी प्रक्रिया व्यक्त की है। जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग ने दो राष्ट्रीय दलों को दो नोटिस भेजा है। दोनों पार्टियों से स्टार प्रचारकों पर स्पष्टीकरण मांगा है। चुनाव आयोग को यह साहस नहीं हुआ कि पीएम मोदी को नोटिस भेजा जाये। जब चुनाव प्रक्रिया शुरू हुई तो कांग्रेस प्रवक्ता को नोटिस भेजकर स्पष्टीकरण मांगा गया। दूसरा स्पष्टीकरण दिलीप घोष से मांगा गया। पीएम नरेंद्र मोदी को नोटिस क्यों नहीं यह बहुत बड़ा सवाल है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की तरफ से लगातार हेट स्पीच दिए जा रहे हैं। बिहार में गिरिराज सिंह के भाषा पर कोई कुछ नहीं बोल रहा है।

इंटर की परीक्षा से वंचित गिरिडीह जिला स्कूल के 52 विद्यार्थियों को पूरक परीक्षा में शामिल कराने का आदेश

52 छात्रों के रिजल्ट पर कंपार्टमेंटल एग्जाम नहीं लिखा जाएगा, यह इनकी मुख्य परीक्षा होगी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने जैक से एडमिट कार्ड नहीं मिलने पर गिरिडीह जिला स्कूल के इंटरमीडिएट की परीक्षा नहीं दे पाए 52 छात्रों को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने जैक को निर्देश दिया है कि इस वर्ष एडमिट कार्ड नहीं मिलने पर इंटरमीडिएट की परीक्षा नहीं दे पाए गिरिडीह जिला स्कूल के 52 छात्रों को इंटरमीडिएट के कंपार्टमेंटल एग्जाम में शामिल करें। इसके अलावा इनके रिजल्ट पर कंपार्टमेंटल एग्जाम नहीं लिखने का भी निर्देश दिया है। इन 52 छात्रों के लिए यह मुख्य परीक्षा रहेगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट को प्रार्थी उपेंद्र राणा की ओर से बताया गया कि इस वर्ष की इंटरमीडिएट की परीक्षा के लिए उनके बच्चे को एडमिट कार्ड जैक से नहीं दिया गया जबकि परीक्षा शुल्क स्कूल में जमा कराया गया था, लेकिन परीक्षा शुल्क की राशि तकनीकी कारणों से जैक को प्राप्त नहीं हो सकी थी। जिससे बच्चे का एडमिट कार्ड नहीं आ पाया था और वह इंटरमीडिएट की परीक्षा नहीं दे पाया। सुनवाई के दौरान कोर्ट के समक्ष यह बात आयी कि गिरिडीह जिला स्कूल के इंटरमीडिएट की परीक्षा देने वाले 52 छात्रों के साथ ऐसा ही हुआ है, तकनीकी कारणों से स्कूल से उनका परीक्षा शुल्क जैक को प्राप्त नहीं हो सका था, जिससे जैक ने उनका एडमिट कार्ड नहीं भेजा। इससे वे परीक्षा देने से वंचित रह गए। इसके बाद कोर्ट ने सभी 52 छात्रों को कंपार्टमेंटल एग्जाम में शामिल करने का निर्देश जैक को दिया।

बिरसा हरित ग्राम, जलछाजन, सर्ड और डीआरडीए की गतिविधियों के लिए चुनाव आयोग से ली जायेगी मंजूरी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बिरसा हरित ग्राम योजना, जलछाजन योजना, राज्य ग्रामीण विकास संस्थान और जिला ग्रामीण विकास अधिकरण की संबंधित गतिविधियों के संचालन के लिए चुनाव आयोग से अनुमति ली जायेगी। ग्रामीण विकास विभाग लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रभावी आदर्श आचार संहिता के दौरान इन योजनाओं की गतिविधियों को जारी रखने निर्वाचन आयोग के पास प्रस्ताव भेजेगा। इससे पूर्व राज्य सरकार की ओर से गठित स्क्रीनिंग कमेटी के पास संचिका भेजी जायेगी। कुल पांच प्रस्ताव तैयार किए गये हैं, जिसकी मंजूरी लेकर वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा। ग्रामीण विकास विभाग इन योजनाओं से जुड़े अन्य विभागों में एक नोडल पदाधिकारी की नियुक्ति कराने को कहा है, ताकि सारी प्रक्रिया पूरी करके काम प्रारंभ कराया जा सके।

भूमि अधिग्रहण आंदोलन केस में पूर्व मंत्री योगेंद्र साव सिविल कोर्ट से बरी

रांची। राज्य पूर्व मंत्री और पूर्व कांग्रेस विधायक योगेंद्र साव को रांची सिविल कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त विशाल श्रीवास्तव की अदालत ने चतरा जिले के टंडवा इलाके में आम्रपाली प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण के दौरान योगेंद्र साव के खिलाफ दर्ज मामले में साक्ष्य के अभाव में बरी करने का आदेश दिया है। वर्ष 2015 में टंडवा थाना में कांड संख्या 90/2015 और 91/2015 दर्ज कराई गई थी।

सिपाही नियुक्ति नियमावली को चुनौती देने वाली याचिका हाईकोर्ट से खारिज

रांची। सिपाही नियुक्ति नियमावली-2014 को चुनौती देने वाली याचिका पर शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। एक्टिंग चीफ जस्टिस एस. चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ प्रार्थियों को राहत नहीं देते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी। पूर्व में कोर्ट ने सभी पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। राज्य सरकार की ओर से बताया गया था कि सरकार को अधिकार है कि वह नियमावली में बदलाव कर सके और रूल फ्रेम कर सके। इस संबंध में सुनील टूडू सहित 65 याचिकाएं अदालत में दाखिल की गई थी। याचिका में कहा गया है कि झारखंड सरकार की ओर से बनाई गई नियुक्ति नियमावली पुलिस मैनुअल के विपरीत है। नई नियमावली में लिखित परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम क्वालिफाइंग मार्क्स की शर्त लगाना भी गलत है। ऐसे में उक्त नियमावली को रद्द कर देना चाहिए।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
जल पथ प्रमंडल सं०-2 हजारीबाग
Email Id- eewwdchak2-cer-jhr@nic.in

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 – 02/2024–2025

Sl. No.	Name of Work	Estimated Cost (INR)	Earnest Money (INR)	Cost of BOQ (INR)	Completion period of Work
1	कटकमदाग प्रखंड अन्तर्गत मध्य विधालय सलगांवा में सेप्टिक टैंक एवं सॉकपीट सहित सामुदायिक शौचालय निर्माण।	8,99,175.00	18,000.00	1,250.00	20 Days

1. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान तिथि एवं समय : कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, जलपथ प्रमंडल सं0–2, हजारीबाग। दिनांक 04.05.2024 को पूर्वाहण 11:00 से अपराहन 1:00 बजे तक।
2. निविदा प्राप्ति की स्थान तिथि एवं समय : कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, जलपथ प्रमंडल सं0–2, हजारीबाग। दिनांक 04.05.2024 पूर्वाहण 02:00 से अपराहन 3:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की स्थान तिथि एवं समय : दिनांक 04.05.2024 को अपराहण 3:30 बजे कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, जलपथ प्रमंडल सं0–2, हजारीबाग।
4. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं दूरभाष सं0– : कार्यपालक अभियंता, जलपथ प्रमंडल सं0–2, हजारीबाग। 7903709450
5. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है।

नोट :– निविदा से संबंधित शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालय अवधि में सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
जलपथ प्रमंडल सं0–2, हजारीबाग

PR 324132 Water Resource(24-25).D

जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग, (निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग)

आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि प्रत्येक उड़नदाता दल सार्वजनिक उदघोषणा प्रणाली के माध्यम से अपने अपने अधिकार क्षेत्र मे उदघोषणा करेंगे की यदि कोई व्यक्ति चुनाव प्रक्रिया के दौरान नगद या किसी अन्य प्रकार का प्रलोभन देता है या स्वीकार करता है एवं किसी व्यक्ति पर गलत तरीक से वोट देने के लिए लालच देते अथवा दबाव बनाते है हुए पाया जाता है, तो उसके विरूद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 171 ख के तहत्, एक वर्ष तक के कारावास या जुर्माने या दोनों से दण्डनीय होगा। इसके अतिरिक्त, भारतीय दंड संहिता की धारा 171 ग के अनुसार जो कोई व्यक्ति किसी अभ्यर्थी या निर्वाचक, या किसी अन्य व्यक्ति को किसी प्रकार का चोट लगाने की धमकी देता है वह एक वर्ष तक के कारावास या जुर्माने या दोनों से दण्डनीय है। उड़न दस्ते, रिश्वत देने वालों और लेने वालों दोनों के विरूद्ध मामले दर्ज करने के लिए और ऐसे लोगों के विरूद्ध कार्रवाई करने के लिए गठित किए गए हैं जो निर्वाचकों को डराने और धमकाने में लिप्त है। सभी नागरिकों से एतद् द्वारा अनुरोध किया जाता है कि वे कोई रिश्वत लेने से परहेज करें और यदि कोई व्यक्ति कोई रिश्वत की पेशकश करता है या उसे रिश्वत और निर्वाचकों को डराने/धमकाने के मामलों की जानकारी है तो इसकी सूचना जिला समाहरणालय स्थित शिकायत अनुश्रवण कोषांग के **टॉल फ्री नंबर 1800–345–6595 अथवा जिला नियंत्रण कक्ष के दुरभाष सं0. 06546–265233** पर करें।

जाँच के दौरान, अभ्यर्थी, उसके एजेन्ट या पार्टी कार्यकर्त्ता को ले जाने वाले किसी वाहन में 50,000/रू0 से अधिक की नकदी पाई जाती है या वाहन में पोस्टर या निर्वाचन सामग्री या कोई ड्रग्स, शराब हथियार अथवा 10,000/रू0 के मूल्य से अधिक की ऐसी उपहार वस्तुएँ ले जाई जा रही है, जिसका इस्तमाल निर्वाचकों को प्रलोभन दिए जाने के लिए किए जाने की सभावना हो या वाहन में कोई गैर कानूनी वस्तुएँ पायी जाती है तो वे जब्त की जायेगी।

–ह0–
नोडल पदाधिकारी
–सह–राज्य कर संयुक्त आयुक्त,
निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग, हजारीबाग
14–हजारीबाग लोक सभा आम निर्वाचन, 2024

PR 324113 Election(24-25)#D

लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस पदाधिकारियों की बैठक

उग्रवाद प्रभावित जिलों में योजनाबद्ध तरीके से अभियान चलाने का निर्देश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पुलिस मुख्यालय रांची में लोस चुनाव के मद्देनजर पुलिस महानिरीक्षक, अभियान-सह-राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी, झारखंड की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में सभी जिलों में विधि-व्यवस्था संधारण, नक्सलियों, मादक द्रव्य, शराब इत्यादि के विरूद्ध की जा रही कार्रवाई पर समीक्षा की गयी। बैठक में उग्रवाद प्रभावित सभी जिलों को लगातार योजनाबद्ध अभियान चलाने के लिए दिशा-निर्देश दिया गया। जिससे कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को नक्सली अंजाम न दे सकें। साथ ही अंतरजिला एवं अंतरराज्यीय सीमा पर गतिशील नक्सलियों के खिलाफ सामंजस्य स्थापित कर सुरक्षा बलों द्वारा अभियान चलाने पर विशेष जोर दिया गया।

चेक पोस्ट पर अतिरिक्त बलों की प्रतिनियुक्ति

पुलिस महानिरीक्षक अभियान–सह–राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी, झारखंड ने सभी सीमावर्ती क्षेत्रों पर पूर्व से संचालित पुलिस चेक पोस्ट/नाका पर अतिरिक्त बलों की प्रतिनियुक्ति करने, विशेष निगरानी रखने को कहा। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि वे स्वयं संबंधित चेक पोस्ट/नाका का भौतिक रूप से सत्यापन करें ताकि अवैध रूप से ले जाने वाले कैश, अवैध शराब, अवैध हथियार एवं नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाई जा सके।

लंबित कुर्की पर कार्रवाई करें

सभी क्षेत्रीय पुलिस उप महानिरीक्षक, सभी वरीय पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षकों से उनके क्षेत्राधीन जिलों में लंबित वारंटों/ कुर्कियों के निष्पादन पर कार्रवाई करने का विशेष जोर दिया तथा भगोड़ा अपराधियों पर कार्रवाई करने, निरोधात्मक कार्रवाई, सक्रिय अपराधियों तथा अन्य उपद्रवियों को चिन्हित करते हुए कार्रवाई की स्थिति के संदर्भ में समीक्षा की। सभी जिलों में ड्राईव चलाकर सूचना से अविलंब अवगत कराने का निर्देश दिया।

एक हजार करोड़ खर्च के बाद भी अंडरग्राउंड केबलिंग पूरी नहीं

रांची। राज्य में पिछले कुछ सालों से बिजली वितरण प्रणाली मजबूत करने पर बल दिया जा रहा है। लेकिन अबतक बिजली आपूर्ति दुरूस्त नहीं हो पायी है। झारखंड बिजली वितण निगम की मानें तो पिछले दस साल में अंडरग्राउंड केबलिंग में एक हजार करोड़ खर्च किया गया। फिर भी थोड़ी देर की बारिश या लोड अधिक बढ़ने से लोकल फॉल्ट की समस्या से लोगों को राहत नहीं मिल पायी है। अंडरग्राउंड केबलिंग के तहत 33 और 11 केवी लाइन को अंडरग्रांउड किया जाना है लेकिन योजना के दस साल होने पर भी योजना धरातल पर नहीं है। वहीं राजधानी में अभी तक 33 केवी 75 और 11 केवी के 20 प्रतिशत का काम पूरा हो सका पूरा सका है। राज्य में आरपीडीआरपी योजना के तहत महज 110 किमी लाइन ही अंडर ग्राउंड हुई। सपूर्ण बिजली आच्छादन योजना के तहत करीब 200 किमी लाइन ही अंडरग्राउंड हुई। जिसके तहत 33 केवी लाइन का अब भी 35 प्रतिशत और 11 केवी लाइन का अब भी 75 प्रतिशत अंडर ग्राउंड होना बाकी है।

कोई आदिवासी और मुस्लिम तो कोई कुर्मी के सहारे जीत का सेहरा सजाने को तैयार

गांडेय से झारखंड को मिल सकता है नया मुख्यमंत्री!

झारखंड की राजनीति में बहने लगी है परिवर्तन की बयार

सुधीर

रांची। झारखंड की राजनीति में परिवर्तन की बयार बह रही है। ऐसा इसलिए कि झारखंड के गांडेय विधानसभा के लिए भी लोकसभा के 5वें चरण के साथ 20 मई को वोट डाले जायेंगे। यहां से इंडिया गठबंधन और झामुमो की उम्मीदवार और राज्य के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी चुनाव लड़ रही हैं। उन्हें टक्कर देने के लिए एनडीए ने भाजपा प्रत्याशी के रूप में कुर्मी प्रत्याशी देकर चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन के यहां से उपचुनाव लड़ने से यह सवाल खड़ा हो गया है कि झारखंड के अगले मुख्यमंत्री के रूप में कौन कार्यभार संभालेगा और राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है। कल्पना सोरेन का राजनीति में प्रवेश कई लोगों के लिए आश्चर्य की बात नहीं हो सकती है, क्योंकि वह झारखंड की राजनीति में गहरी जड़ें जमाए हुए परिवार से आती हैं। अपने परिवार की मजबूत राजनीतिक पृष्ठभूमि के साथ कल्पना सोरेन ने उनके नक्शेकदम पर चलने का फैसला किया है।

पूर्व सीएम के मित्र और विधायक के ट्वीट ने मचायी हलचल : हालांकि, जिस चीज ने कई लोगों का ध्यान खींचा है, वह है कल्पना सोरेन के झारखंड की अगली सीएम बनने की संभावना। ऐसी अटकलें हैं कि राजनीति में उनकी भागीदारी और शिबू सोरेन परिवार के साथ उनके मजबूत संबंध के कारण वह यह भूमिका निभा सकती हैं। शिबू सोरेन के विरोधाभासी बयान और हेमंत सोरेन के मित्र व गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू के एक ट्वीट से इस संभावना को और बल मिल गया है। सुदिव्य कुमार सोनू के ट्वीट ने गांडेय के राजनीतिक परिदृश्य में हलचल मचा दी है। इसका मतलब यह है कि कल्पना सोरेन को वोट देने का मतलब सिर्फ एक विधायक नहीं, बल्कि संभावित रूप से अगला मुख्यमंत्री चुनना होगा। इससे अटकलें तेज हो गई हैं और इलाके में पहले से चल रहा प्रचार अभियान और तेज हो गया है। झामुमो पार्टी के भीतर कल्पना सोरेन के लिए मजबूत समर्थन उलगुलान न्याय महा रैली और पोस्टरों में उन्हें अधिक प्रमुखता देने के उनके फैसले से स्पष्ट है, जो नेतृत्व में संभावित बदलाव का संकेत दे रहा है।

अब काफी दिलचस्प भी बन चुका है उपचुनाव : गांडेय उपचुनाव हाई प्रोफाईल तो पहले ही हो चुका था वहीं, अब उपचुनाव भी दिलचस्प बन चुका है। चुनावी मैदान में ये लड़ाई आने वाले दिनों में कांटे की टक्कर वाला साबित होने जा रहा है, क्योंकि भाजपा और एनडीए के साझा प्रत्याशी दिलीप वर्मा को कल्पना सोरेन कड़ा टक्कर देगी, यह तय है। लेकिन दिलीप वर्मा के लिए सबसे बड़ा खतरा भीतरघात को लेकर है, वह भी गांडेय के आजसू नेता अर्जुन बैठा से। भाजपा प्रत्याशी के लिए फिलहाल सबसे बड़े खतरे के रुप में आजसू नेता अर्जुन बैठा ही फिलहाल सामने नजर आ रहे है। बहरहाल, कांटे की टक्कर के बीच भीतरघात से निपटने के लिए भी भाजपा प्रत्याशी को आने वाले दिनों में तैयार रहना होगा। वैसे तो चर्चा है की गांडेय भाजपा प्रत्याशी दिलीप वर्मा के पक्ष में खुद दुमका की भाजपा प्रत्याशी और कल्पना की बड़ी गोतनी सीता सोरेन खुद भी आदिवासी वोटरों की गोलबंदी के लिए प्रचार में आ सकती है। अगर ऐसा हुआ तो कल्पना सोरेन के लिए भी आदिवासी वोटरों को एकजुट बनाए रखना बेहद मुश्किल हो सकता हैं।

भारत में प्रतिबंधित अमेरिकन पिटबुल डाग ने बच्चे को काटा पिता ने पड़ोसी के खिलाफ थाना में दर्ज करायी शिकायत

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मधुकम निवासी राम लखन गुप्ता ने अपने पड़ोसी के खिलाफ विदेशी मूल के खतरनाक अमेरिकन पिटबुल कुत्ता रखने को लेकर सुखदेव नगर थाना में शिकायत दर्ज करायी है। उन्होंने अपने पड़ोसी पर आरोप लगते हुए थाना में किए गए शिकायत में कहा कि पिटबुल कुत्ता उनके छोटे बच्चों पर हमला कर देता

है। बीते 25 मार्च को उनके कुत्ते ने उनके 11 वर्षीय बेटे पर हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया था, जब इसकी शिकायत उन्होंने अपने पड़ोसी से की पर उनके तरफ से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला। उन्होंने कहा कि उनका बच्चा इतना डर गया है कि घर से बाहर नहीं निकल रहा है। राम लखन गुप्ता ने अपने आवेदन में लिखा कि उन्हे इंटरनेट से जानकारी मिली कि अमेरिकन पिटबुल को भारत में रखना प्रतिबंधित है। उन्होंने थाना प्रभारी से निवेदन किया है कि इस मामले को संज्ञान में लेकर उचित कार्रवाई करें। सुखदेवनगर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि शिकायत आई है। शिकायत पर छानबीन की जा रही है।

भारत में इन कुत्तों को रखने पर है प्रतिबंध : केंद्र सरकार ने पालतू कुत्तों के हमलों की बढ़ती घटनाओं के बीच 12 मार्च को राज्यों को आक्रमक कुत्तों की 23 नस्लों की बिक्री और प्रजनन पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया था। इनमें पिटबुल टेरियर, टोसा इनु, अमेरिकी स्टैफर्डशायर टेरियर, फिला ब्रासीलिरो, डोगो अर्जेंटीनो, अमेरिकी बुलडॉग, बोअरबोएल कांगल, मध्य एशियाई शेफर्ड, कोकेशियान शेफर्ड, दक्षिण - रूसी शेफर्ड, टॉर्नजैक, सरप्लानिनैक, जापानी टोसा, अकिता, मास्टिफ, टेरियर्स, रोडेशियन रिजबैक, वुल्फ डॉग, कैनारियो, अकबाश डॉग, मॉस्को शामिल हैं।

30 अप्रैल तक रहेगा हीट वेव का असर पारा 4 डिग्री तक बढ़ने का अनुमान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्य में लगातार बढ़ती गर्मी से लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। तेज धूप और गर्म हवाओं का असर भी राजधानी समेत अन्य हिस्सों में बढ़ता जा रहा है। वहीं, मौसम विभाग ने भी इसे लेकर अलर्ट जारी किया है। जिसमें बताया है कि 30 अप्रैल तक राज्य में हीट वेव का असर लगातार बढ़ता रहेगा।

27 अप्रैल को भी जहां हीट वेव का असर संथाल और दक्षिणी हिस्से में देखा जायेगा। वहीं, 28 से 29 के बीच हीट वेव का असर पलामू प्रमंडल और मध्य हिस्से में भी देखा जायेगा। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने जानकारी दी है कि आने वाले पांच दिनों के दौरान राज्य में हीट वेव का असर लगातार बढ़ेगा। इसमें पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज, रांची, रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो, गुमला और खूंटी में भी हीट वेव की स्थिति बनी रहेगी। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो आने वाले तीन दिनों के दौरान राज्य के तापमान में 4 डिग्री तक की वृद्धि दर्ज की जायेगी। मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि दिन के 11 बजे से लेकर दोपहर के 4 बजे तक बाहर न निकलें। समय-समय पर पानी पीते रहें।

अवैध संबंध में बाधक पत्नी की हत्या के जुर्म में ललित दोषी करार

रांची। सिविल कोर्ट ने प्रेम प्रसंग में रोड़ा बन रही पत्नी की हत्या के आरोपी पति ललित सिंह पूर्ति को दोषी करार दिया है। उसकी सजा पर अब 30 अप्रैल को सुनवाई होगी। रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त एमसी झा की कोर्ट ने ललित को दोषी करार दिया है। हत्या की घटना 7 मार्च 2019 की है। यह मामला गोंदा थाना क्षेत्र का है। मालूम हो कि आरोपी पति का किसी और महिला के साथ अवैध संबंध था, जिसे लेकर पति पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। 7 मार्च 2019 को दोनों पति पत्नी के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। इसकी सूचना सुबह साढ़े 5 बजे आरोपी और मृतक के बेटे को मिली। इसके बाद गोंदा थाना में प्राथमिकी कराई गई थी। गिरफ्तारी के बाद से आरोपी जेल में बंद है। मामले की सुनवाई के द्वारा अभियोजन पक्ष ने 7 गवाह पेश किया, जबकि बचाव पक्ष की ओर से 2 गवाह पेश किए गए थे।

द किडनी क्लीनिक एंड आनंद न्यूरो हॉस्पिटल में लगी आग

पांच मिनट के अंदर पहली मंजिल की सारी वायरिंग जलकर राख हो गयी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी के बरियातू रोड से बूटी मोड़ जाने वाली सड़क पर स्थित द किडनी क्लीनिक एंड आनंद न्यूरो हॉस्पिटल के पास उस समय अफरा-तफरी का माहौल हो गया, जब शॉर्ट सर्किट से अचानक पूरे मार्केट कॉम्प्लेक्स में आग लग गयी। आग की लपटें देखते ही अस्पताल में इलाज कराने आये मरीज इधर-उधर भागने लगे। अस्पताल में तैनात कर्मचारियों ने आग पर काबू पाने की काफी कोशिश की लेकिन आग की लपटें धीरे-धीरे बढ़ने लगीं।

चिलचिलाती धूप और गर्मी के कारण आग की लपटें और भी तेज हो गईं। स्थानीय लोगों ने खुद ही आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग लगातार बढ़ती जा रही थी। फिर इस मार्केट कॉम्प्लेक्स में संचालित कार वॉशिंग सेंटर के पानी से आग को बुझायी गयी। वाशिंग सेंटर में काम करने वाले रमन कुमार ने बताया कि आज आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पांच मिनट के अंदर पहली मंजिल की सारी वायरिंग जलकर राख हो गयी। हालांकि जान-माल को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन आग इतनी तेज थी कि अगर स्थानीय लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास नहीं किया होता तो आग भीषण रूप ले लेत।. जिससे जान-माल के साथ-साथ कई अन्य नुकसान भी हो सकते थे।

एयरपोर्ट के पास कार में लगी आग

इधर, शुक्रवार को एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के एयरपोर्ट के पास एक कार में आग लग गयी। जबतक दमकल वहां पहुंचती को कार जलकर राख हो गयी।

वार्डों के निरीक्षण में ड्यूटी से अनुपस्थित मिले दो सीनियर फैकल्टी

रिम्स में भर्ती मरीज को डॉक्टर ने लिखी महंगी दवा, निदेशक ने किया शोकॉज

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के सबसे बड़े हॉस्पिटल रिम्स में व्यवस्था दुरुस्त करने को लेकर प्रबंधन रेस है। नए डायरेक्टर भी एक्शन मोड में हैं, ताकि मरीजों को इस हॉस्पिटल में बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जा सके। वे लगातार वार्डों का इंस्पेक्शन भी कर रहे हैं। यही कारण है कि क्रिटिकल केयर यूनिट में मरीज को महंगी दवाएं लिखने पर वे डॉक्टर से नाराज हो गए। इतना ही नहीं दवा प्रिस्क्राइब करने वाले डॉक्टर को शोकॉज करने का आदेश उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दिया है। बताते चलें कि रिम्स में डॉक्टरों की मनमानी पर लगाम लगाने के उद्देश्य से डायरेक्टर ने जेनरिक दवाएं लिखने को कहा है। इसके बाद भी डॉक्टर मनमानी करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

वार्डों का लगातार कर रहे भौतिक निरीक्षण

रिम्स के डायरेक्टर प्रो डॉ राजकुमार लगातार हॉस्पिटल का इंस्पेक्शन कर रहे हैं। क्रिटिकल केयर से लेकर वार्डों में व्यवस्था दुरुस्त करना उनकी प्राथमिकता है। इस कड़ी में मेडिसीन के दूसरे और तीसरे फ्लोर का निरीक्षण किया, जहां 2 सीनियर फैकल्टी ड्यूटी से गायब मिले। दोनों डॉक्टरों को शोकॉज नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है।

जेनरिक दवाएं लिखने का है आदेश

डायरेक्टर ने कुछ दिनों पहले ही हॉस्पिटल में डॉक्टरों को आदेश जारी किया था, जिसमें ओपीडी से लेकर इनडोर तक मरीजों को जेनरिक दवाएं लिखने का उल्लेख किया गया था। इसके अलावा सभी विभागों को निर्देश दिए गए थे कि रिम्स मेडिसीन स्टोर में मौजूद दवाएं ही लिखें। यदि कोई दवा स्टोर में उपलब्ध नहीं है तो अमृत फार्मेसी में उपलब्ध दवाएं ही लिखी जाए। किसी मरीज को ब्रांडेड दवाई लिखने की आवश्यकता हो तो अमृत फार्मेसी में उपलब्ध ही ब्रांडेड दवा डॉक्टर लिखें।

लूट, छिनतई व दंगा जैसे मामलों के वांछित मो. सद्दाम गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। लूट, छिनतई व दंगा के केस में वांछित शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाली थाना प्रभारी के द्वारा इसकी गिरफ़्तारी की गयी है। इस पर पहले से कई मामले दर्ज थे। बहुत समय से सददाम फरार चल रहा था। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि चुनाव आयोग के आदेशानुसार जो भी वारंटी हैं उन्हें चुनाव से पहले गिरफ्तार करने का निर्देश है। इस आलोक में सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि जो भी फरार अभियुक्त है उनकी गिरफ़्तारी करनी है। इसी सिलसिले में कोतवाली थाना में एक लूट कांड का एक अपराधी था, जिसकी

गिरफ़्तारी का प्रयास काफी समय से प्रयास किया जा रहा था।

उन्होंने बताया कि कोतवाली थाना प्रभारी के द्वारा उसकी गिरफ़्तारी की गयी। गिरफ्तार आरोपी का नाम मोहम्मद सद्दाम उर्फ पगला कॉमेंट है। इसका आपराधिक इतिहास पहले से ही रहा है। 11 कांडों में इसका नाम है साथ ही और भी अन्य कांड में भी इसका हाथ रहा है। रांची के मेन रोड में हुए सांप्रदायिक दंगे में भी यह वांछित था।

चोरी की बाइक पर चढ़ता था उग्रवादी, मकान मालिक और किरायेदार समेत तीन गिरफ्तार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कोई चूक ना हो इसको लेकर पुलिस सतर्क है। पुलिस के द्वारा जगह जगह चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। चेकिंग के दौरान पुलिस ने तीन अपराधियों को पकड़ा है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि 25 अप्रैल को एसएसपी रांची के निर्देश पर मोराबादी मैदान के रजिस्ट्री ऑफिस के पास मोराबादी टीओपी के एएसआई विकास कुमार सिंह एवं टीओपी के आरक्षियों के साथ वाहन चेकिंग लगाया था।

चेकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट की एक एमटी-15 को रोका

गया। मोटरसाइकिल राहुल कुमार, पे. मोतीलाल महतो, पता-पतरातु, थाना चान्हो, जिला रांची के नाम पर पंजीकृत पाया गया। मोटरसाइकिल के साथ पकड़े गए संजय सिंह से पूछताछ क्रम में संजय सिंह ने बताया कि वह इस मोटरसाइकिल को विक्की कुमार साव, जिसके घर में वह भाड़े में रहता था उसी से यह मोटरसाइकिल खरीदी है। संजय सिंह की निशानदेही पर विक्की कुमार को पकड़ा गया, जिसने एक और मोटरसाइकिल चोरी की बात स्वीकार की। उसके निशानदेही पर पूर्व के पीएलएफआई के विशाल स्वांसी को पकड़ा गया, जिसके पास से एक पल्सर मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। उक्त मोटरसाइकिल कोतवाली थाना क्षेत्र से विष्णु साव के पास से चोरी की बतायी जा रही है।

शराब टेंडर पीआइएल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अब अगले सप्ताह होगी सुनवाई

रांची। सुप्रीम कोर्ट में झारखंड में थोक शराब के लिए जारी टेंडर में गड़बड़ी की

जांच को लेकर दाखिल जनहित याचिका के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई हुई। शुक्रवार को हुई आंशिक सुनवाई के बाद कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए अगले सप्ताह की तारीख मुकर्रर की है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस सुधांशु धुलिया की खंडपीठ में यह मामला सूचीबद्ध था। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल ने शीर्ष अदालत में पक्ष रखा।

दरअसल राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (स्पेशल लीव पिटीशन) दाखिल कर कहा गया है कि थोक शराब के लिए जारी टेंडर से जुड़ी जनहित याचिका सुनवाई योग्य नहीं है, यानि जनहित याचिका की मेनटिब्लिटी को ही चुनौती दी गई है। इसके साथ ही याचिका में यह भी कहा गया है कि झारखंड हाईकोर्ट के पीआइएल (पब्लिक इंट्रेस्ट लिटिगेशन) रूल्स का भी पालन नहीं किया गया है। बता दें कि शराब के लिए जारी टेंडर में गड़बड़ी की जांच को लेकर अधिवक्ता राजीव कुमार ने जनहित याचिका दायर की थी। पूर्व में हुई सुनवाई में अदालत राजीव कुमार को इस केस से हटाते हुए संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है।

खबर एक नजर में

ईवीएम पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला मान्य: सुप्रियो

रांची। सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम से वोटिंग की मान्यता को वैध करार दिये जाने के फैसले को सुप्रियो भट्टाचार्य ने सही माना है, लेकिन यह अंतिम फैसला नहीं है। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिर से सुनूंगा यदि कोई शिकायत है। अगर शिकायत है तो उसकी जांच भी हो सकती है। बशर्ते जांच का खर्च शिकायतकर्ता को देना होगा।

चतरा से लोकसभा प्रत्यशी बदलने को लेकर सीडब्ल्यूसी मेंबर से मिले राजेश

रांची। कांग्रेस पार्टी के सीड्ब्ल्यूसी मेंबर व एआईसीसी इंचार्ज गुरदीप सिंह सप्पल से दिल्ली के मिलाप बिल्डिंग में मिल कर झारखंड प्रदेश में हुए टिकट बंटवारे में ओबीसी के साथ हुए नाइंसाफी से अवगत कराया और चतरा लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार पर पुनर्विचार कर ओबीसी उम्मीदवार देने के

लिए राहुल गांधी के नाम मांग पत्र सौंपा। उक्त आशय की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि श्री सप्पल ने राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए केंद्रीय नेतृत्व तक इस मैसेज को पहुंचा देने की बात कही। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता के साथ प्रदेश महासचिव प्रमोद कुमार उपस्थित थे।

री-एडमिशन के नाम पर अवैध वसूली पर अबिलंब रोक लगे : आजसू

रांची। अखिल झारखंड छात्र संघ ने उपायुक्त रांची के नाम शुक्रवार को ज्ञापन सौंपकर निजी स्कूलों द्वारा

री-एडमिशन फीस लेने पर रोक लगाने की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ने कहा कि रांची जिला के अंतर्गत आने वाले सभी निजी स्कूलों के द्वारा री-एडमिशन के नाम पर अभिभावकों पर दबाव बना कर फीस वसूली की जा रही है, जो शिक्षा का अधिकार अधिनियम के नियम का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि अवैध वसूली पर रोक लगाई जाए अन्यथा आजसू बाध्य हो कर चरणबद्ध आंदोलन करेगी। इस अवसर पर दीपक रजक, आशुतोष सिन्हा, पियूष सिंह, नीलाभ रत्न इत्यादि लोग उपस्थित थे।

बनारस मंडी तक पहुंचने से पहले ही रांची में गांजा जब्त, दो महिला समेत चार गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची पुलिस ने गुरुवार को गुप्त सूचना पर छापेमारी कर खदगढ़ा बस स्टैंड से गांजा की बड़ी खेप को पकड़ा है। इस दौरान पुलिस ने दो महिला समेत चार गांजा तस्करों को पकड़ा। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेसवार्ता में कहा कि गिरफ्तार गांजा तस्करों में समित कुमार, दीप राई, अंजना सिंघल और सुषमा शमिल है। पकड़े गए सभी गांजा तस्कर उत्तर प्रदेश और दिल्ली के रहने वाले हैं। सिटी

डीएसपी केवी रमन के नेतृत्व में लोअर बाजार थानेदार दयानंद कुमार समेत लोअर बाजार थाना की टीम मौजूद थी।

सिटी एसपी ने कहा कि पूछताछ में गांजा तस्करों ने कई जानकारी रांची पुलिस को दी है। गांजा की तस्करी बसों से बड़े-बड़े शहरों में होती है। पकड़ा गया गांजा को ओड़िसा से खरीदा गया था। जबकि, बनारस की मंडी में गांजा को खपाना था। चारों के पूर्व अपराधिक इतिहास रांची पुलिस खंगाल रही है।

संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी ने रांची लोस सीट पर प्रवीण कच्छप को दिया मौका

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। चुनावी महाभारत में अब रांची लोकसभा से एक नया चेहरा उभरा है। संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी ने शुक्रवार को बताया कि रांची लोस सीट से प्रवीण कच्छप को उम्मीदवार बनाया गया है। अपने बयान में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शिव उरांव ने कहा कि रांची लोकसभा सीट एक सामान्य सीट है,जिसमें सभी दल जनरल कैटेगरी के उम्मीदवार उतार रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रवीण कच्छप छात्र जीवन से ही विभिन्न आंदोलनों में सक्रिय

रहे हैं। रांची के उम्मीदवार प्रवीण कच्छप ने कहा कि हमारी पार्टी बेरोजगारों की समस्या को गंभीरता से आम लोंगो के बीच लेकर जाएगी। युवाओं के लिए नौकरी, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए संसद में यहां की आवाज बनेंगे।

आइपीसी की धारा 435, 387 और 34, और सीएलए की धारा-17 के तहत आरोपी को मिली जमानत

अपीलकर्ता ने सरेंडर पॉलिसी के तहत आत्मसमर्पण किया है, तो उसकी जमानत की प्रार्थना पर विचार करना होगा: हाईकोर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने एक क्रिमिनल अपील पर सुनवाई करते हुए कहा कि आरोपी द्वारा सरेंडर पॉलिसी के तहत सरेंडर करने के बाद उसके जमानत का आग्रह पर महत्वपूर्ण ऑब्जर्वेशन दिया है। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले में कहा है कि जब अपीलकर्ता ने अपने विवेक से सरेंडर पॉलिसी के तहत सरेंडर किया है, तो अदालत के लिए जमानत के प्रार्थना पर विचार नहीं करना उचित नहीं होगा। अन्यथा, सरेंडर पॉलिसी का संपूर्ण उद्देश्य निरर्थक हो जाएगा। खंडपीठ ने भारतीय दंड संहिता की धारा 435, 387 और 34, सीएलए की धारा 17 के तहत शामिल आरोपी व्यक्ति को जमानत प्रदान कर दी।

साथ ही अदालत ने क्रिमिनल अपील निष्पादित करते हुए निचली अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा पारित आदेश को रद्द कर दिया।

दरअसल, अपीलकर्ता ने

एनआईए अधिनियम, 2008 की धारा 21(4) के तहत निचली अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा पारित एक आदेश के खिलाफ अपील दायर की थी। जिसमें निचली अदालत में उसकी नियमित जमानत खारिज कर दी थी। आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 435, 387, सीएलए की धारा 17 और यूएपी अधिनियम की धारा 13, 15, 16 और 20 लगाई गई थी। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट में अपीलकर्ता की ओर से कहा गया था कि इस मामले में उसे झूठा फंसाया गया है। इसके अलावा यह कहा कि झारखंड राज्य द्वारा बनाई गई नीति के अनुसार अपने विवेक से उसने आत्मसमर्पण किया।

कोर्ट ने ऑब्जर्व किया कि किसी आरोपी व्यक्ति के आत्मसमर्पण के संबंध में तथ्य विवादित नहीं है और योजना के पीछे मूल एजेंडा उन उग्रवादियों को मुख्यधारा में लाना था जो मुख्यधारा से भटक गए हैं। इसके अलावा यह देखा गया कि अगर यह अदालत पॉलिसी की शर्तों के तहत अपनी स्वतंत्र इच्छा से आत्मसमर्पण करने के बाद अपीलकर्ता के जमानत के अनुरोध पर विचार नहीं करती है, तो आत्मसमर्पण नीति का पूरा उद्देश्य और उद्देश्य निरर्थक हो जाएगा। यहां बता दें कि विनोद दास उर्फ विनोद पंडित की ओर से हाईकोर्ट में अपील दाखिल की गई थी।

जमीन के दस्तावेज की मांग वाली छविरंजन की याचिका पर ईडी ने जवाब के लिए मांगा समय

कोर्ट ने जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का दिया समय

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की अवैध खरीद बिक्री मामले में रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन की क्रिमिनल रिट की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। छवि रंजन की ओर से सेना के कब्जे वाली जमीन से संबंधित ईडी के अनुसंधान के क्रम में आए वैसे दस्तावेज की मांग की गई है, जिसे ईडी ने कोर्ट में प्रस्तुत नहीं किया है। इन दस्तावेजों को ईडी ने कोर्ट के रिकॉर्ड में नहीं लाया गया है। कोर्ट ने ईडी को जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया।

मामले की अगली सुनवाई 3 मई को होगी। दरअसल, सेना के कब्जे वाली जमीन मामले में ईडी ने छवि रंजन एवं अन्य के खिलाफ ईसीआईआर 1/2023 दर्ज किया है। इसमें छवि रंजन, अमित कुमार अग्रवाल सहित 10 आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। बता दें कि इस मामले में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन और बड़गाई के राजस्व कर्मचारी सहित 18 लोगों के 22 ठिकानों पर 13 अप्रैल 2023 को ईडी ने छापेमारी की थी।

इस दौरान बड़ी संख्या में जमीन के फर्जी डीड, मुहर एवं अन्य कागजात ईडी को मिले थे। जिसके बाद 14 अप्रैल 2023 को ईडी ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इन पर जमीन के दस्तावेज में छेड़छाड़ करने का आरोप था, बाद में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को इस मामले में संलिप्तता के आधार पर 4 मई 2023 को गिरफ्तार किया गया था। सेना की जमीन खरीद बिक्री मामले को लेकर बरियातू थाना में छवि रंजन के खिलाफ कांड संख्या 141 /2022 दर्ज किया गया है।

सीयूजे के कैंपस सेलेक्शन में एमबीए के 16 छात्रों का हुआ प्लेसमेंट

अधिकतम ₹10.50 लाख का पैकेज

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीयूजे (झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय) के एमबीए के 16 विद्यार्थियों का टैलेंट सर्व में कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। इनमें छह विद्यार्थियों का मार्केटिंग प्रोफाइल के लिए 10.50 लाख प्रति वर्ष सीटीसी और शेष 10 छात्रों का एचआर प्रोफाइल में 05.50 लाख सीटीसी के साथ चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में एरम फातिमा, अनुराग कश्यप, दीपांजन शाह, दिव्या कुमारी, नयन चंद्रा, निहारिका सिंह, निकिता भारती, पवन कुमार, प्रगति राज, पूर्णेंदु कुमारी, राजलक्ष्मी, राजश्री कुमारी, साक्षी कुमारी, शालिनी, स्तुति स्वांसी और शिखा शामिल हैं। सीयूजे के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने इन विद्यार्थियों को बधाई दी है।

एमबीए स्नातक के 41 छात्रों का भी प्लेसमेंट : एमबीए स्नातक के 41 छात्रों का अन्य कंपनियों में भी अधिकतम साढ़े सात लाख रुपये के पैकेज पर प्लेसमेंट हुआ है। इनमें एक्सिस बैंक, रिलायंस रिटेल, एचडीएफसी लाइफ, बजाज फिनसर्व, त्रिवेणी अलमारी प्राइवेट लिमिटेड, प्लैनेट स्पार्क, आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड, कोरिजो, हाइक एडू, इंवेस्टोश्योर आदि कंपनियां शामिल हैं। कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी।

बता दें कि सीयूजे के एमबीए अंतिम वर्ष के कुल 57 छात्रों के बैच में अब तक 48 प्रस्तावों के साथ पहले से ही 41 छात्रों ने प्लेसमेंट हासिल कर लिया है। कुछ अन्य प्रमुख संस्थाओं जैसे अमूल, इंडिया मार्ट और कई अन्य के लिए प्लेसमेंट प्रक्रिया अभी जारी है। सीयूजे में प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल से डॉ नितेश भाटिया ने हाल ही में विश्वविद्यालय में साइंस, इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट के विद्यार्थियों के लिए टीसीएस के लिए आयोजित प्री प्लेसमेंट वार्ता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के आकाश बसु और संदीप ने टीसीएस के बारे में जानकारी देते हुए छात्रों से संक्षिप्त बातचीत की। छात्रों को इस बातचीत से जानकारी मिली कि उन्हें टीसीएस के तीन अलग-अलग प्लेटफॉर्म जैसे टीसीएस निंजा, टीसीएस डिजिटल एवं टीसीएस प्राइम में काम करने का अवसर मिलेगा।

क्या कहते हैं वीसी : सीयूजे के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने बताया कि विश्वविद्यालय अपनी नीतियों के माध्यम से नई दिल्ली में स्टार्टअप महाकुंभ की हालिया यात्राओं और आगामी एमओयू के माध्यम से अपने छात्रों के लिए सर्वोत्तम अवसर प्रदान करने के लिए लगातार काम कर रहा है।

पोस्टल बैलेट एक्सचेंज सेंटर से फॉर्म-12 और 12-डी का हुआ आदान-प्रदान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। लोकसभा आम चुनाव 2024 के लिए अंतर जिला स्थानांतरण के संदर्भ में पोस्टल बैलट के निमित्त प्राप्त फार्म 12 एवं फॉर्म 12 डी का आज संबंधित लोकसभा क्षेत्रों में स्थानांतरण किया गया। मुख्य निर्वाचन कार्यालय में बनाए गए एक्सचेंज सेंटर में राज्य के सभी जिलों/निर्वाचन क्षेत्रों से निर्वाचन कार्य से जुड़े पदाधिकारी अपने-अपने जिले में प्राप्त फॉर्म 12 एवं 12-डी को लेकर पहुंचे और संबंधित दूसरे जिलों को फॉर्म को उपलब्ध कराया। एक्सचेंज के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के. रवि कुमार ने कहा कि एक भी मतदाता मतदान करने से नहीं छूटे, इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पोस्टल बैलेट से मतदान की व्यवस्था की गई है। पोस्ट बैलेट से मतदान के लिए प्राप्त फार्म 12 एवं 12-डी का एक्सचेंज फैसिलिटी से सर्विस वोटर एवं एसेंशियल सर्विसेस के मतदाताओं को मत देने में सुविधा होगी।

अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा ने कहा कि फार्म 12 चुनाव ड्यूटी में कार्यरत अर्थात सर्विस वोटर के लिए है। वहीं फॉर्म 12-डी अब्सेंटी वोटर, अब्सेंटी वोटर फिजिकल डिसिबिलिटी, अब्सेंटी वोटर सीनियर सिटीजन तथा अब्सेंटी वोटर एसेंशियल सर्विसेस के लिए है, जो पोस्टल बैलेट के माध्यम से मत देने की प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। उपरोक्त संबंधित मतदाता जो अपना फॉर्म जमा किए हैं, उसे एक्सचेंज फैसिलिटी के तहत एक दूसरे लोकसभा क्षेत्र में भेजा जा रहा है, ताकि वह अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

विदित हो कि लोकसभा आम चुनाव 2024 के लिए अंतर जिला स्थानांतरण के संदर्भ में पोस्टल बैलट के निमित्त प्राप्त फार्म 12 एवं फॉर्म 12 डी का स्थानांतरण, निर्गत पोस्ट बैलेट एवं पोल्ड पोस्टल बैलेट के आदान-प्रदान एवं अन्य के संबंध में एक्सचेंज कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत 30 अप्रैल को भी पोस्टल बैलट एक्सचेंज फैसिलिटी उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही 4 मई, 7 मई, 11 मई, 15 मई 19 मई, 24 मई, 28 मई एवं 31 मई को मुख्य निर्वाचन कार्यालय में एक्सचेंज फैसिलिटी उपलब्ध कराये जाने संबंधी तिथि निर्धारित है। एक्सचेंज सेंटर में निर्वाचन से जुड़े राज्य भर से पहुंचे थे पदाधिकारी, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे ।

खबर एक नजर में

नीरजा सहाय डीएवी का जेईई मेंस में परचम

रांची। नीरजा सहाय डीएवी के विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। अंजलि मिश्रा 99, मोहित आनंद 96.99 , शाहबान रिजवी 94.40 प्रतिशत हासिल किया है। प्राचार्या किरण यादव ने सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और जेईई एडवांस में सफलता की शुभकामनाएं दी। इसी मौके पर पानीपत में डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स में कुश्ती प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को प्राचार्या ने सम्मानित किया। अंडर 17 प्रतियोगिता में कनक भारती, दिव्या प्रकाशनी, अमन कुमार ने गोल्ड मेडल हासिल किया।

सीआइटी में लगा नेत्र जांच शिविर

रांची। कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में शुक्रवार को संस्थान व श्रेष्ठ नेत्र चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन हुआ। कैंब्रिज ट्रस्ट की वरीय अधिकारी प्रो. रशिका नवनीत सिंह ने उद्घाटन किया। शिविर में डॉ गोपाल दास ने कर्मियों एवं विद्यार्थियों के नेत्रों की जांच की व आवश्यक चिकित्सिय निर्देश दिए। मौके पर डॉ शालिनी सिंह, प्रो. दीपक कुमार वर्मा, डॉ रितेश कुमार, डॉ आलोक कुमार सिंह के अलावे कैंप कोर्डिनेटर श्यामल चटर्जी, आशुतोष मिश्रा थे।

राजेन्द्र प्रसाद का खूंटी में स्वागत

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद शुक्रवार का अगंराबाड़ी जाने के क्रम में मूलवासी सदान मोर्चा खूंटी जिला की ओर से जिलाध्यक्ष शिवनारायण गौंझु, संरक्षक किशोर गौंझु, युवा प्रदेश अध्यक्ष सयुम अंसारी के नेतृत्व में नेता जी चौक खूंटी में भव्य स्वागत किया गया। राजेन्द्र प्रसाद ने इस अवसर पर कहा कि चुनाव में ज्यादे से ज्यादे लोगों को मतदान कराने अपील की। उन्होंने यह भी कहा सदान अपने अधिकारों को ध्यान में रखकर कर वोट करें। स्वागत करने वालों में शिव कुमार कर अजीत, श्रवण कुमार, घनश्याम महतो, संतोष गुप्ता संतोष गुप्ता, सुबोध महतो, अमित झौंझु आदि शामिल थे।

रांची वीमेंस कॉलेज में अभाविप की नयी कमेटी

रांची। रांची विमेंस कॉलेज में अभाविप के नवीन इकाई की घोषणा नगर छात्रा विस्तारिक किरण कुमारी, महानगर सह मंत्री सारदा कुमारी की उपस्थिति में की गई। नए सत्र के लिए इकाई अध्यक्ष- निकिता उपाध्यक्ष- सुमन, मंत्री- कुशव मिश्रा, सह मंत्री- अनुश्रुति मिश्रा एसएफएस प्रमुख ऊमी प्रिया सहदेव, एसएफडी प्रमुख साक्षी कुमारी सोशल मीडिया प्रभारी- रॉली कुमारी कला मंच प्रमुख रिया पांडे खेलो भारत प्रमुख पूनम कुमारी खेलो भारत सह प्रमुख सुलेखा, कांता एवं कार्यकारी सदस्य चित्रा, आकांक्षा, राजश्री श्रीवास्तव ,कीर्ति साहू ,साक्षी, संजू, सहित कई कार्यकताओं को दायित्व दिया गया। मौके पर शारदा कुमारी ने शुभकामनाएं दी। किरण कुमारी ने कहा कि एबीवीपी एकमात्र ऐसा संगठन है जो छात्रहित के साथ साथ समाज व राष्ट्र हित के लिए भी कार्य करती है।

समर्पण शाखा ने बच्चों को सोशल मीडिया के सही उपयोग के बारे में किया जागरूक

रांची। मारवाड़ी युवा मंच राँची समर्पण शाखा ने शुक्रवार को मारवाड़ी कन्या पाठशाला में बच्चों को बीच सोशल मीडिया के सही उपयोग के बारे में जागरूक किया। जेसीआई के प्रशिक्षक करण चितलांगिया ने बताया कि बच्चों को कितनी देर सोशल मीडिया का उपयोग करना चाहिए। साथ अभिभावक से कहा कि बच्चों के सोशल मीडिया पर ध्यान दें और बच्चों को फिल्टर लगा कर ही सोशल मीडिया प्रयोग करने दें। इस मौके पर शाखा अध्यक्ष विनीता सिंघानिया, शुभा अग्रवाल, कविता सोमानी, रितु पोद्दार, कोमल पोद्दार, कोमल झुनझुनवाला उपस्थित थी। ये जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी।

रांची विश्वविद्यालय : यूजी सेमेस्टर-1 का परीक्षा फार्म भरने की तिथि 28 तक बढ़ी

छात्रों को मिलेगा 28 अप्रैल की शाम 5 बजे तक फॉर्म भरने का मौका

रांची। रांची विश्वविद्यालय यूजी सेमेस्टर- 1 का परीक्षा फार्म भरने की तिथि 28 अप्रैल तक बढ़ा दी गयी है। पहले फार्म भरने की अंतिम तिथि 24 अप्रैल थी जिसे छात्रों की सुविधा के लिये रांची विश्वविद्यालय ने बढ़ा कर 26 अप्रैल 2024 कर दिया था। 26 अप्रैल को बहुत सारे छात्रों ने रांची विश्वविद्यालय पहुंच कर कुलपति प्रो.(डा.) अजीत कुमार सिन्हा से विशेष आग्रह किया और कहा कि वो किन्हीं कारणों से अब तक फार्म नहीं भर पाये हैं उन्हें फार्म भरने का एक अवसर दिया जाये। छात्रों के अनुनय-विनय को देखते हुए कुलपति ने परीक्षा फार्म भरने की तिथि दो दिन बढ़ा दिया है। अब नयी सूचना के अनुसार यूजी सेमेस्टर एक की परीक्षा फार्म 28 अप्रैल शाम पांच बजे तक आनलाईन भरी जा सकेगी। साथ ही कुलपति ने कहा कि छात्र जल्द से अपना फार्म भरें । अब किसी भी हाल में यह तिथि बढ़ायी नहीं जायेगी।

झारखंड वैश्य मोर्चा के अध्यक्ष महेश्वर साहू अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड वैश्य मोर्चा के अध्यक्ष महेश्वर साहू ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने माला पहनाकर महेश्वर साहू और उनके समर्थकों को कांग्रेस के सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर संबोधित करते हुए राजेश ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से प्रभावित होकर और देश के वर्तमान माहौल को देखते हुए महेश्वर साहू ने अपने लोगों के साथ कांग्रेस के सदस्यता ग्रहण की है। देश के वर्तमान हालात मे अच्छे भविष्य के लिए राहुल जी एक उम्मीद की किरण के रूप में देशवासियों को नजर आ रहे हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सुबोध कांत सहाय ने कहा कि भाजपा के नफरत के माहौल से निपटना जनता जान गई है, सांप्रदायिकता की जी सीढ़ी पर चढ़कर भाजपा बहुमत लाने का प्रयास कर रही है उसमें वह सफल नहीं होगी। जनता उनके पूरे 10 वर्षों के कार्यकाल का एक्स-रे कर रही है और उसी के अनुरूप इन्हें सबक सिखायेगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से अमूल्य नीरज खलखो, सतीश पॉल मुंजनी, सोनाल शांति, कमल ठाकुर, जगदीश साहू, निरंजन पासवान थे।

कांग्रेस की सदस्यात लेने वालों में मुख्य रूप से महेश्वर साहू, मोहन साव, भुनेश्वर साव, डॉ एहसान अहमद सिद्दीकी, मुकेश लाल सिन्दुरिया, सुमन जायसवाल, प्रकाश मंडल, मिथलेश जायसवाल, गणपति साहु, आलोक मंडल, रामदयाल पांडेय, मिथुन कोयरी, राहुल कुमार साहु, बनवारी साव, शकील अख्तर मस्सन, राजेश साव, सुखदेव साव, बासुदेव साव, मोहन साव, ओम प्रकाश साव, भरत केशरी, विजय केशरी, दीपक प्रसाद, अमित साहु, नंद किशोर ठाकुर, रंजन प्रसाद, संजय प्रसाद, अजित कुमार, मो सलीम , विचंल कुमार, निखिल तिवारी आदि शामिल है।

शारदा ग्लोबल के छात्रों का जेईई मेन्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। शारदा ग्लोबल के मेधावी छात्र अभ्यांशु जायसवाल तथा श्रेयांश देव जेईई एडवान्स के लिए क्वालिफाइ किया है। शारदा ग्लोबल के तीन छात्र अभ्यांशु एवं श्रेयांश ने जेईई मेन्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जेईई एडवान्स में प्रवेश कर अपनी उत्कृष्टता का परचम लहराया है। विद्यालय की डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ. रंजना स्वरूप, प्राचार्या जसमीत कौर एवं शिक्षकगण ने उनकी सफलता पर हर्ष प्रकट करते हुए जेईई एडवान्स में उन्हें और भी अच्छे अंक लाने की कामना की। डायरेक्टर एकेडमिक्स एवं प्राचार्या ने छात्रों की इस उपलब्धि के पीछे उनका कठिन परिश्रम, समय प्रबंधन तथा उचित मार्गदर्शन को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय के छात्र आनेवाली स्पधाओं में इसी प्रकार की सफलता से विद्यालय को आगे भी गौरवान्वित करते रहे एवं आपने उज्जवल भविष्य की नींव गढ़ते रहे यही विद्यालय मैनेजमेंट की उनसे अपेक्षा है। आने वाले एडवान्स के लिए समय का समुचित उपयोग करें, विद्यालय उनके साथ सम्पूर्ण सहयोग के लिए तत्पर है।

14वें विश्व पेट्रोकोल कांग्रेस-2024 का आयोजन दिल्ली में

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। नई दिल्ली में आयोजित 14वें विश्व पेट्रोकोल कांग्रेस-2024 में सीएमपीडीआई के निदेशक अच्युत घटक ने अपने की-नोट में बताया कि किस प्रकार नवीकरणीय ऊर्जा एकीकृत पम्प भंडारण संयंत्र विशुद्ध शून्य उत्सर्जन की दिशा में भारत की यात्रा में क्रांति ला सकते हैं। घटक ने पीएसपी के लिए परित्यक्त खदानों को फिर से उपयोग में लाने में कोयला उद्योग की भूमिका पर जोर देते हुए स्थिरता और नवाचार पर चर्चा शुरू की। 14वें विश्व पेट्रोकोल कांग्रेस-2024 में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रतिनिधियों द्वारा मुख्य वक्ता की सराहना की गयी। 14वें विश्व पेट्रोकोल कांग्रेस-2024 'हरित ग्रह के लिए ऊर्जा, पर्यावरण, दक्षता, समानता और उद्यमिता' पर केंद्रित रहा, जहां ज्ञान को क्रियान्वित करने के लिए केन्द्र बिंदु प्रदान करने के लिए 97 से अधिक देश और विदेश से आए वक्ताओं ने सम्मेलन में भाग लिया। पेट्रोकोल कांग्रेस पेट्रोलियम-गैस-कोयला उद्योगों पर एकमात्र कांग्रेस है जिसका ध्यान ऊर्जा के तालमेल पर है।

हटिया उप डाकघर में सुविधा शुल्क के नाम पर वसूली, पत्र लिखा

रांची। डाकघर के अभिकर्ता मुकेश कुमार और संध्या चौधरी ने हटिया उप डाकघर के कर्मियों द्वारा सुविधा शुल्क के नाम पर अवैध वसूली एवं ग्राहकों के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। इस संबंध में वरीय डाक अधीक्षक, रांची को शिकायत पत्र दिया सौंपा गया है। लिखा है कि बेवजह परेशान किया जाता है। डाकघर के अधिकारी काम करने के नाम पर सुविधा शुल्क की मांग करते हैं।

सरला बिरला के छात्र जेईई मेन्स अप्रैल में उत्कृष्ट प्रदर्शन

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची के छात्रों ने जेईई मेन्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। धैर्य पांडे ने 98.98 पर्सेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया, उसके बाद अपूर्बो रॉय ने 98.84 पर्सेंटाइल, आयुष राज यादव ने 98.78 पर्सेंटाइल, बुप्ता नागा वेंकट कृष्णा ने 97.93 पर्सेंटाइल, आर्यमान कुमार ने 97.63 पर्सेंटाइल, तीर्थ श्रेष्ठ 96.77 पर्सेंटाइल, शिवम मिश्रा 96.68 पर्सेंटाइल, सुधांशु कुमार 96.30 पर्सेंटाइल, रणवीर राज 95.91 पर्सेंटाइल, रूपेश आनंद 95.41 पर्सेंटाइल, भूमि केशरी 95.39 पर्सेंटाइल, प्रवु समर्पिता नायक 93.97 पर्सेंटाइल, आकर्ष कुमार सिंह 92.60 पर्सेंटाइल और सौरभ तिवारी ने 92.43 पर्सेंटाइल हासिल किया है। प्राचार्या परमजीत कौर ने सभी को बधाई दी है।

डीएसपीएमयू में कुलपति ने दो पुस्तकों का किया विमोचन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पर्यावरण अध्ययन विभाग की संकाय सदस्य डॉ अमृता लाल की लिखित दो पुस्तकों का शुक्रवार को प्रशासनिक भवन के सम्मेलन कक्ष में कुलपति डॉ. तपन कुमार शांडिल्य ने विमोचन किया। यह दो पुस्तकें ब्यूटिया मोनो स्पर्माः द फ्लेम ऑफ फॉरेस्ट और एनवायरनमेंटल साइंस प्रैक्टिकल के नाम से शीर्षांकित है। वीसी ने इन पुस्तकों के विमोचन पर कहा कि यह काफी हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय में जर्नल और पुस्तकों का प्रकाशन नियमित अंतराल पर किया जा रहा है। उन्होंने दोनों पुस्तकों की सराहना करते हुए कहा कि यह दोनों पुस्तकें विद्यार्थियों को केंद्र बिंदु रखते में हुए लिखी गई है, जो उनके लिए काफी उपयोगी होगी।

जेईई मेंस में डीएवी हेहल ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इस साल अप्रैल में आयोजित जेईई मेंस सेशन-2 में डीएवी हेहल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विद्यालय के सौरव कुमार ने 99.91 परसेंटाइल, तनय कात्यायन 99.21 परसेंटाइल, जिज्ञान्सु कुमार ने 98.1 परसेंटाइल, धीरज कुमार ने 97.36 परसेंटाइल, अंशुमान तिवारी ने 97.34 परसेंटाइल, श्रेष्ठ अग्रहरी 97.30 परसेंटाइल, प्रत्युष कुमार 96.6 परसेंटाइल, हर्ष कुमार 96.11 परसेंटाइल, जयबल्लभ पाठक ने 95.59 परसेंटाइल, कन्हैया वर्मा 93.67 परसेंटाइल, शुभ शक्ति पाण्डेय 92.28 परसेंटाइल, देवांशु प्रसाद ने 90.17 परसेंटाइल प्राप्त किया। इस सफलता के लिए विद्यालय के प्राचार्य सह सहायक क्षेत्रीय अधिकारी एसके मिश्रा ने सभी सफल विद्यार्थियों एवं उनके माता-पिता को बधाई दी।

वाहो वाहो गोबिंद सिंह जी के जयकारे और नगाड़े की थाप के साथ भव्य नगर कीर्तन निकाला गया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। वाहो वाहो गोबिंद सिंह जी के जयकारे और नगाड़े की थाप के साथ कृष्णा नगर कॉलोनी में भव्य नगर कीर्तन निकाल गया। शुक्रवार को सुबह 5:00 बजे गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा से नगर कीर्तन की शुरूआत हुई। नगर कीर्तन में श्री गुरु ग्रंथ साहब जी के स्वरूप को पुष्प से सजे वाहन पर विराजमान कर पांच निशानची हरविंदर सिंह मिढ़ा,जीत सिंह, हरप्रीत सिंह, सतविंदर सिंह चुचरा, रविंदर सिंह एवं पांच प्यारे स्वर्णदीप सिंह, अमरजीत सिंह मुंजाल, कवलजीत सिंह मिढ़ा, रमनदीप सिंह, अमन सिंह माकन की अगुवाई में कॉलोनी की विभिन्न गलियों का भ्रमण कराया गया। नगर कीर्तन गुरुद्वारा साहिब के दर्शन दिउड़ी गेट से आरंभ होकर कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित विजय कटारिया और सुनील गेरा के चौक, झंडा चौक, गोपाल दास सरदाना के चौक से होकर डॉ अजय छावड़ा के क्लिनिक होते हुए भगत सिंह मिढ़ा के आवास, बबलू गांधी, सुभाष मिढ़ा, जीतू काठपाल, राज कुमार सुखीजा, अशोक मिढ़ा के चौक होते हुए सेंट्रल बैंक गली और भगवान सिंह बेदी, रमेश पपनेजा, नरेश पपनेजा, हरविंदर सिंह बेदी, द्वारकादास मुंजाल, सुनील मिढ़ा, प्रेम खत्री, बलबीर काठपाल, मनीष सरदाना, श्याम लाल गाबा, होला राम तेहरी के चौक, विवेकानंद अस्पताल तथा सुंदर लाल मिढ़ा के चौक एवं शहीद भगत सिंह चौक होते हुए दर्शन दिउड़ी गेट वापस पहुंचकर सुबह 8.30 बजे मनीष मिढ़ा द्वारा की गई अरदास के साथ विसर्जित हो गया। सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि इस तीन दिवसीय समागम के उपलक्ष्य में 27 अप्रैल, शनिवार को रात 8:00 बजे से 11:30 बजे तक एवं 28 अप्रैल को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक विशेष दीवान सजाया जाएगा।

नगर कीर्तन में हरविंदर सिंह बेदी, लेखराज अरोड़ा, हरगोविंद सिंह, अमरजीत गिरधर, अशोक गेरा, चरणजीत मुंजाल, राजकुमार सुखीजा, सुरेश मिढ़ा, हरीश मिढ़ा, मोहन काठपाल, प्रेम मिढ़ा, विनोद सुखीजा, जीवन मिढ़ा, महेश सुखीजा, सूरज झंडई, रौनक ग्रोवर, पीयूष मिढ़ा, करण अरोड़ा, वंश डावरा, साहिल सरदाना, जीत सिंह, राकेश घई, अमन डावरा, कुणाल चुचरा, ऋषभ शर्मा, आशू मिढ़ा, नवीन मिढ़ा, पवनजीत सिंह, बसंत कठपाल, अनूप गिरधर, हरविंदर सिंह मिढ़ा, वेद प्रकाश मिढ़ा, लक्ष्मण दास मिढ़ा, लक्ष्मण सरदाना, महेंद्र अरोड़ा, प्रताप खत्री, इंदर मिढ़ा, रमेश पपनेजा, मोहन लाल अरोड़ा, रमेश गिरधर, नीरज गखड, सागर थरेजा, मिक्की मिढ़ा, पंकज मिढ़ा, रिक्की मिढ़ा, कमल मुंजाल, रमेश तेहरी, कमल धमीजा, उमेश मुंजाल, नीरज सरदाना थे।

सीआईआई झारखंड की स्वास्थ्य व व्यावसायिक सुरक्षा पर कार्यशाला

रांची। सीआईआई झारखंड ने स्वास्थ्य एवं व्यावसायिक सुरक्षा पर कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को किया। झारखंड राज्य परिषद के अध्यक्ष रंजोत सिंह ने कहा कि सुरक्षा के प्रति किसी की प्रतिबद्धता अनुपालन के साथ समाप्त नहीं होती है। बल्कि यह सीखने और सुधार की निरंतर यात्रा तक फैली हुई है। सीआईआई जमशेदपुर जोनल कार्उंसिल के अध्यक्ष दिलू पारिख ने कहा कि सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना न केवल एक नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी है, बल्कि कर्मचारियों और संगठन दोनों की समग्र सफलता और भलाई में भी योगदान देता है।

स्पीड न्यूज

105 वर्ष में समाजसेवी अमीन महतो का निधन

रांची। शुक्रवार की सुबह 6.30 बजे खिजुरटोला बूटी निवासी अमीन महतो समाजसेवी का ब्रेन हैमरेज होने से 105 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने सादगी से जीवन जीते हुए नशापान से अपने आप को जीवन भर दूर रखा। इसके साथ ही पूर्ण शाकाहारी जीवन व्यतीत किये, जो समाज को सदा प्रेरणा देता रहेगा। वर्ष के 365 दिन वे धोती एवं गंजी तथा अधिकतर समय खेत खलिहान में ही बीतते थ। उन्होंने अपने पीछे तीन पोता हरीश चौधरी, निरंजन चौधरी, प्रवीण चौधरी सहित भरापूरा परिवार छोड़कर गये। जुमार नदी घाट खिजुरटोला, किशुनपुर बूटी उनका अंतिम संस्कार किया गया।

पालू ग्रामप्रधान मनोज मुंडा का निधन

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के पालू गांव के ग्राम प्रधान मनोज मुंडा का निधन हो गया। 55 वर्षीय मनोज मुंडा को गुरुवार को दोपर तीन बजे के करीब अचानक चक्कर आने के बाद मुर्क्षित हो गया। उसे उपचार के लिए विकास नर्सिंग होम ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत का कारण ब्रेन हेमरेज की आशंका जताई गई है। बताया गया कि मनोज मुंडा दो दिन पूर्व गांव में लोगों से मिल जूल कर बाते कर रहे थे। वैवाहिक कार्यक्रमों में भी शामिल होकर काफी खुश थे। अचानक निधन के समाचार पर एकाएक लोग विश्वास नहीं कर पा रहे थे। शुक्रवार को गांव के में उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। मौके पर काफी संख्या में लोग शामिल थे। राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू, सांसद संजय सेठ, विधायक राजेश कच्छप, पूर्व सासंद रामटहल चौधरी, प्रमुख अनुपमा देवी, मुखिया बिरेंद्र मुंडा, उप मुखिया राजकिशोर साहू, अजय साहू, रोहित साहू क्षेत्र के कई ग्रामप्रधान सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि व ग्रामीणों ने उनके निधन पर दुख जताया गया है।

एसएसबी ने स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया

तमाड़। प्रखंड स्तिथ मां शारदा गुरुकुल विद्यालय बिरहोर कालोनी और उत्क्रमित उच्च विद्यालय लुंगटू में 26 वी वाहिनी सशस्त्र सीमा डुंगरडीह ई समवाय के द्वारा दो दिवसीय स्वच्छ पर्यावरण ही जीवन शैली के अंतर्गत स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्लास्टिक पर रोकथम व साफ.सफाई के बारे में समझाया गया और सभी के सहयोग से उक्त इलाके के चारो तरफ की साफ.सफाई की गयी। अभियान की समाप्ति भारत माता की जय के साथ किया गया। इस अवसर पर सशस्त्र सीमा बल के निरीक्षक कपिल नागरए उपनिरीक्षक एस इबोमचा सिंहए शिक्षकगण उपस्थित थे।

शार्ट सर्किट से घर में लगी आग सामान जल कर खाक

चान्हो। बलसोकरा स्थित मदरसा चौक में तबरेज आलम के घर में शॉर्ट सर्किट से आग लगने से छह से सात लाख रुपया नुकसान की आकलन लगाया जा रहा है। घटना शुक्रवार सुबह की है। तबरेज आलम ने बताया कि व घर पर नहीं थे। बच्चा बीमार था उसी को दिखाने के लिए गुरुवार को अस्पताल ले गए थे और लौटने के क्रम में चान्हो स्थित ससुराल में ही रुक गए थे। सुबह उनके घर वालों के द्वारा आग लगने की सूचना दी गई। उन्होंने बताया कि जैसे ही आग लगी उनके भाईयों और आसपास के लोगों के द्वारा आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। मगर तब तक घर में रखे नगद सहित सारा सामान जलकर राख हो गया।

यूनियन नेताओ ने शव रख कर किया प्रदर्शन

पंप हाउस के निकट मिला सीसीएल कर्मचारी का शव

8 घंटा चुरी परियोजना का कार्य बंद रहा

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र के एनके एरिया चुरी परियोजना के मानकी कोलयरी पंप हाउस के पास सीसीएल कर्मी का शव बरामद किया गया। जानकरी के अनुसार सीसीएल कर्मी खेतुनुआ मुंडा लगभग ;44 वर्षद्ध का शव रात ड्यूटी में पंप हाउस में कार्यरत थे। अचानक सुबह मानकी कोलयरी पंप हाउस के पास अचेत अवस्था में शव सीसीएल कर्मी का पाया गया। मृतक के पुत्र संजीत कुमार मुंडा के अनुसार वह अपना स्कार्पियो से रात्रि 12 बजे के आसपास अपने पिता को डियूटी करने के लिये छोड़ कर गया था। इससे पूर्व ड्यटी में लगे हजारी मुंसी सुनील कुमार नाहक को अचानक तबियत खराब हो जाने के कारण अपने आवास चले गए। जिसके कारण मृतक का हाजरी नही बना पाया। हाजरी मुंसी ने का कहना था कि सुबह आकर बना देंगे। उसके बाद सुबह 7रू30 को पिता को लेने पंप हाउस पहुँचेएतो देखा कि अचेत अवस्था में जमीन पर लेटे हुए है। उसके बाद चुरी परियोजना के सभी पदाधिकारियों को सूचित किया गया। जिसके बाद सीसीएल व चुरी प्रबंधन ने ड्यूटी में हाजरी नही बना हैएका कारण बता कर त्वरित नौकरी देने से मना कर दिया। जिसके बाद यूनियन नेता गोल्डन प्रसाद यादव मनोज रजक सुनील सिंह धीरज सिंह दीपक मंडल मनीष सिंह सहित अन्य ने चुरी पिट ऑफिस के सामने मृतक का शव रखकर आंदोलन किया गया। यूनियन नेताओ ने प्रबंधन की बात को अस्वीकार करते हुए कहा कि जब तक मृतक के परिजन को नौकरी का आश्वाशन सीसीएल प्रबंधन नही देता है तब तक चुरी परियोजना का कार्य बंद रहेगा। आंदोलन के करण चुरी परियोजना आठ घण्टा तक बंद रहने के बाद सीसीएम प्रबंधन व खलारी पुलिस पदाधिकारी के समक्ष मृतक के परिजन को 15 दिनों के अंदर नौकरी देने की बात पर आंदोलन खत्म कर परियोजना का कार्य शुरू किया गया।

चान्हो में बालू निकाल रहे युवक की चाल धंसने से मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

चान्हो। थाना क्षेत्र के सिलागाईं नदी से बालू निकालने के दौरान चाल धसने से गुरुवार शाम एक युवक की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार चांपाडीह निवासी बाइस वर्षीय अनिल उरांव एक ट्रैक्टर चालक के साथ वह अबुवा आवास के लिए बालू लाने सिलागाईं नदी गया था। बालू की कमी को लेकर सिलागाईं नदी में इन दिनों बनकर जैसा बनाकर बालू की निकासी होती है। अनिल भी सुरंग में घुसकर अकेले ही बालू निकाल रहा था। इसी दौरान अचानक ऊपर का बालू धंस गया और अनिल उरांव उसके नीचे दब गया। बाद में बाहर खड़े चालक की सूचना पर अनिल उरांव को वहां से निकालकर मांडर स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अनिल अपने परिवार का इकलौता कमाऊ सदस्य था उसका एक छोटा बच्चा भी है।

बारूहातू पंचायत के मुखिया पति का निधन

सोनाहातू। बारूहातू पंचायत के मुखिया सविता देवी के पति झारखंड पुलिस का जवान और आजसू समर्थक धर्मेन्द्र महली का निधन गुरुवार को हुआ था। ड्यूटी के दौरान ही तबीयत बिगड़ी थी।रांची के सैम्फर्ड अस्पताल में ईलाज करा रहे थे। ईलाज के क्रम में इनका निधन हुआ था।इनके परिवार में पत्नी समेत दो पुत्र शैलेन्द्र महली और आशीष महली है । निधन की जानकारी मिलते ही विधायक सुदेश महतो इनके आवास बुकरूडीह गांव पहुंचे। परिजनों से मिलकर दु:ख जताया। मौके पर चितरंजन महतो संजय महतो गलऊ मुखिया सावना महली ग्राम प्रधान जीवाधन सिंह मुण्डा खंजन महतो मौजूद थे।

कृषक उवि के अस्थायी सचिव कर रहे डीईओ के आदेश की अवहेलना

अब तक नहीं मिला योगदान, खटखटाएंगे कोर्ट का दरवाजा

शेख मुजिबुल

रातू। कृषक उवि गड़री, गुडू में बच्चियों की पिटाई के चर्चित मामले में आरोपित प्रबंध समिति के तत्कालीन सचिव अशोक कुमार व प्रधानाध्यापिका सीमा कुमारी, सहायक शिक्षक नलनी रंजन प्रसाद व शिक्षिका मेलसा स्वेता तिर्की को झारखंड हाई कोर्ट से क्रमशः 20 दिसंबर 2023 और 23 फरवरी 2024 को जमानत मिल गयी है। इसके बाद 6 मार्च 2024 को योगदान को लेकर उनकी ओर से दी गयी अर्जी पर डीईओ विनय कुमार ने विद्यालय के अस्थायी सचिव सुनिल उरांव को अपने कार्यालय पत्रांक 938 व दिनांक 31 मार्च 2024 के जरिये कार्रवाई का आदेश दिया है। इसके बावजूद श्री उरांव की ओर से इसका अनुपालन नहीं किया गया है। श्री उरांव की ओर से योगदान के लिये आमंत्रित नहीं किये जाने पर श्री कुमार, सीमा कुमारी, नलनी रंजन व स्वेता तिर्की ने नाराजगी जतायी है। इधर पक्षकार अधिवक्ता लक्ष्मण सिंह ने खबर मंत्र को बताया कि एक सप्ताह के भीतर योगदान नहीं देने दिया गया, तो न्याय के लिये हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जायेगा।

जानें क्या था मामला

विद्यालय के सचिव, प्रधानाध्यापिका व शिक्षक-शिक्षिकाओं पर 10वीं की छात्रा साक्षी, असिता व रिया कुमारी के साथ 22 अगस्त 23 को छड़ी से पिटाई कर जख्मी कर दिये जाने का आरोप था। परिजनों की फटकार से आहत होकर साक्षी ने आत्महत्या करने के उद्देश्य से घर में रखे कीटनाशक पी ली थी। उसे रिंची ट्रस्ट हॉस्पिटल में प्राथमिक उवचार के बाद रिम्स में भर्ती कराया गया गया था। इसके छठे दिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी थी। घटना को लेकर रातू थाने में कांड संख्या 342/23 दर्ज है।

शरारती तत्वों ने बेड़ो के बारीडीह जंगल में लगायी आग, पेड़-पौधे जल कर खाक

दमकल पहुंचा

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के बारीडीह गांव के समीप जंगल में शुक्रवार की सुबह को शरारती तत्वों ने आग लगा दी। जिसके कारण पूरे जंगल में आग फैल गई। आग से जंगल में लगे कई पेड़ पौधे जल गए। आग के भयानक रूप को देखते हुए स्थानीय लोगों द्वारा अग्नि शमन विभाग को सूचना दी गई। इधर ग्रामीणों द्वारा आग पर काबू पाने के लिए काफी प्रयास किया गया।वही अग्नि शमन वाहन मौके पर पहुंची। लेकिन इसके पूर्व ही ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया। वही अगलगी की खबर पाकर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई थी। ग्रामीणों कहा कि किसने आग लगाई यह अब तक पता नहीं चल पाया है। इधर जंगल में गिरे साल वृक्ष के सूखे पत्तों के साथ.साथ हरे.भरे छोटे.छोटे पौधेएसखुआ के कई पेड़ आशिक या पूर्ण रूप से जल गए। जंगल में लगी आग जंगल के घनत्व में कमी आने के कारण भयावह रूप तो नहीं ले सकीएलेकिन जंगल का अधिकाश हिस्सा जल गया। हरे.भरे पौधों के साथ.साथ सैकड़ों प्रकार के कीड़े.मकोड़े और जीव जंतु जंगल में आग के कारण बुरी तरह प्रभावित हुए। इस संबंध में पूछे जाने पर ग्रामीणों ने कहा कि किसने आग लगाई यह अब तक पता नहीं चल पाया है। लेकिनए इस तरह का आगजनी नहीं होना चाहिए। इस संबंध में वन विभाग के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं होने से जंगल का इसी तरह विनाश होता रहेगा। वन विभाग वाले जंगलों के बीच सड़क के चौड़ीकरण के खिलाफ खड़ा हो जाते हैंए जबकि उसमें एक भी पेड़ नहीं कटेगा। लेकिन दूसरी ओर हजारों पेड़ और हरे.भरे पौधे जंगल में लगी आग के कारण नष्ट हो रहे हैं। परए वे इस मामले में चुप्पी साध लेते हैंए जो चिंता का विषय है।

भूमि के मुआवजे की मांग पर रैयतों ने भारतमाला प्रोजेक्ट का काम रोका

सिकिदिरी। सिकिदिरी थाना क्षेत्र के चाडू गांव में शुक्रवार को भारत माला प्रोजेक्ट के तहत एक्सीप्रेस वे निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि पर समतलीकारण कार्य करने पहुंचे एनएचएआई के अधिकारी और पुलिस बल के जवानों के साथ जमीन मालिकों की तीखी नोक.झोंक हुई। इस दौरान रैयतों ने आरोप लगाया कि पुलुस ने एक रैयत के साथ मारपीट की है। जमीन मालिकों का कहना है कि उनके अधिग्रहित भूमि का अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। प्रमोद महतो ने बताया कि पिछले वर्ष ओरमांझी अंचल के द्वारा हमलोगों की जमीन को विवादित बता कर मामला को एलए कोर्ट भेज दिया गया है। इस जमीन पर बनलोटवा निवासी मुंशी यादवएवंशी यादव राजू यादव का दावा गलत है। मामला को लेकर वे लोग एक दर्जन से अधिक बार कोर्ट का चक्कर लगा चुके है। बताया कि हमारी जमीन भी चली जा रही है और मुआवजा भी अभी तक नहीं मिला है। जबतक मुआवजा की राशि नहीं मिल जाती है। हमलोग काम नहीं होने देंगे। मालूम हो कि ओरमांझी प्रखंड के चाडू मौजा के खाता संख्या 11 के एक दर्जन किसानों की जमीन भारत माला प्रोजेक्ट के तहत एक्सीप्रेस वे निर्माण के लिए अधिग्रहित किया गया है। इसी भूमि पर शुक्रवार को एक्सप्रेस वे निर्माण करा रही कम्पनी पीआरएए एनएचएआई के कर्मचारी और सिकिदिरी थाना की पुलिस पहुंची थीं। सिकिदिरी थाना के एसआई वरुण शर्मा ने बताया कि रैयत मुआवजा नहीं मिलने के कारण काम नहीं होने दे रहे है।

अधिग्रहित भूमि का मुआवजा नहीं मिलने से हैं नाराज

जिला समादेष्टा का कार्यालय, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, राँची

चुनाव कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता
आवश्यक सूचना

महानिदेशक–सह–महासमादेष्टा, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा, झारखण्ड राँची का ज्ञापांक–820/OTD, दिनांक–16/04/2024 के आलोक में राँची जिला अन्तर्गत प्रभावित बल के सभी शहरी/ग्रामीण महिला एवं पुरूष गृह रक्षकों को लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में विधि व्यवस्था संधारण हेतु कुल प्रभावित बल के 70 प्रतिशत गृह रक्षकों को चुनाव ड्यिुटी में लगाया जाना है। उक्त के निमित आज दिनांक–25.04.2024 को झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी मुख्यालय राँची से लोकसभा आम चुनाव 2024 में प्रतिनियुक्त होने वाले ग्रामीण/शहरी पुरूष एवं महिला गृह रक्षकों की सूची जारी कर दी गयी है। उक्त सूची जिला समादेष्टा कार्यालय, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, राँची के सूचनापट् पर चिपका दी गयी है।

लोकसभा आम चुनाव 2024 में प्रतिनियुक्त होने वाले गृह रक्षक, जिनका सूची में नाम है, अविलम्ब जिला समादेष्टा कार्यालय, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, राँची में दिनांक–26.04.2024 से 30.04.2024 तक अपना आगमन चुनाव ड्यिुटी हेतु कराना सुनिश्चित करेंगे। चुनाव ड्यिुटी अति महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील श्रेणी में आता है। चुनाव ड्यिुटी में किसी भी प्रकार की शिथिलता, उदासीनता बरते जाने पर विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए आपका नामांकन रद्द कर दिया जायेगा और इसके लिए आप स्वयं जिम्मेवार होंगे।

अतः चुनाव कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अविलम्ब अपना आगमन जिला समादेष्टा कार्यालय, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, राँची में कराना सुनिश्चित करें।
इस अति आवश्यक समझे।
सूची निम्न प्रकार है:–

S.N.	NAME
401	1008 KALAWATI DEVI
402	17385 SIDHESHWAR MAHTO
403	15893 JAYNARAYAN SAHU
404	17327 BIRSA ORAON
405	17854 ABRAHAM KHALKHO
406	17161 NARAYAN SINGH
407	16225 CHAMRU ORAON
408	16637 MITHLESH KUMAR
409	17355 UMESH MUNDA
410	17321 BIRSA ORAON
411	17005 DHANPATI MAHTO
412	2635 RAVINDRA KUMAR
413	15091 KARAN DEV MAHTO
414	15517 SRIPATI MANDAL
415	18331 JAI SINGH MUNDA
416	17455 RANJIT MAHTO
417	1104 FAGANTI DHAN
418	3636 AVIMANYU SINGH
419	3548 PAWAN KUMAR
420	15735 SACHIDANAND PARMANIK
421	18289 PANCHAM KUJUR
422	3393 MANTU KOIRI
423	18345 VIJAY ORAON
424	17755 SURESH RAY
425	3097 SHAILENDRA KUMAR SINGH
426	3697 PRAKASH KUMAR
427	17090 RAMDAYAL MAHTO
428	16853 SHIVPUJAN SINGH MUNDA
429	18398 SHANTI KUMARI
430	3466 SUNIL KUMAR
431	17546 DULAL PRAJAPATI
432	17819 KRISHNA KARJI
433	15808 MOTILAL MAHTO
434	15495 NAWAL SINGH
435	17085 CHANDRAMA MAHLI
436	3301 RAVI RANJAN KUMAR
437	16537 NAKUL MAHLI
438	16061 PANCHDEV SINGH
439	17829 BABULAL MAHTO
440	3606 ASHOK KUMAR MAHTO
441	3560 RAJENDRA MAHTO
442	16388 GOPAL MAHTO
443	15715 VIJAY RAVIDAS
444	18241 AMER KUMAR RAM
445	1076 JASINTA TIGGA
446	3666 VIVEK KUMAR
447	979 SAMIYA TIRKEY
448	3358 SANJEET KUMAR
449	15837 SAHDEV MUNDA
450	15392 SHAKTIPAD MAHTO
451	15877 CHOTU SAHU
452	15216 JAYPAL ORAON
453	3503 PRAKASH KUMAR SAHU
455	3266 OM PRAKASH
456	15032 GOPAL THAKUR
457	2961 SANTOSH KUMAR
458	3578 SAMBAD MAHTO
459	17858 NAGENDRA NATH MAHTO
460	15221 MANOHAR MAHTO
461	17953 DASHRAT MUNDA
462	15129 KINURAM MAHTO
463	945 RAJANTI DEVI
464	3600 MAHESH ORAON
465	18431 MANJU KUMARI
466	17737 BUDHDEV MAHLI
467	17550 BIRSA ORAON
468	15164 ADHIR KOIRI
469	3485 ABHISHEK KUMAR
470	3062 DHARMENDRA KUMAR
471	1126 SARITA KHALKHO
472	16190 ZAKIR ANSARI
473	17850 MAHESHWAR MAHTO
474	15749 MADHESHWAR SINGH
475	3332 SUNNY KUMAR
476	3470 RAUSHAN KUMAR
477	3351 GANESH SHARMA
478	3264 SAGUN SINGH
479	1105 REKHA KACHAP
480	16453 FAGU RAM MAHTO
481	3178 GOPAL KUMAR
482	3228 ASHUTOSH BIHARI SINGH
483	3230 NAND KISHOR
484	17816 PURN CHANDRA BARAIK
485	3331 RAJESH KUMAR TIWARI
486	2904 VIJAY KUMAR
487	3145 RAJAN PASWAN
488	3514 PRINCE KUMAR
489	15411 SUDARSHAN MAHTO
490	3150 VIKASH KUMAR
491	3061 SACHIDANAND CHANDRWANSHI
492	2937 SANTOSH KUMAR SINGH
493	3704 PANKAJ KUMAR
494	15906 ABBAS ANSARI
495	18309 DEEPAK DHAN
496	17983 PARHALAD LOHRA
497	18219 GULSAN BARLA
498	18223 MANISH BHAGAT
499	15493 BANA MAHTO
500	18228 SANTU SAHU
501	18204 RAJENDRA GOPE
502	16864 CHOTTU MAHTO
503	17465 RANTHU HAZAM
504	14961 NIRMAL MAHTO
505	18292 REYAJ ANSARI
506	3556 AMIT KUMAR
507	3604 CHANDAN KUMAR
508	1306 RAJEEV KUMAR
509	16255 JALHA ORAON
510	15199 BHUSHAN MAHTO
511	15046 LAXMI NARAYAN MAHTO
512	15266 NAGESHWAR MAHTO
513	1215 JAYMANI DEVI
514	17847 KAMLESHWAR MAHTO
515	2936 SUJIT KUMAR
516	1010 ANITA DEVI
517	2855 PARSHU RAM THAKUR
518	3262 ARUN KUMAR
519	3639 DEEPAK KUMAR
520	18261 NAFIS ANSARI
521	15169 BANMALI MAHTO
522	18297 BUDHWA ORAON
523	18295 VINAY KHALKHO
524	3689 SANTOSH KUMAR MAHTO
525	18299 RAMESHWAR ORAON
526	18284 ARJUN ORAON
527	983 PRAMILA KUMARI
528	3685 JAGMOHAN MAHTO
529	16938 GHAMESHWAR MAHTO
530	18176 KRITI MAHTO
531	1062 RAMBHA KUMARI
532	18352 ROOPESH KUMAR MAHTO
533	18335 KAMSHWAR MAHTO
534	18231 RAKESH YADAV
535	3700 ROHIT KUMAR
536	1268 ANJU TOPPO
537	3585 SHIV SANKAR SINGH
538	18342 SURENDRA HAZAM
539	18314 SADDDAM ANSARI
540	18334 LAKSHMINARAYAN MUNDA
541	18432 ANITA ORAON
542	3706 DIPU KUMAR
543	3661 RAJESH KUMAR
544	3565 KAMALESH KUMAR
545	3561 BIKODAR MAHTO
546	15106 GOKUL MAHTO
547	3707 SUDHIR KUMAR
548	17334 VISHAMBER MAHTO
549	18211 GANDRU ORAON
550	15541 MUKHAJA MAHTO
551	18232 JOSHI KUMAR SINGH
552	17489 SUBHASH BAURI
553	18275 ADIL RASHID
554	18226 IJHAR ANSARI
555	18358 BASANT KUMAR NARESH
556	3471 VIBHOR KUMAR
557	1229 SUMAN TIRKI
558	18274 UMESH ORAON
559	17061 AJAMBAR MAHTO
560	18518 HIRAMANI BARLA
561	18276 RIJWAN ANSARI
562	18269 TAUFIQUE RAI
563	2725 ALAM ANSARI
564	3651 RAJU KUMAR SHARMA
565	3626 SHRI RAM KUMAR
566	3670 SANJEET KUJUR
567	3693 OM PRAKASH
568	3591 JITENDER RAJ
569	3308 AJIT KUMAR MAHTO
570	15551 HEMANT KUMAR MAHTO
571	18359 AME ULLA ANSARI
572	3177 SANJEET KUMAR
573	15548 YADUNATH MAHTO
574	17707 DHARMVIR KUMAR
575	17015 BAHADUR SETH
576	16857 LAKHIRAM SINGH MUNDA
577	17827 BANESHWAR MAHTO
578	16119 DEVENDRA NATH MUNDA
579	1032 BERNADET BHENGRA
580	842 TERESA MINZ
581	15236 GIRIDHARI MAHTO
582	3622 KHIROD MAHTO
583	15390 MANGAL MUNDA
584	*GANESHCHANDRA MAHTO*
585	3613 DHANU KUMAR RAY
586	3673 NITESH RAI
587	3596 SANTOSH KUMAR MAHTO
588	17413 SADHUCHARAN OHDAR
589	15852 LAMBODAR HAZAM
590	18357 RAHUL KUMAR CHOUDHARY
591	3595 SANTOSH KUMAR MAHTO
592	3411 TRIPURARI KUMAR
593	3369 ABHIRAM KUMAR
594	3227 SUDHIR KUMAR
595	17098 ASHOK PARMANIK
596	18263 RAJU ORAON
597	3623 AMIT KUMAR
598	18441 SEEMA KUMARI
599	15457 SHANKAR YADAV
600	3509 KUSESHWAR PARMANIK
601	18525 AMIT KACHCHHAP
602	18203 SHIBU ORAON
603	18516 SITA TIRKEY
604	3686 BHUNESHWER MAHTO
605	3668 HALADHAR MAHTO
606	3669 ASHWINI KUMAR MAHTO
607	15179 GULAB MAHTO
608	932 PUSHPA TOPNO
609	2952 SADANANDA RAM KASHYAP
610	18177 JAGANNATH MAHTO
611	16206 SAYED ANSARI
612	15913 MAHIR ANSARI
613	18302 SANTOSH BHAGAT
614	3081 RAJKUMAR ORAON
615	3068 CHOTTU SAHU
616	3071 DINESHWAR SAHU
617	3566 BIRABAL KUMAR MAHTO
618	3598 HARIPAD MAHTO
619	18287 AMIT KACHHAP
621	17931 SRI NATH RAY
622	3141 SANTOSH KUMAR
623	3574 PINTU KUMAR
624	18201 RAJESH LOHRA
626	1208 KUSUM BINHA
628	3073 PRAKASH KUMAR
629	2886 SANJAY TIWARI
630	17471 BALEYA ORAON
631	3635 PAWAN KUMAR
632	15511 RAJENDRA NATH MAHTO
633	1270 PUNIT KUMARI
634	17914 BAIJNATH MAHTO
635	16547 RAMNATH MAHTO
636	16066 JALHA ORAON
637	17973 DIMBA MUNDA
638	17736 MANGRA MAHLI
639	17571 TARKESHWAR MAHTO
640	3449 PRAMOD KUMAR
641	14970 RAMESH MAHTO
642	16350 DAYAL CHANDRA MANJHI
643	17009 SAINATH SINGH MUNDA
644	15096 SAGAR LOHARA
645	1188 ANITA LAKRA
646	18246 JATRU ORAON
647	1014 BABLI KUMARI
648	982 SUNITA LINDA
649	3575 NAGENDRA PRASAD
650	15386 NARESH CHANDRA MAHTO
651	3563 VISHAL KUMAR YADAV
652	15824 KAML KANT PANDEY
653	18164 SANTOSH KUMAR MAHTO
654	1115 RAMAWATI KUMARI
655	15807 LAKHICHARAN HAZAM
656	15372 CHUNU SINGH MUNDA
657	3371 PARKASH MAHTO
658	1224 PUSHPA DEVI
659	1216 SAVITA TOPPO
660	15467 SURYANARAYAN MAHTO
661	16569 JANAK MAHTO
662	17410 LALU MANJHI
663	14694 DHARAM NATH MAHTO
664	3576 RAJESH KUMAR RAI
665	1263 BABITA KERKETTA
666	3278 CHANDRAMANI RAY
667	1040 SHAIBYA MAHTO
668	1205 CHAMELI DEVI
669	1024 ANITA DHAN
670	3627 RAVI AGRAWAL
671	1254 RAJNI KACHHAP
672	1258 ANITA TIRKEY
673	3577 SHAKTI KUMAR
674	1228 RAJNI KACHHAP
675	1225 PINKI MINJ
676	1233 HOLIKA KACHHAP
677	1255 ASHA LINDA
678	1209 RAJNI TIRKEY
679	1212 SUNITA BANDO
680	1196 MANJU GARI
681	1207 SAVITA GARI
682	3712 SAMIR KUMAR
683	3285 RAVI SHANKAR KUMAR
684	3679 SURAJ KUMAR
685	3602 RANJEET KUMAR
686	3562 PANKAJ KUMAR GUPTA
687	3362 ANIL KUMAR
688	15489 ASHOK KUMAR SINGH
689	1250 SEEMA TIRKEY
690	15035 RAJESHWAR UPADHAYAI
691	AMIT KUMAR
692	3360 HARERAM SINGH
693	3558 SAMRIT KUMAR
694	3586 RAMAN KUMAR
695	2777 MAHIUDDIN ANSARI
696	1252 PUSHPA TIRKEY
697	1242 KHUSHBOO LAKRA
698	3572 SAGAR KUMAR
699	3570 RAJIV RANJAN DUBE
700	1187 SHANTI DEVI

PR 324127 Police(24-25)#D

जिला समादेष्टा
झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, राँची

खबर मन्त्र

रांची.शनिवार .27अप्रैल 2024

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

जलवायु परिवर्तन

यूएनएफसीसीसी मानता है कि जलवायु परिवर्तन के कारकों को थामने, उत्सर्जन घटाने और प्रभावों को कम करने में विकसित मुल्कों के पास अधिक क्षमता है, इसे सामान्य किंतु अंतर लाने वाली जिम्मेवारी नामक सिद्धांत के तौर पर जाना जाता है। पेरिस संधि-2015 के ध्येयों पर अमल फिलहाल शोचनीय रूप से बहुत कम है, जिसके अंतर्गत वैश्विक औसत तापमान में बढ़ोतरी स्वीकार्य सीमा 1.5 डिग्री सेल्सियस के भीतर बनाए रखना है। लेकिन यह न होने पर, वास्तविक धरातल पर इसके प्रभाव स्वरूप मौसम में तीव्र बदलाव बढ़ते जा रहे हैं। इन परिस्थितियों में, क्योंकि पर्यावरणीय बदलाव भारत पर भी प्रभाव पड़ रहे हैं और अधिकांशतः इसके पीछे जिम्मेवार विकसित देशों के कारनामे हैं, क्या एक आम नागरिक इस जलवायु परिवर्तन से आजादी का हक पाने का दावा कर सकता है? तर्क के आधार कर कहें तो समस्या का मुख्य जिम्मेवार विकसित देशों का समूह है। अब तक, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन संधियां विकासशील राष्ट्रों को सुधारक उपाय अपनाने के हेतु बहुत कम धन उपलब्ध करवा पाई हैं। इसलिए, तो क्या सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का अर्थ है कि लागत चाहे कितनी भी हो, भारतीय सरकार को पर्यावरण में सुधार के उपाय करने ही होंगे? इस अधिकार की अन्य अवधारणा है स्वतंत्रता का अधिकार बनाम भलाई का अधिकार। जीवन का अधिकार, अभिव्यक्ति की आजादी इत्यादि स्वतंत्रता के अधिकार में आते हैं। शिक्षा का अधिकार, जलवायु परिवर्तन से निजात के अधिकार सहित साफ-सुथरा पर्यावरण पाने के हक को भलाई अधिकारों में गिना जाता है। स्वतंत्रता अधिकार में केवल जरूरत है अन्य कोई इनका उल्लंघन न करने पाए जबकि भलाई अधिकार वह हैं जिसकी प्राप्ति करने में तदनुरूप कर्तव्यों पर उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की जरूरत होती है।

वैश्विक व्यापार में मंदी

वर्ष 2023 में वैश्विक व्यापार में 1.2 फीसदी की गिरावट के बाद दुनिया भर में वस्तु व्यापार का आकार इस वर्ष 2.6 फीसदी और अगले वर्ष 3.3 फीसदी बढ़ने का अनुमान है। इसके बावजूद कारोबारी समूहों के बीच गहराती समस्याओं और बढ़ते तनाव ने सीमापार के व्यापारिक रिश्तों को जोखिम में डाल दिया है। बहुपक्षीय संस्थाओं मसलन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व व्यापार संगठन ने महामारी के बाद की दुनिया में व्यापारिक प्रवाह के प्रतिबंधों को उचित ही रेखांकित करते हुए कहा है कि आर्थिक खुलेपन के लाभ को बचाने की आवश्यकता है। आईएमएफ के ताजा विश्व आर्थिक अनुमान में कहा गया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरूआत के बाद से विभिन्न देश खुद को अपने-अपने कारोबारी समूह के देशों के साथ सहज पा रहे हैं बजाय कि राजनीतिक दृष्टि से दूर स्थित कारोबारी समूहों के। जो देश एक ही व्यापारिक समूह में नहीं हैं उनके बीच के कुल वाणिज्यिक व्यापार में 2.4 फीसदी की कमी आई है। इससे संकेत मिलता है कि व्यापारिक प्रवाह बहुत हद तक विभिन्न देशों की आर्थिक स्थिति और उनके संभावित कारोबारी साझेदारों से तय होती है। रणनीतिक क्षेत्रों में व्यापार को लेकर यह रिश्ता और अधिक मजबूत है मसलन मशीनरी और केमिकल आदि। अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक और वैचारिक प्रतिद्वंद्विता ने दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच कारोबारी रिश्ते को कमजोर किया है। इसके परिणामस्वरूप पश्चिम के देश ऐसी नीतियां अपना रहे हैं जहां वे मित्र राष्ट्रों और करीब स्थिति देशों की मदद लेकर अपने कारोबार का जोखिम कम कर रहे हैं जबकि चीन आत्मनिर्भरता की बात कर रहा है।उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों और भारत जैसे विकासशील देश इस मामले में जो भी रुख अपनाएंगे वह अहम होगा।

सड़कों पर कैसे थमे अराजकता

बेशक, राजधानी दिल्ली की सड़कों का नजारा देखकर डर लगता है। दो पहिया चलाने वाले न जाने कितने ड्राइवर दिखाई देते हैं, जिन्होंने हेलमेट नहीं पहना होता है । बात यहीं खत्म नहीं होती। वे बेखौफ ड्राइवर भी भरपूर मात्रा में मिल जाते हैं जो अपनी मोटरसाइकिल या स्कूटी चलाते हुए लगातार मोबाइल पर बात भी कर रहे होते हैं या म्यूजिक सुन रहे होते हैं । यह बहुत साफ है कि ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने से दुर्घटना का खतरा भयंकर रूप से बढ़ जाता है। जिस इंसान को अपनी जान की ही चिंता नहीं होगी, वह यातायात के नियमों को क्यों मानेगा।

दिल्ली पुलिस की साल 2022 की एक रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी में सड़क दुर्घटनाओं में पैदल चलने वालों के बाद दोपहिया वाहन चालक दूसरे सबसे अधिक पीड़ित हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि 2022 में 539 दोपहिया वाहन चालकों की मृत्यु हुई, जो 2021 में 459 थी। ज्यादातर मामलों में, यह दोपहिया वाहन भारी वाहनों की चपेट में आए, उसके बाद चार पहिया वाहन आए। दिल्ली में पंजीकृत दोपहिया वाहनों की भारी संख्या को देखते हुए, इन सवारों की भलाई के लिए एक सुरक्षित डिजाइन प्रणाली सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण हो जाता है।

दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को प्रभावित करने वाले सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है हेलमेट का उपयोग न करना। हालांकि हेलमेट पहनना दिल्ली में वाहन चालकों और पीछे बैठने वालों के लिए भी अनिवार्य है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने के मामले हर साल बढ़ ही रहे हैं। इस साल 15 अप्रैल तक, पुलिस ने बिना सीट बेल्ट के गाड़ी चलाने या बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने पर 20,822 चालकों पर जुमार्ना किया है। 2023 में, हेलमेट नहीं पहनने पर 572,866 लोगों पर जुमार्ना किया गया, जो पिछले वर्ष 212,440 की तुलना में 250 फीसद अधिक है।

याद रख लें कि हेलमेट पहनने का तरीका भी महत्वपूर्ण। अध्ययनों से पता चला है कि दिल्ली में हेलमेट पहनने वालों में से बहुत कम लोग इसे ठीक से बांधते हैं, जिससे दुर्घटना की स्थिति में सिर की गंभीर चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। कहने की जरूरत नहीं है कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है। वे ऐसे लापरवाह लोग हैं जो अपनी जान के साथ-साथ दूसरों की जान से भी खिलवाड़ करते हैं कउन पुलिस वालों पर भी कठोर एक्शन लेना ही होगा जो यातायात नियमों को तोड़ने वालों से घूस लेते हैं और छोड़ देते हैं । अब कोई यह न कहे कि पुलिस महकमे में घूसखोर नहीं बैठे हैं। वहां घूसखोरों की कोई कमी नहीं है। क्या यह देश भूल गया है कि सड़क हादसों में ही केन्द्रीय मंत्री राजेश पायलट, दिल्ली के मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा, केन्द्रीय मंत्री गोपीनाथ मुंडे और मशहूर एक्टर जसपाल भट्टी को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था? इन हादसों में कितने लोग जीवन भर के लिए विकलांग हो जाते हैं, इसका तो कहीं से कभी कोई आंकड़ा मिल ही नहीं सकता।

बहरहाल, लोगों को हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चलाए जाने चाहिए। गुणवत्तापूर्ण हेलमेट और सीट बेल्ट की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी जरूरी है। लोगों को मानक हेलमेट और सीट बेल्ट खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही सड़कों की खराब स्थिति, अपर्याप्त साइनेज और पैदल चलने वालों के लिए सुविधाओं की भारी कमी जैसे मुद्दों को दूर करने की आवश्यकता है। देखिए दिल्ली का तो यहां उदाहरण दे दिया गया। यातायात नियमों की तो सारे देश में अनदेखी हो रही है। यह अफसोसजनक स्थिति है।

एक बात और कहने का मन कर रहा है क जब बात सड़कों के चौड़ीकरण, सौदर्यकरण और इनके विस्तार पर होती है तो पैदलयात्री के बारे में कोई नहीं सोचता। उसकी एक वजह यह भी है कि वह समाज का सबसे बेबस व्यक्ति है। वह गरीब है। उसकी आर्थिक-सामाजिक हैसियत कमजोर है। तो क्या इसलिए वो सड़क पर तड़प-तड़प कर मरने के लिए अभिशप्त है। क्या अमीरजादे सड़कों पर पैदलयात्रियों को कुचलते रहेंगे? पैदलयात्रियों का सड़कों पर कुचला जाना और यातायात के नियमों अनदेखी का सीधा संबंध है। कारों और दूसरे वाहनों की बिक्री को तो रोका नहीं जा सकता । लेकिन, सरकार कड़े उपाय करके पैदलयात्रिओं को राहत तो दे ही सकती है। फुटपाथों को फिर से कायम तो किया ही जा सकता है । सड़कों के किनारे जहां स्कूल, अस्पताल, मंदिर, मस्जिद आदि सार्वजनिक स्थान हों वहां तो अंडरपास या फुट ओवरब्रिज बनाए ही जा सकते हैं । कम से कम स्कूल की छुट्टी के समय एक ट्रैफिक का सिपाही तो तैनात हो ही सकता है । आज तो फुटपाथों की स्थिति यह हो गई है कि वहां पुलिस हफ्ते वसूल कर बाजार लगवा रही है क यह हर फुटपाथ पर आप देख सकते हैं क

जरा सोचिए कि सड़क हादसों में मरने वालों में 50 फीसद 14-35 साल की उम्र के होते हैं। इनमें से बहुत सारे अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य होते हैं। यूं तो सड़क हादसों के तमाम कारण गिनाए जा सकते हैं। पर 66 फीसद हादसों का कारण तेज रफ्तार से और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाना है। तो इस पर हर हाल में नियत्रंण करना होगा। इसके लिए तेज वाहन चलाने वालों पर कठोर दंड लगाया जाना बिल्कुल सही माना जा सकता है। इस सवाल पर कोई बहस हो ही नहीं सकती। सड़क हादसों को रोकने के लिए नागरिकों और पुलिस को समान रूप से अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा। सबका सहयोग नहीं रहेगा तो मौजूदा हालात में बदलाव संभव नहीं है।

(लेखक. वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

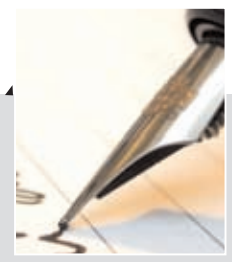

- आरके सिन्हा

जरा सोचिए कि सड़क हादसों में मरने वालों में 50 फीसद 14-35 साल की उम्र के होते हैं। इनमें से बहुत सारे अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य होते हैं। यूं तो सड़क हादसों के तमाम कारण गिनाए जा सकते हैं। पर 66 फीसद हादसों का कारण तेज रफ्तार से और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाना है। तो इस पर हर हाल में नियत्रंण करना होगा। इसके लिए तेज वाहन चलाने वालों पर कठोर दंड लगाया जाना बिल्कुल सही माना जा सकता है।

खास बात

क्योंकि उत्सव हैं बेटियां

क्षमा शर्मा

अक्तूबर का महीना आधा बीत चुका है। हवा में अब हल्की सी ठंड बढ़ चली है। सर्दी का आगमन बस होने को है। सवेरे की पहली किरण- घर, आंगन, चौखट, दरवाजों, फूलों, पत्तियों, बगीचों, खिड़कियों पर अब कुछ देर से दस्तक देती है, लेकिन जब तक सर्दी आए तब तक शरद ऋतु में आने वाली नवरात्रि को धूमधाम से मना लिया जाए। हालांकि इस बार दुर्गा पूजा पितृपक्ष के एक माह बाद शुरू हो रही है।

अकसर पितृपक्ष के फौरन बाद नवरात्रि शुरू हो जाती हैं। अपने पूर्वजों की याद, उनके जाने के शोक के बाद उत्सव का माहौल भी जरूरी है। अगर जीवन भर शोक रहे तो जीवन कैसे चले। पितृपक्ष में तो हर तरह की खरीदारी से दूर रहे थे, इसीलिए नवरात्रि के आने पर बाजार सज जाते हैं। तरह-तरह के समान से भर जाते हैं। बहुत से समानों और उत्पादों पर भारी छूट के विज्ञापन भी दिखाई देते हैं। जगह-जगह पंडाल लगाकर दुर्गा प्रतिमाएं सजाई जाती हैं। कारीगर रात-दिन इन्हें बनाते हैं तभी ये इन पंडालों में सज पाती हैं। मंदिरों में तो देवी का उत्सव होता ही है। इस लेखिका ने कोलकाता में चलने वाला उत्सव भी देखा है। वहां की भीड़ भरी सड़कों को देखकर लगता है कि जैसे पूरा शहर सड़कों पर उमड़ आया हो। किसी होटल या दुकान में आसानी से जगह नहीं मिलती। वहां इसे धार्मिक के अलावा सांस्कृतिक उत्सव भी माना जाता है। इसलिए प्रायः धार्मिक दीवारें भी टूट जाती हैं। कोलकाता के लोग बहुत गर्व से बताते हैं कि इस उत्सव में समाज के हर धर्म और वर्ग के लोग उत्साह से भाग लेते हैं। जगह-जगह , पूजा पंडाल सजे होते हैं। एक बार बांग्लाभाषी एक ईसाई सहेली को इस उत्सव में भाग लेते देखा था। वह सिंदूर और बिंदी भी लगाती थीं। उसने यही कहा था कि यह हमारी सांस्कृतिक पहचान है। विरासत है। हालांकि पिछले दिनों जब तृणमूल की एक मुसलमान महिला सांसद ने दुर्गा का रूप धरा, तो उन्हें भारी आलोचना अपने ही धर्म के लोगों की झेलनी पड़ी। धर्म की ये दीवारें टूटना हर समाज के लिए अच्छा है, मगर बहुत से निहित स्वार्थ ऐसा नहीं चाहते।

शक्ति की जय

धर्म-प्रवाह

बासुकीनाथ पाण्डेय

संपूर्ण विश्व शक्तिमय है, इस सत्य को नकारा नहीं जा सकता। देखा जाये तो सृजन, पालन और विसर्जन, ये तीनों तत्व ही मिलकर हमें सृष्टि की संपूर्णता का बोध कराते हैं।

प्राचीन भारतीय संस्कृति में सृजन के लिए ब्रह्मा, पालन के लिए विष्णु और संहार के जिए महेश यानी शिव को देव माना गया है। ब्रह्मा के साथ ही मां महासरस्वती, विष्णु के साथ महालक्ष्मी और शिव के साथ महाकाली जुड़ी हुई हैं। मूल रूप से इन सभी शक्तियों का स्वरूप एक ही है, वह है शक्ति और शौर्य की प्रतीक मां दुर्गा।

ऋग्वेद के देवी व रात्रि सूक्त में, सामवेद के रात्रि सूक्त में और वैदिक काल में शक्ति चेतन की सत्ता की स्थापना का विशद विवेचन किया गया है। ऋग्वेद में भुवनेश्वरी देवी को कई नामों से संबोधित किया गया है। जैसे- विश्व दुर्गा, सिंधु दुर्गा, अग्नि दुर्गा आदि। मातृका देवी को अंबिका भी कहा जाता था। मत्स्य पुराण में दुर्गा को दस भुजाओं वाली, जबकि अग्नि पुराण में बीस भुजाओं वाली देवी का वर्णन मिलता है। कुषाण काल के आते-आते दुर्गा का सिंह पर सवार देवी स्वरूप प्रतिष्ठित हो चुका था। उस समय उनकी कांस्य प्रतिमाएं भी निर्मित होने लगीं थीं। दुर्गा के उग्र और शांत दोनों स्वरूप देखने को मिलते हैं। शांत स्वरूप में दुर्गा के उमा, उषा, गौरी, अम्बिका और उग्र रौद्र रूप में महाकाली, चंडिका, महादुर्गा और महिषासुर मर्दिनी आदि नामों का वर्णन मिलता है।

कार्टून वर्ल्ड

ई कचड़े की समस्या

लेटर टू एडिटर

नयी सोच बने

बाढ़ से प्रति वर्ष देश में जान-माल की बड़ी क्षति होती है। इसका कारण बढ़ती जनसंख्या से प्राकृतिक असंतुलन है, जिसके लिए पेड़-पौधों, नदी, नहरों, नालों और तालाबों आदि के उचित प्रबंधन की जरूरत है। वर्तमान में इनकी सफाई नहीं हो पा रही है। वहीं लोगों द्वारा अतिक्रमण होने के साथ ये गंदगी, गाद और मिट्टी से बुरी तरह अटी पड़ी हैं।

- शक्तिधर पाण्डेय, गढ़वा

परिवारवाद से मुक्त हो

दशकों का इतिहास बताता है कि वह गांधी नेहरू परिवार के सदस्य या उनके प्रतिनिधि को ही स्थायित्व मिल पाता है। यद्यपि परिवार के सहमति बिना भी कई प्रभावशाली लोग अध्यक्ष बने किंतु वे टिक नहीं पाए। जिस पार्टी की बुनियाद परिवारवाद पर टिकी हो उसका नेतृत्व लोकतांत्रिक रूप से गठन करना मुश्किल है। अब कांग्रेस जनता भरोसे है और जनता कांग्रेस पर भरोसा नहीं करती।

- दिव्यांश, कोडरमा

हम लगातार राज्य सरकार से एम्स में मूलभूत सुविधा उपलब्ध करवाने की मांग कर रहें हैं ।

माननीय प्रधानमंत्री जी की गारंटी का उपहार है एम्स, राज्य सरकार के पास काम करने की इच्छाशक्ति ही नहीं है, लड़ करके अपने जनता के लिए काम करवा रहा हूँ ।

- निशिकांत दूबे, सांसद

आपके ट्वीट

झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा गांडेय विधानसभा क्षेत्र से श्रीमती कल्पना सोरेन को प्रत्याशी चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं बेटी को जीत की अग्रिम शुभकामनाएं।

जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया !

-चंपई सोरेन, सीएम

तुष्टिकरण की राजनीति ने देश को टुकड़ों-टुकड़ों में बांटा है, इसलिए मोदी ने संतुष्टिकरण के रास्ते को अपनाया है। सबका साथ सबका विकास की है, लेकिन सपा-कांग्रेस के लिए देश से भी बढ़कर उनका अपना वोट बैंक है। **- नरेन्द्र मोदी**

दुनिया एक अघोषित युद्ध लड़ रही है प्रदूषण के खिलाफ

डॉ सत्यभान सौरभ

हमने देख लिए है कि सिर्फ अदालती आदेशों के भरोसे हम इस समस्या से नहीं लड़ सकते। तभी तो इस मुद्दे पर हर साल हो-हल्ला होता है. इसके बावजूद भी ये समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। मात्र पराली इस समस्या की जड़ नहीं है। फैक्ट्रियां, वाहन और उद्योग जहरीले हवा के लिए दोषी है। इन सभी को एक फ्रेम में देखकर हमें सभी के लिए सख्त नियम लागू करने होंगे। इसके साथ-साथ हम सभी स्वयं जागरूक होने की जरूरत हो। तभी हम प्रदूषण के विरुद्ध इस युद्ध को जीत पाएंगे।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजधानी दिल्ली में 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ ' अभियान शुरू कर दिया है। यह प्रदूषण से निपटने के लिए चलाए जा रहे 'युद्ध, प्रदूषण के विरुद्ध अभियान का एक हिस्सा है। हम सभी रेड लाइट पर अपने वाहन बंद करने का संकल्प लें. हर एक व्यक्ति का प्रयास प्रदूषण को कम करने में योगदान देगा। दिल्ली में 13 हॉटस्पॉट की पहचान की गई है। हर हॉटस्पॉट के लिए अलग योजना बनाई जाएगी। दिल्ली सरकार एक 'ग्रीन दिल्ली' ऐप भी लॉन्च करेगी। इस पर कोई भी प्रदूषण को लेकर शिकायत कर सकता है। सरकार ट्री प्लांटेशन पॉलिसी भी ला रही है। इसके तहत पेड़ काटने के बदले 10 नए पौधे लगाने के साथ ही काटे जानेवाले 80 प्रतिशत पेड़ों को ट्रांसप्लांट करना होगा।

अब दिल्ली को ढट2.5 के लिए राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए

समस्या

65% की कमी की आवश्यकता है। दिल्ली की जहरीली हवा में सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड की उच्च मात्रा भी होती है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने अक्टूबर 2018 में एक शोध पत्र प्रकाशित किया, जिसमें लगभग 41% वाहन उत्सर्जन, 21.5% धूल और 18% उद्योगों को शामिल किया गया।

डब्ल्यूएचओ के एक सर्वे के अनुसार, भारत में सांस की बीमारियों और अस्थमा से दुनिया की सबसे अधिक मृत्यु दर है। वायु प्रदूषण कम दृश्यता, एसिड वर्षा और ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर पर्यावरण को प्रभावित करता है। दिल्ली सरकार ने हाल ही में एक बड़ा प्रदूषण-विरोधी अभियान शुरू किया है, यह प्रदूषण के विरुद्ध पेड़ प्रत्यारोपण नीति, कनॉट प्लेस (दिल्ली) में एक स्मॉग टॉवर का निर्माण, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना और मलबे को जलाने को लेकर है।

हमें अब उत्सर्जन नियंत्रणों और कठिन दंड लगाने की जरूरत है। बीजिंग ने दोपहिया और तिपहिया वाहन कारों और लॉरी को बंद करके ही ऐसा किया। बैंकॉक ने उत्सर्जन में कटौती और रखरखाव को गति दी। इसलिए दिल्ली में बेहतर बीआरटी लेन को डिजाइन करने, टिकट प्रणाली में सुधार और मेट्रो के साथ सिंक्रनाइज करने के अपने बीआरटी अनुभव से सबक लेना चाहिए। दिल्ली के बस बेड़े को बढ़ाने और इसे मेट्रो नेटवर्क के साथ संरेखित करने के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को पूरा करना चाहिए। इसमें ऑड-ईवन ब्लनंबर प्लेट नीति मदद कर सकती है, लेकिन सिस्टम को छूट कम करनी चाहिए।

2025 तक एक-चौथाई से एक-तिहाई वायु प्रदूषण में कटौती करने का एजेंडा है। इसमें इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) को बढ़ावा देना शामिल हैं। इसके लिए सब्सिडी और निवेश की आवश्यकता होगी कि ईवीएस का उपयोग बिना जीवाश्म ईंधन के उन्हें चार्ज करने के लिए सार्थक पैमाने पर किया जाये। दिल्ली सरकार की तीन साल की नीति का लक्ष्य 2024 तक राजधानी में पंजीकृत नए वाहनों के एक चौथाई के लिए ईवीएस खाता बनाना है। ईवी को प्रोत्साहन, पुराने वाहनों पर लाभ, अनुकूल ब्याज पर ऋण और सड़क करों की छूट से लाभ होगा।

कांग्रेस को जनाधार युक्त नेताओं की जरूरत

कैसर इकबाल

राजनीतिक दलों को सलाह देने वाले पेशेवर सलाहकार प्रशांत किशोर ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को एक कार्य योजना सुझायी है। जिसके माध्यम से कांग्रेस का जनाधार मजबूत हो सकता है। सोनिया गांधी से प्रशांत किशोर की चर्चा के दौरान पार्टी के बड़े नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित अन्य कई पदाधिकारी मौजूद थे। चिंतन शिविर के माध्यम से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी प्रशांत किशोर के प्लान पर भी चर्चा करवा कर उसको पारित करवाएंगी ताकि भविष्य में प्रशांत किशोर का प्लान यदि फेल हो जाता है तो भी पार्टी अध्यक्ष पर अंगुली नहीं उठ पाए।

इससे पूर्व प्रशांत किशोर 2017 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में राहुल गांधी के साथ काम कर चुके हैं। उस दौरान उनकी सलाह पर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी द्वारा जगह-जगह खाट सभाओं का आयोजन करवाया गया था। जिस पर पार्टी का करोड़ों रुपया खर्च हो गया था। मगर परिणाम में पार्टी 403 में से मात्र 7 सीटों पर ही जीत पाई थी। उसके बाद प्रशांत किशोर राहुल गांधी से अलग हो गए थे। आज कांग्रेस पार्टी के समक्ष सबसे बड़ी समस्या अपने गिरते जनाधार को रोकने की है। 2014 में जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने थे। उस समय कांग्रेस पार्टी की देश के एक दर्जन से अधिक प्रदेशों में सरकार चल रही थी। मगर धीरे-धीरे करके प्रदेशों में चुनाव हारने के चलते आज कांग्रेस पार्टी की सिर्फ राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ही सरकार बची है। महाराष्ट्र व झारखंड में कांग्रेस पार्टी एक सहयोगी के रूप में सरकार में शामिल है। पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी कुछ विशेष नहीं कर पाई।

चुनाव 2024

पंजाब जहां चुनाव से पहले कांग्रेस की सरकार चल रही थी। वहां भी पार्टी चुनाव हार कर एक चौथाई सीटों पर ही सिमट गई। पंजाब में पार्टी अपने ही बड़े नेताओं की कलह की शिकार हो गई। चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को पद से हटाना पार्टी को भारी पड़ गया। कैप्टन के स्थान पर मुख्यमंत्री बनाए गए चरणजीत सिंह चन्नी दोनो विधानसभा सीटों से व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू अमृतसर पूर्व विधानसभा सीट से चुनाव हार गए। पार्टी के अधिकांश बड़े नेता चुनाव नहीं जीत पाए थे। चुनाव के बाद पार्टी ने विधायक दल का नेता व प्रदेश अध्यक्ष पद पर नए लोगों को बैठा दिया। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री के दावेदार हरीश रावत इस बार फिर चुनाव हार गए। वहां कांग्रेस मात्र 19 सीटें ही जीत सकी है। पार्टी में नए प्रदेश अध्यक्ष व विधायक दल के नेता के मनोनयन के बाद तो आपसी कलह खुलकर सड़कों पर आ गई है। कई विधायकों ने पार्टी छोड़ने तक की धमकी दे दी है। पंजाब में कांग्रेस की लुटिया डुबोने में सबसे बड़ा हाथ हरीश रावत का रहा था। उन्होंने ही उत्तराखंड में भी कांग्रेस का सफाया करवा दिया। उत्तराखंड में भाजपा ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाकर एक इतिहास रचा है। जबकि कांग्रेस को सबसे अधिक आस उत्तराखंड में ही सरकार बनाने की थी। मगर पार्टी नेताओं की आपसी कलह के चलते कांग्रेस ने अवसर गंवा दिया था। गोवा और मणिपुर में भी कांग्रेस कुछ खास नहीं कर पाई। गोवा में कांग्रेस को 11 सीटें मिलीं वहीं मणिपुर में तो कांग्रेस की सीटों की संख्या 28 से घटकर 5 रह गई। कांग्रेस की सीटें 1984 के बाद से लगातार कम होती जा रही है। इस बार सीटें इतनी कम है कि कांग्रेस भगवान भरोसे चुनाव लड़ रही है। जिस देश में राम हम हिंदू के मन मेंबसे हों उस देश में राम का विरोध, जिस देश में पूंजीपतियों के हित में कांग्रेस ने 1991 में उदारीकरण की नीति लाकर देश को आर्थिक विकास के सर्वोच्च पायदान पर पहुंचा दिया उस नीति का विरोध कर एक विरोधाभाषी माहौल पैदा कर रही है। इस माहौल से इसके नेताओं की विश्वसनीयता संदेश के घेरे में है जिसका लाभ क्षेत्रिय पार्टी उठा रही है। अपने बल पर कांग्रेस ने 1980 के बाद कभी खड़ा होने का प्रयास ही नहीं किया जिसका परिणाम है कि कांग्रेस क्षेत्रिय दलों से भी छोटा होती जा रही है। आखिर कब कांग्रेस अपनी ताकत पर खड़ा होने की कोशिस करेगी।

(लेखक झारखंड कांग्रेसपंचायती राज संगठन से जुड़ें हैं।)

स्पीड न्यूज

जेनरल स्टोर का उद्घाटन

चरही। चुरचू प्रखंड के चरही-घाटो रोड में ऑल इन वन जेनरल स्टोर का उद्घाटन चरही पूर्वी पंचायत समिति सदस्य आशा देवी ने गुरुवार को फीता काटकर किया। उक्त जेनरल स्टोर में ग्राहकों के जरूरत की सभी चीजें उचित मूल्यों पर उपलब्ध होंगी। दुकान के संचालक बलजीत सिंह भामरा ने बताया कि ग्राहकों को एक ही छत के नीचे उनके जरूरत की सभी चीजें उपलब्ध कराई जाएगी।इस मौके पर तजिंदर कौर, हरजीत कौर, राजिंदर कौर, पिंकी कौर, प्रज्जवल सिंह भामरा, सौम्या भामरा, लालचंद महतो, विद्यानंद कुशवाहा, अनिल जायसवाल सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

इंद्रा और जरबा में बूथ सत्यापन कार्यक्रम संपन्न

चरही। चुरचू प्रखंड के इंद्रा और जरबा में बूथ सत्यापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।जिसका समापन शुक्रवार को प्रभारी पंचम चौधरी के नेतृत्व में संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा मांडू विधान सभा प्रभारी राजा सिंधु महतो, वरिष्ठ नेता योगेंद्र साव, सांसद प्रतिनिधि संजय साहू, चुरचू मंडल अध्यक्ष मुरारी सिंह, मंडल महामंत्री रोहित महतो, संतोष सिंह, दिनेश्वर साहू सहित कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

देश के विकास के लिए भाजपा को समर्थन करें : मनीष

भुरकुंडा (रामगढ़)। सौंदा डी पंचायत में भाजपा हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने शुक्रवार को जनसम्पर्क अभियान चलाया। इस अवसर पर उन्होंने मतदाताओं से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि आज देश पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि भारत का दुनिया में एक नई पहचान देश के पीएम नरेंद्र मोदी के कारण ही बनी है। देश की बागडोर एक स्वच्छ, ईमानदार, निष्ठावान व्यक्तित्व के मालिक नरेंद्र मोदी के हाथों में है। उन्होंने मतदाताओं से देश की सुख समृद्धि और निरंतर विकास के लिए भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। साथ ही श्री जायसवाल ने कहा कि देश के विकास के लिए भाजपा को समर्थन करते हुए कमल खिलाएं। सभी अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। जनसम्पर्क अभियान में पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, राधेश्याम अग्रवाल, दशरथ कुर्मी, अशोक शर्मा, डॉ संजय सिंह, विजय साहू, सुखदेव प्रसाद, मुखिया उपेंद्र शर्मा, मुखिया किशोर महतो, डब्लू पांडेय, शशि भूषण तिवारी, परदेशी नोनिया सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत नामांकन को लेकर

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने की प्रेस वार्ता

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत 14 लोकसभा क्षेत्र हजारीबाग के लिए होने वाले नामांकन को लेकर शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार ने पुलिस अधीक्षक डॉक्टर बिमल कुमार की उपस्थिति में समाहरणालय सभाकक्ष में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ प्रेस वार्ता की। प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने बताया कि लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत 14 लोकसभा क्षेत्र हजारीबाग के लिए पांचवें चरण में होने वाले निर्वाचन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त हजारीबाग द्वारा नामांकन को लेकर शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी गई है। 14 लोकसभा क्षेत्र के लिए निवार्ची पदाधिकारी जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त हजारीबाग होंगी। अभ्यर्थी जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त हजारीबाग के कार्यालय कक्ष अथवा सहायक निवार्ची पदाधिकारी सह अनुमंडल

प्रेस वार्ता करते

पदाधिकारी हजारीबाग सदर शैलेश कुमार के कार्यालय कक्ष में नाम निर्देशन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन की आखिरी तिथि 3 मई 2024, स्क्रुटनी की तिथि 4 मई 2024, नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 6 मई 2024 तथा मतदान की तिथि 20 मई 2024 होगी। वहीं लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत मतगणना 6 जून 2024 को संपन्न होगी। निर्वाचन संबंधित तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने सभी मीडिया प्रतिनिधियों को बताया कि स्वतंत्र व निष्पक्ष तरीके से चुनाव संपन्न कराने को लेकर रामगढ़ जिले में प्रवेश करने हेतु निर्धारित अलग-अलग सीमाओं पर कुल 6 चेक नाकें बनाए गए हैं।

जिनमे पुनदाग टोल प्लाजा के समीप एक, पतरातू प्रखंड के तालाटांड एवं खलारी रोड में एक - एक, गोला प्रखंड अंतर्गत चौपादारू में एक, दुलमी प्रखंड में कुल्ही क्षेत्र में एक तथा मांडू प्रखंड अंतर्गत मांडू थाना के समीप एक, चेक नाके स्थापित किए गए हैं। सभी चेक नाकों पर स्टेटिक सर्विलांस दलों की प्रतिनियुक्ति की गई है वहीं फ्लाइंग स्क्वायड दलों के माध्यम से लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत पीठासीन, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय मतदान पदाधिकारियो के प्रथम रेंडमाइजेशन का कार्य 20 अप्रैल 2024 को पूर्ण कर लिया गया है वहीं निर्वाचन के मद्देनजर रामगढ़ महाविद्यालय रामगढ़ में डिस्पैच सेंटर बनाया गया है। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने सभी को जानकारी दी की लोकसभा आम निर्वाचन के तहत रामगढ़ जिले में महिलाओं द्वारा संचालित कुल 14 मतदान केंद्र, दिव्यांगों द्वारा संचालित 6 मतदान केंद्र तथा विशेष थीम यथा रामगढ़ की विशेषता, संस्कृति, सोहराय चित्रकला आदि से संबंधित 6 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि कोई भी मतदाता ना छूटे इसी उदेश्य के साथ जिला प्रशासन रामगढ़ द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन रामगढ़ द्वारा प्रवासी मजदूरों आदि को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के प्रति जागरूक करने को लेकर चिट्ठी आई है कार्यक्रम, विशेष पहल के तहत मतदाताओं को जागरूक करने की दिशा में कार्य कर रहे चेंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों, जिले के विभिन्न प्रतिष्ठान के साथ-साथ मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा भी मतदाताओं को जागरूक करने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। प्रेस वार्ता के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ भी रामगढ़ जिले में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा के क्रम में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रेस वार्ता के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉक्टर प्रभात शंकर, सहायक जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शशांक शेखर मिश्र, जिले के विभिन्न मीडिया संस्थानों के मीडिया प्रतिनिधियों सहित अन्य उपस्थित थे।

एक नजर में

श्री श्री 1008 श्री शतचंडी महायज्ञ महाभण्डारा के साथ हुआ सम्पन्न

श्री श्री 1008 श्री शतचंडी महायज्ञ महाभण्डारा के साथ हुआ सम्पन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। बरही के खोड़ाहर कदवा में चल रहे श्रीश्री 1008 श्री शतचंडी महायज्ञ शुक्रवार को महाभंडारा के साथ संपन्न हो गया। महाभण्डारा की शुरूआत ब्राह्मणों को भोजन करा कर की गई। जिसके बाद लोगो के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। महाभण्डारा देर रात तक चला। जिसमे सैकड़ो लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नागेश्वर मेहता, अरुण मेहता, हुलश यादव, दुलार यादव, प्रकाश यादव, ईश्वर यादव, जयकिशोर मेहता, मनोज मेहता, गणेश मेहता, होरिल मेहता, बिनोद मेहता, सुनील यादव, राजू यादव, सुरेंद्र यादव, परदीप यादव, अजय यादव, बिनोद मेहता, संटू मेहता, सुनील मेहता, तालेस्वर मेहता, आरती देवी, रेखा देवी, सिंपू देवी, शोभा देवी, फुलमतिया देवी, किरण देवी ने सराहनीय योगदान दिया।

दूसरे चरण के मतदान के लिए झारखंड में नामांकन की प्रक्रिया शुरू

नामांकन में बाबूलाल व मनोज यादव

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। दूसरे चरण के मतदान के लिए झारखंड में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। इस चरण में चतरा सीट पर 20 मई को मतदान होना है। नामांकन के पहले दिन चतरा लोकसभी सीट से भाजपा उम्मीदवार कालीचरण सिंह ने पर्चा दाखिल किया है। इस दौरान उनके साथ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, बरही के पूर्व विधायक मनोज यादव समेत भाजपा के कई बड़े नेता शामिल थे। इस दौरान पूर्व विधायक मनोज यादव ने भाजपा कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहे हैं। पूर्व विधायक ने कहा कि इंडि गठबंधन अपने वजूद को बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं, जबकि भाजपा देश के विकास के लिए काम कर रही है। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि इस बार लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन 400 पार करेगी।

गुरु नानक पब्लिक स्कूल में ओरिगामी प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतियोगिता में शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल के प्रांगण में शुक्रवार को ओरिगामी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता कक्षा 6 के द्वारा कराई गई। ओरिगामी वह कला है, जिसमें पेपर को कई डिजाइनों में फोल्ड किया जाता है, जिससे एक आकृति बनती है। पेपर फोल्ड कर तरह-तरह की आकृतियां बनाने वाले कलाकार को पेपर फोल्डर कहते हैं। जिसका अर्थ है कि वस्तु की गुणवत्ता या व्यक्ति की क्षमता पर्याप्त रूप से उच्च है।

'ओरिगामी' शब्द जापान में पुराने दस्तावेजों की एक विशिष्ट शैली को भी संदर्भित करता है। विद्यालय के बच्चों ने इस कला में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सब ने अपने कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। इस कला को कक्षा 6 के बच्चों ने अपनी प्रतिभाओं के अनुसार नए-नए रूपों को नया आकार दिया। विद्यालय के प्राचार्य हरजाप सिंह ने विद्यालय के बच्चों की प्रशंसा कर उनके हौसले को यूं ही बनाए रखने को कहा। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई कार्य नहीं है जो हमारे बच्चे नहीं कर सकते।

कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष सरदार हरपाल सिंह अरोड़ा, उपाध्यक्ष सरदार परमिंदर सिंह जस्सल और सरदार कुलजीत सिंह कालरा, उपाध्यक्ष सह प्रबंधक सरदार मनमोहन सिंह लांबा सहित स्कूल प्रबंधक कमेटी के सदस्य सरदार परमजीत सिंह चमन,सरदार हरदीप सिंह, सरदार पुश्विंदर सिंह छाबड़ा, सरदार कुलजीत सिंह छाबड़ा, सरदार इंद्रपाल सिंह सैनी, सरदार ब्रह्म भसीन, सरदार विक्रमजीत सिंह कोहली तथा मीडिया प्रभारी सरदार करमजीत सिंह जग्गी भी उपस्थित थें।

18 वर्ष से फरार चल रहे वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पिछले दिनों रामगढ़ जिला अंतर्गत विभिन्न थाना/ओपी में दर्ज पुराने से पुराने कांडों में फरार चल रहे अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। अगामी निर्वाचन-2024 का स्वतंत्र व निष्पक्ष आयोजन को लेकर लोकसभा चुनाव के दौरान अपराधकर्मियों एवं फरार वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक डॉ० बिमल कुमार के निर्देश पर लगातार चलाये जा रहे छापामारी अभियान के दौरान 26 अप्रैल को पुलिस अधीक्षक रामगढ़ को गुप्त सूचना प्राप्त हुआ कि मांडू (वेस्ट बोकारो) थाना कांड संख्या-175/ 2006, दिनांक-27/ 05/ 2006, धारा-147/ 148/ 149/ 323/ 337/ 427/ 504 भादवि एवं जीआर1405/ 06 में 18 वर्षों से फरार चल रहे लाल वारंटी प्रदीप साव, पिता स्व दिनेश्वर साहू, सा०-बड़गांव, थाना-मांडू (वे०बो०), जिला-रामगढ़ कुज्जू स्थित फैक्ट्री में काम करता है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक रामगढ़ द्वारा पुअनि सदानन्द कुमार ओ०पी० प्रभारी वेस्ट बोकारो के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया गया। छापामारी टीम द्वारा कुज्जू स्थित फैक्ट्री से 18 वर्षो से फरार चल रहे लाल वारंटी प्रदीप साव को विधिवत गिरफ्तार किया गया। उक्त अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक डॉ० बिमल कुमार के दिशा-निर्देश में पिछले दिनों रामगढ़ जिला अंतर्गत विभिन्न थाना/ओपी में दर्ज पुराने से पुराने कांडों में फरार चल रहे अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम पता प्रदीप साव, पिता-स्व० दिनेश्वर साहू, सा०- बड़गाँव, थाना- माण्डू (वे०बो०), जिला-रामगढ़। छापेमारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी छापेमारी दल में पुअनि सदानंद कुमार ओपी प्रभारी वेस्ट बोकारो, पुअनि संजय बेदिया वेस्ट बोकारो एवं वेस्ट बोकारो ओपी सशस्त्र बल शामिल थे।

जानकारी देते अधिकारी

सड़क दुर्घटना में युवक घायल

घायल युवक

भुरकुंडा (रामगढ़)। सीसीएल आदर्श क्षेत्रीय अस्पताल भुरकुंडा मेन रोड के समीप शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में पोड़ा गेट सयाल निवासी एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगो की मदद से घायल युवक को सीसीएल अस्पताल भुरकुंडा लाया गया। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार किया। जानकारी के अनुसार पोड़ा गेट सयाल निवासी हरिओम कुमार गुप्ता 25 वर्ष पिता सुभाष गुप्ता उर्फ भोला स्पलेंडर बाइक से भुरकुंडा बाजार से बर्फ की सिल्ली लेकर अपने घर जा रहा था। इसी क्रम में सीसीएल भुरकुंडा हॉस्पिटल के पास पतरातू की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मारकर फरार हो गया। टक्कर लगने के कारण हरिओम बाइक सहित बर्फ की सिल्ली के साथ गिर गया। घटना में बर्फ का सिल्ली हरिओम के दाहिने पैर पर गिर गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

ट्रेलर ने महिला को रौंदा हुई मौत

चौपारण। कंस्ट्रक्शन कंपनी के लापरवाही व एनएचएआई विभाग की अनदेखी के कारण प्रखण्ड में जीटी रोड के चौड़ीकरण का कार्य लंबे वर्षो बाद भी पूर्ण नहीं हो सका है। जीटी रोड को कई जगह वनवे करके भी छोड़ दिया गया है। जिससे आए दिन लोग जाने अनजाने में लोग मौत के काल मे समा जा रहे हैं। शुक्रवार को भी कंस्ट्रक्शन कंपनी के लापरवाही के वजह से पैदल चल रही एक शादी शुदा युवती का मौत ट्रेलर के धक्के लगने से हो गया। मृतक युवती की पहचान रेखा देवी पति दिनेश चौधरी उम्र 30 वर्ष ग्राम महूदी के रूप में हुई है। इधर घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने जीटी रोड पर टायर जला कर पूरी तरह से अवरुद्ध कर दिया।

निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन

चरही। चुरचू प्रखंड के हेंदे गढ़ा स्कूल में आगामी 28 अप्रैल को झारखंड वनवासी कल्याण केंद्र के द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है।यह आयोजन चिंतपूर्णी स्टील प्राइवेट लिमिटेड के सौजन्य से किया जा रहा रहा है। कंपनी प्रो.संतु भाई माणिक ने बताया कि वनवासी कल्याण केंद्र जनजाति के स्वास्थ्य लाभ के लिए नियमित 29 वर्ष से प्रत्येक माह जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है।इस चिकित्सा शिविर में रांची के अनेक विख्यात एवमं वरिष्ठ डॉक्टरों के द्वारा अनेक प्रकार के बीमारियों को जांचकर कर लोगों को निःशुल्क दवाइयां दी जाती है। इस चिकित्सा शिविर में क्षेत्र के लोग को स्वास्थ्य जांच का लाभ उठा रहे हैं। लोगों से अपील किया गया है कि आयोजन शिविर में अधिक से अधिक लोग उपस्थित होकर अपने स्वास्थ्य का जांच कराकर लाभ उठाएं।

नये आयाम की ओर निरंतर अग्रसर है आईलेक्स पब्लिक स्कूल

आज आईलेक्स पब्लिक स्कूल के चार ब्रांच हो चुके हैं। पंचमाधव स्थित आईलेक्स सीबीएसई से प्लस 2 तक मान्यता प्राप्त है। 2019 में हीं इसे सीबीएसई के द्वारा मान्यता मिल चुकी है।

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। हजारीबाग जिले के बरही प्रखंड में स्थित आईलेक्स पब्लिक स्कूल पिछले ग्यारह वर्षों से शिक्षा की एक नई ज्योत जला रहा है। अपने शुरूआत से आईलेक्स ने तय किया था कि बरही प्रखंड तथा आस पास के क्षेत्रों के लिए शिक्षा की एक नई बुनियाद बनानी है और अपने इसी उद्देश्य को इसने आजतक बरकार रखा है। अपने इसी उद्देश्य के समर्पण की वजह से हीं आज के समय में सभी अभिभावक की पसंद बन चूका है। आज आईलेक्स पब्लिक स्कूल के चार ब्रांच हो चुके हैं। पंचमाधव स्थित आईलेक्स सीबीएसई से प्लस 2 तक मान्यता प्राप्त है। 2019 में हीं इसे सीबीएसई के द्वारा मान्यता मिल चुकी है। आईलेक्स पब्लिक स्कूल पंचमाधव में करीब चार एकड़ में स्थित है जहाँ की कक्षाएं सीबीएसई के नियमों के तहत बनाई गईं हैं। निदेशक शैलेश कुमार ने बताया कि 2013 अप्रैल में 157 बच्चों के साथ शुरू किया गया यह सफर आज 1660 बच्चों और करियातपुर के सात मंजिला इमारत और पंचमाधव में चार एकड़ जमीन और तीन मंजिला भवन, दो मंजिला गौरियाकरमा ब्रांच के अलावा बडकागांव से होता हुआ गिरिडीह जिले के गाड़िकला, बरकट्ठा और पाण्डेयबारा तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि आईलेक्स पब्लिक स्कूल की स्थापना का उद्देश्य ग्रामीण परिवेश के बच्चों के सर्वांगीण विकास पर बल देना है। बताया कि इसके अलावा समय समय पर स्कूल में कई प्रकार की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं। बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण पर भी ले जाया जाता है। बच्चों को कंप्यूटर की भी शिक्षा दी जाती है। साथ ही कई सुविधाएं उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में नामांकन की अंतिम तिथि 10 मई है।

आइलेक्स पब्लिक स्कूल की शाखाएं : आईलेक्स पब्लिक स्कूल की शाखाएं कई जगहों पर सफलता पूर्वक संचालित हो रही हैं। वर्तमान में आईलेक्स की सात शाखाएं संचालित है। जिसमें करियातपुर, पंचमाधव, गोरिया करमा, बड़कागांव, गाड़िकला (गिरिडीह), बरकट्ठा और पाण्डेयबारा।

विद्यालय में सभी विभागों के अलग अलग सदस्य शिक्षक है : आईलेक्स के सभी शिक्षक जमशेदपुर, कोलकाता, गया, बोकारो, पटना, अलीगढ, बनारस, पुणे जैसे शहरों से आएं हुए हैं, जो हाइली क्वालिफाइड व वेल ट्रेंड है।

विद्यालय में क्या क्या सुविधाएं है : आइलेक्स पब्लिक स्कूल में कंप्यूटर लैब, कंपोजिट साइंस लैब, मैथ्स लैब, फिजिक्स लैब, केमिस्ट्री लैब, बायोलॉजी लैब के अलावा लाइब्रेरी की सुविधा उपल्बध है। लड़के लड़कियों के लिए सेपरेट शौचालय की व्यवस्था है। इसके साथ ही बॉली बॉल, बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, खो खो जैसे आउटडोर गेम्स के साथ साथ चेस, लूडो, कैरम जैसे इनडोर गेम्स की भी व्यवस्था है। साथ हीं सेपरेट डान्स क्लास, क्राफ्ट क्लास जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध है। पंचमाधव स्थित स्कूल का नया कैंपस बच्चों की पढ़ाई के लिए सर्वोत्तम माहौल प्रदान करता है।

पशु तस्करों पर चौपारण पुलिस की लगातार प्रहार, 16 पशुओं के साथ 2 धराये

खबर मन्त्र संवाददाता

चौपारण। चोरदाहा चेकपोस्ट के पास वाहनों के सघन चेकिंग के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही के निदेर्शानुसार अहले सुबह चौपारण की ओर से एक पिकअप वाहन बीआर03जीबी-9703 आता हुआ दिखाई दिया, जिसे जांच हेतु रूकने का ईशारा करने पर वाहन चालक अपना वाहन को रोकने के बजाय और तेजी से चलाकर भागने का प्रयास करने लगा। परन्तु आगे बड़ी वाहन रहने के कारण भागने में सफल नहीं हो पाया, जिसके उपरांत वाहन से 02 व्यक्ति उतरकर भागने का प्रयास कर रहे थे। जिन्हें साथ के सशस्त्र बल के सहयोग से पकड़ लिया गया। पकड़े गए लोगो मे रामकिशोर सिंह उम्र लगभग 25 वर्ष पिता- हरेन्द्र सिंह ग्राम- कुसमाही थाना- उतवन्त नगर जिला-भोजपुर 2. मो0 सोनु उम्र-26 वर्ष पिता- मो० मुख्तार सा०- नमजद गौरा लालपुर थाना-जखनिया जिला- गाजीपुर (यु०पी०) है। वाहन जांच के क्रम में पिकअप वाहन के डाला में 16 भैंस का बच्चा क्रूरतापूर्वक लोड पाया गया। जिनके बैठने तक का स्थान वाहन में नहीं था और पशु तस्कर इतनी गर्मी के मौसम में क्षमता से अधिक पशुओं को खुले धुप में वाहन में लोडकर ले जाते हुए रंगे हाथ पकड़े गये।

जानकारी देते अधिकारी

1951 से 35 उम्मीदवार निर्विरोध जीते, मुकेश दलाल भाजपा के पहले सांसद

मनोज कुमार शर्मा

गुजरात की सूरत लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल की निर्विरोध जीत पर सवाल उठ रहे हैं. राहुल गांधी समेत विपक्षी नेताओं ने निर्वाचन अधिकारी के फैसले की अचालोना की है. हालांकि, 1951 में हुए पहले लोकसभा चुनाव के बाद से अब तक कम से कम 35 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए है।

हैदराबादः लोकसभा चुनाव के बीच भाजपा ने जीत का खाता खोल लिया है. भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल को गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से निर्विरोध विजयी घोषित किया गया है. नामांकन पत्र में गड़बड़ी होने के चलते कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुंभाणी और पार्टी के डमी उम्मीदवार सुरेश पलसाडा का पर्चा खारिज हो गया था. साथ ही अन्य उम्मीदवारों ने भी अपना नामांकन वापस ले लिया था.मुकेश दलालचुनाव से पहले भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल की जीत की चर्चा पूरे देश में हो रही है. वह संसदीय चुनाव में निर्विरोध जीतने वाले पहले भाजपा नेता है। हालांकि, 1951 से लेकर अब तक कम से कम 35 उम्मीदवार लोकसभा चुनाव में निर्विरोध जीत चुके है। समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव 2012 में कन्नौज लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में निर्विरोध जीती थी। यह सीट उनके पति अखिलेश यादव के उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बाद खाली हुई थी. इससे पहले 1989 में हुए आम चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस के मोहम्मद शफी भट जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर संसदीय सीट पर निर्विरोध चुने गए थे.

लोकसभा चुनाव में निर्विरोध जीतने वाले अन्य प्रमुख नेताओं में वाईबी चव्हाण, फारूक अब्दुल्ला, हरे कृष्ण महताब, टीटी कृष्णामाचारी, पीएम सईद और एससी जमीर शामिल है। सिक्किम और श्रीनगर संसदीय सीट पर दो बार निर्विरोध चुनाव हुए है। डिंपल यादव समेत नौ उम्मीदवारों ने उपचुनावों में निर्विरोध जीत हासिल की है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला 1980 में श्रीनगर से निर्विरोध चुने गए थे।

1957 में हुए लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक सात उम्मीदवार निर्विरोध चुनाव जीते थे। 1951 और 1967 के आम चुनावों में पांच-पांच उम्मीदवार निर्विरोध जीते थे। जबकि 1962 में तीन और 1977 में दो उम्मीदवार निर्विरोध जीते थे। 1971, 1980 और 1989 में एक-एक उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए।

मुकेश दलाल की जीत पर विवाद

वहीं, मुकेश दलाल की निर्विरोध जीत पर सवाल उठ रहे है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सहित विपक्षी नेताओं ने निर्वाचन अधिकारी के फैसले की आलोचना की। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि जनता से अपना नेता चुनने का अधिकार छीनकर संविधान खत्म करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने एक्स पर लिखा, तानाशाह की असली 'सूरत' एक बार फिर देश के सामने है! जनता से अपना नेता चुनने का अधिकार छीन लेना बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान को खत्म करने की तरफ बढ़ाया एक और कदम है। मैं एक बार फिर कह रहा हूं - यह सिर्फ सरकार बनाने का चुनाव नहीं है, यह देश को बचाने का चुनाव है, संविधान की रक्षा का चुनाव है।

अब भाजपा ने राहुल गांधी पर पलटवार किया है। राहुल के संविधान खत्म करने के आरोप पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि सूरत का चुनाव कोई पहला मामला नहीं है। देश के संसदीय इतिहास में अब तक 35 उम्मीदवार निर्विरोध जीत चुके है।

झारखंड की चार सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों को 'अपनों' से ही खतरा! कैसे कैसे बेड़ा पार

झारखंड में चार कांग्रेस प्रत्याशी ऐसे हैं जिन्हें विरोधियों से अधिक अपनों से ही खतरा है. कई जगहों पर कार्यकर्ता खुलकर अपने प्रत्याशी का विरोध कर रहे हैं. इसकी झलक पिछले दिनों रांची में आयोजित उलगुलान न्याय महारैली में भी देखने को मिली.

झारखंड में चार सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशियों को 'अपनों' से ही खतरा है। उन्हें चुनाव मैदान में प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबले से पहले बगावत और भितरघात की चुनौती से जूझना होगा। झारखंड में इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग के तहत कांग्रेस के हिस्से 14 में से 7 सीटें आई हैं। इनमें से चार सीटों चतरा, गोड्डा, धनबाद और लोहरदगा में उम्मीदवारी घोषित किए जाने के बाद सामने आ रही प्रतिकूल रिपोर्टों की वजह से कांग्रेस नेतृत्व चिंतित है।

गोड्डा सीट पर तो पार्टी को उम्मीदवार बदलना पड़ा है। खबर है कि चतरा सीट पर भी गठबंधन से बगावत की तेज लहर की वजह से घोषित प्रत्याशी का नाम वापस लेकर उसकी जगह दूसरा चेहरा देने पर गंभीरता से विचार चल रहा है। 21 अप्रैल को रांची में इंडिया गठबंधन की उलगुलान न्याय महारैली के दौरान चतरा से कांग्रेस के प्रत्याशी केएन त्रिपाठी के समर्थकों और विरोधियों के बीच जमकर मारपीट हो गई थी। इसमें दोनों पक्षों से कई लोग घायल हो गए थे और रैली में कुछ वक्त के लिए अफरा-तफरी मच गई थी।

दरअसल, केएन त्रिपाठी डाल्टनगंज के रहने वाले हैं। उन्हें चतरा सीट पर उम्मीदवार बनाए जाने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं का एक समूह तो नाराज है ही, गठबंधन की दूसरी पार्टी राजद के नेता-कार्यकर्ता खुलेआम बगावत पर उतर आए हैं और चतरा के स्थानीय नेता को उम्मीदवार बनाने की मांग कर रहे हैं। इस सीट पर राजद की भी प्रबल दावेदारी थी, लेकिन कांग्रेस ने यहां अपना उम्मीदवार उतार दिया।

गोड्डा सीट पर कांग्रेस ने पहले महगामा की विधायक दीपिका पांडेय सिंह को प्रत्याशी बनाया था। उनकी उम्मीदवारी घोषित होते ही देवघर और गोड्डा में पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध दर्ज कराया। पार्टी के जिला कार्यालयों के समक्ष प्रदर्शन करते हुए नेताओं-कार्यकर्ताओं ने सामूहिक इस्तीफे तक की धमकी दे दी। आखिरकार पांच दिन बाद पार्टी ने यहां दीपिका की जगह पोड़ैयाहाट के विधायक प्रदीप यादव को प्रत्याशी घोषित कर दिया।

कांग्रेस के जामताड़ा क्षेत्र के विधायक डॉ। इरफान अंसारी इस सीट पर अपने पिता फुरकान अंसारी को टिकट देने की मांग कर रहे थे। फुरकान अंसारी और इरफान अंसारी का कहना है कि पार्टी ने पूरे राज्य में एक भी मुसलमान को उम्मीदवार नहीं बनाया, जबकि उनकी आबादी 18 फीसदी है। ऐसे में प्रदीप यादव के सामने दो विधायकों दीपिका पांडेय सिंह एवं इरफान अंसारी और उनके समर्थकों को साथ लेकर चलने की बड़ी चुनौती है। हालांकि, प्रदीप यादव दावा कर रहे हैं कि उन्हें पार्टी के सभी विधायकों और नेताओं का समर्थन हासिल है।

धनबाद सीट पर कांग्रेस ने दिग्गजों की दावेदारी को दरकिनार कर 'न्यूकमर' अनुपमा सिंह को टिकट थमाया है। उनका इस चुनाव के पहले सक्रिय राजनीति से वास्ता नहीं रहा। उनकी सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बोकारो जिले के बेरमो से कांग्रेस की विधायक जयमंगल सिंह सिर्फ अनूप सिंह की पत्नी हैं। बोकारो और धनबाद में पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं का एक समूह उनकी उम्मीदवारी का विरोध कर रहा है। कुछ लोगों ने सोमवार की शाम अनुपमा की उम्मीदवारी पर विरोध जताते हुए पार्टी नेताओं के पुतले फूंके। इस सीट पर पूर्व सांसद ददई दुबे की भी दावेदारी थी। उन्हें टिकट नहीं मिला तो अब वे इस सीट पर भाजपा के प्रत्याशी ढुल्लू महतो को "आशीर्वाद" दे रहे हैं।

इससे संबंधित तस्वीर भी सोशल मीडिया पर खूब शेयर हो रही है। लोहरदगा सीट पर कांग्रेस ने पूर्व विधायक सुखदेव भगत को प्रत्याशी बनाया है। इस सीट पर झामुमो भी दावेदारी कर रहा था। अब खबर है कि विशुनपुर के झामुमो विधायक चमरा लिंडा यहां बागी प्रत्याशी के तौर पर मैदान में उतर गये हैं। पिछले चुनाव में भी सुखदेव भगत और चमरा लिंडा दोनों मैदान में थे और दोनों के बीच वोटों के बंटवारे से भाजपा के प्रत्याशी की जीत की राह प्रशस्त हो गई थी। झामुमो विधायक चमरा लिंडा के फिर से मैदान में आने पर कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत की मुश्किलें बढ़ेंगी, यह तय है।

बस वोट वाली स्याही लगाना है और कई छूट. . .

राम किंकर सिंह

दिल्ली में 25 मई 2024 को वोटिंग होगी लेकिन इसके लिए अभी से लोगों को मतदान के लिए उत्साहित करने का काम चल पड़ा है. आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए दिल्ली नगर निगम इस दिशा में कई कदम उठा रहा है. वहीं राजधानी दिल्ली के नगर निगम ने मतदान करने वाले मतदाताओं को छूट की पेशकश करने के लिए व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को अपने साथ जोड़ा है.

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए उच्च मतदान प्रतिशत आवश्यक है. लोकसभा चुनाव के पहले चरण में गिरते हुए मतदान के प्रतिशत को संभालने के लिए चुनाव आयोग के साथ-साथ विभिन्न संस्थाएं चिंतित हैं. कम मतदान के चलते प्रत्याशियों की चिंता बढ़ी हुई है. लोकसभा चुनाव का दूसरा चरण 26 अप्रैल शुक्रवार को है. उसके बाद शनिवार और रविवार को मिला दें तो एक लंबा वीकेंड हो जाता है.

एनआरएआई से संबद्ध रेस्तरां वोट डालने वाले ग्राहकों को भोजन करने पर 20% की छूट देंगे. सेलेक्ट सिटी वॉक मॉल भी वोट डालने वाले मतदाताओं को 20% की छूट देगा. चांदनी चौक सर्व व्यापार मंडल, व्यापार मंडल सी-4-ई मार्केट जनकपुरी और पश्चिम, केशवपुरम, नजफगढ़, सिटी एसपी, करोलबाग जोन में कई भोजनालय और होटल वोट डालने वाले मतदाताओं को छूट देंगे.

कहां पर कितनी मिल रही है छूट

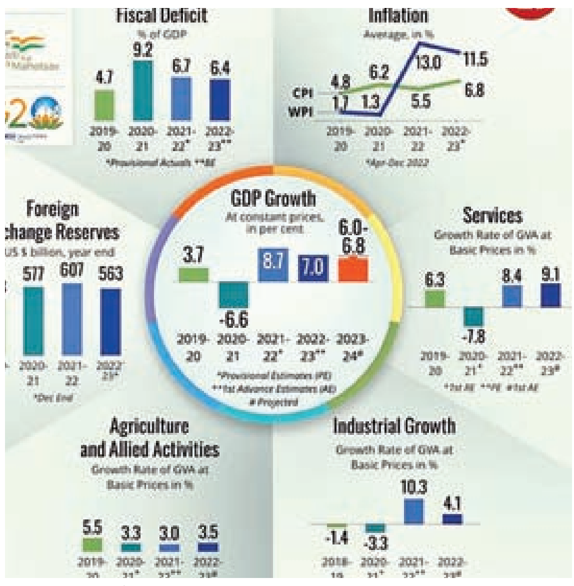

चांदनी चौक सर्व व्यापार मंडल ने उंगली पर अमिट स्याही का निशान वाले खरीदारों को मंडल के साथ पंजीकृत प्रतिष्ठानों पर 10% की छूट देने की पेशकश की है. खरीदार 27 मई 2024 को इस एकमुश्त ऑफर का लाभ उठा सकते हैं. लोकतंत्र को बढ़ावा देने, मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने और आगामी चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए निर्णय लिया गया है कि अपनी उंगली पर मतदान का निशान दिखाने वाले व्यक्ति बाजार से अपनी खरीदारी पर 5% की छूट के हकदार होंगे. पश्चिम क्षेत्र में स्थित कई होटल आम चुनावों में मतदान के अधिकार का प्रयोग करने वाले मतदाताओं को 10%-20% तक की छूट देने का निर्णय लिया है. एनआरएआई (नेशनल रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ इंडिया) से संबद्ध रेस्तरां ने दिल्ली के मतदाताओं को अपनी आईडी और स्याही लगी उंगली दिखाने पर 20% छूट देने की घोषणा की है. इसी तरह सेलेक्ट सिटी वॉक मॉल साकेत ने मॉल में स्थित विभिन्न प्रतिष्ठानों से पात्र मतदाताओं को वोट छूट की पेशकश करने के लिए कहा है.

लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव को सफल बनाने के लिए केशवपुरम क्षेत्र में स्थित विभिन्न प्रतिष्ठान भी शामिल हो गए हैं. इस दिशा में काम करते हुए केशवपुरम जोन में स्थित कई प्रतिष्ठानों ने वोट डालने वाले मतदाताओं को 20-30% की छूट देने का फैसला किया है. नजफगढ़ क्षेत्र के द्वारका इलाके में स्थित रेडिसन ब्लू होटल ने घोषणा की है कि 25 मई 2024 को वोट डालने वाले मतदाताओं को लंच बुफे पर 50% और डिनर बुफे पर 30% की छूट मिलेगी

चुनावी रण में झारखंड की महिला वोटिंग में आगे लड़ने में पीछे

झारखंड में मतदान में महिला आगे है लेकिन चुनाव लड़ने में पीछे. लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान महिला मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती रही हैं मगर जब चुनाव मैदान में उतरने की बात होती है तो वो पिछड़ जाती हैं. 2019 लोकसभा चुनाव में 25 महिला प्रत्याशियों ने भाग्य आजमाया था, जिसमें से 23 की जमानत जब्त हो गयी थी.

झारखंड के चुनावी रण में महिलाओं की भागीदारी वक्त के साथ बढ़ा है। मगर हकीकत यह है कि अपेक्षा के अनुरूप आज भी महिला पीछे है. मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाली आधी आबादी जब चुनाव मैदान में खुद उतरती है तो जीत से काफी दूर हो जाती है. चुनाव आयोग के आंकड़े बताते हैं कि 2019 के लोकसभा चुनाव में राज्य गठन के बाद सर्वाधिक महिला प्रत्याशी चुनाव मैदान में किस्मत आजमाने आई थी. झारखंड की सभी 14 सीटों पर 25 महिला खड़ी हुई जिसमें 02 ही जीतने में सफल हुई, शेष 23 का जमानत जब्त हो गया. इस चुनाव में जिन दो महिलाओं ने जीत का स्वाद चखा उसमें अन्नपूर्णा देवी और गीता कोड़ा शामिल हैं. इसी तरह पूर्व के चुनाव में भी महिला प्रत्याशियों की स्थिति इसी तरह बनी रही. 2004 में सिर्फ 01 सफल रही उसके बाद के 2009 और 2014 के चुनाव में कोई सफल नहीं हो पाई.

मतदान में आगे मगर चुनाव जीतने में पीछे

लोकससभा, विधानसभा या अन्य चुनावों में महिलाएं बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं. चुनाव आयोग के आंकड़ों पर नजर दौराएं तो राज्य में वर्तमान में 1,25,20,910 महिला मतदाता हैं जो इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमका निभायेंगी। इसके अलावे अन्य लोकसभा चुनाव की अपेक्षा महिला प्रत्याशियों की संख्या भी सर्वाधिक होने की संभावना है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार के अनुसार हाल के वर्षों में चुनाव को लेकर महिलाओं में जागरूकता बढ़ी है चाहे वह मतदान में भागीदारी हो या खुद चुनाव लड़ने की बात हो. अपेक्षा अनुरूप महिला प्रत्याशियों की जीत कम होने की वजह बताते हुए सामाजिक कार्यकर्ता श्रेया मल्लिक कहती हैं कि राजनीति में जो भागीदारी महिलाओं की होनी चाहिए वह नहीं हो पाई है। महिलाओं के आरक्षण की बात जरूर होती है मगर जो वास्तविक हक मिलना चाहिए वो

कांग्रेस के घोषणापत्र पर आक्रामक भाजपा

मृत्युंजय दीक्षित

लोकसभा चुनाव के दो चरणों का मतदान संपन्न हो चुका है। तीसरे चरण के लिए प्रचार अभियान जारी है। भाजपा रामलहर और मोदी के करिश्माई नेतृत्व के बल पर अबकी बार चार सौ पार के नारे के साथ आगे बढ़ रही है। भाजपा नेतृत्व अभी तक विपक्ष को परिवारवाद व उनके शासनकाल में किए गये अथाह भ्रष्टाचार और घोटालों की बात करके घेर रहा था। उसके मुस्लिम तुष्टिकरण पर सीधा प्रहार नहीं कर रहा था किन्तु कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र, राहुल गांधी व विपक्ष के नेताओं के कुछ आपत्तिजनक बयानों के बाद नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरी भाजपा अब कांग्रेस तथा विरोधी दलों के घोर मुस्लिम तुष्टिकरण को लेकर आक्रामक हो गयी है। मोदी ने कांग्रेस के समय में प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह के भाषण और कांग्रेस के घोषणापत्र में किए गए वादों पर चर्चा करते हुए स्वयं कांग्रेस के घोषणापत्र पर मोर्चा खोला।

भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में पहली बार विरोधी दल कांग्रेस के घोषणापत्र को आधार बनाकर उस पर तीखा हमला बोला गया है। स्वाभाविक रूप से कांग्रेस और उसके साथी तिलमिला गए हैं और वह मुख्यधारा तथा सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी पर अमर्यादित शब्दावली का प्रयोग कर रहे हैं। कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री मोदी की शिकायत लेकर चुनाव आयोग भी पहुंचा है। उधर भाजपा का प्रतिनिधिमंडल भी राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंच गया है।

प्रधानमंत्री मोदी सहित भाजपा के सभी बड़े नेता कांग्रेस के मुस्लिम प्रेम पर एक के बाद एक तीखा प्रहार कर रहे हैं जिससे कांग्रेस तिलमिला गई है। प्रधानमंत्री मोदी एक के बाद एक कांग्रेस की सरकारों में हुए हिन्दू विरोधी घटनाओं, निर्णयों, विवादों को उठा रहे हैं । प्रधानमंत्री ने सबसे पहले राजस्थान की जनसभा में कहा कि, "कांग्रेस की नजर आम लोगों की मेहनत की कमाई पर है, प्रापर्टी पर है महिलाओं के मंगलसूत्र पर है। कांग्रेस ने इरादा जाहिर कर दिया है कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो लोगों के घरों, प्रापर्टी और गहनों का सर्वे कराएगी फिर लोगों की कमाई कांग्रेस के पंजे में होगी। कांग्रेस की नजर देश की महिलाओं के गहनों पर है, माताओं- बहनों के मंगलसूत्र पर है, वो उसे छीन लेना चाहती है। कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र में उसके इरादे साफ जाहिर हो रहे हैं। अगर कांग्रेस की सरकार आई तो लोगो के बैंक एकाउंट में झांकेगी, लॉकर खंगालेगी, जमीन -जायदाद का पता लगायेगी और फिर सबकुछ छीनकर उसे घुसपैठियों और ज्यादा बच्चे वालों में बांट देगी। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि कांग्रेस यह संपत्ति उन लोगों को बांटेगी जिन्हें मनमोहन सरकार ने कहा था कि देश की संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। इस बयान से चुनाव के मैदान में तूफान आ गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस को धार्मिक आधार पर मुस्लिम आरक्षण को लेकर भी घेरा है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में 2004 से 2010 के बीच मुसलमानों को दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों का हिस्सा काटकर उसमें से ही विशेष आरक्षण देने का भरसक प्रयास किया किंतु न्यायपालिका के हस्तक्षेप से कांग्रेस का यह विकृत पायलट प्रोजेक्ट लागू नहीं हो सका। जबकि अब यही कांग्रेस भारत का संविधान बदलकर दलित, पिछड़ों, अतिपिछड़ों के अधिकारों में कटौती करके मुस्लिम आरक्षण देने की बात कर रही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने ही बयानों से फंस जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी को फुल टॉस गेंद फेंक कर चुनाव के मैदान में चौके-छक्के लगाने का अवसर दे बैठते हैं। राहुल गांधी ने कांग्रेस का घोषणापत्र जारी हो जाने के बाद एक जनसभा में कहा कि, "सत्ता में आने पर वह देश का एक्सरे कर देंगे। दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। पिछड़े, दलित, आदिवासी, गरीब, सामान्य वर्ग के लोगों को पता चल जाएगा कि इस देश में उनकी भागीदारी कितनी है। इसके बाद हम वित्त और संस्थागत सर्वे करेंगे और यह पता लगाएं कि हिंदुस्तान का धन किसके हाथों में है और इस ऐतिहासिक कदम के बाद हम क्रांतिकारी काम शुरू करेंगे।" इस बयान ने प्रधानमंत्री मोदी को रन बनाने का सुनहरा अवसर दे दिया और वे हिंदुत्व को लेकर आक्रामक हो गए।

इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जो अभी तक केवल अयोध्या, मथुरा, काशी और विरोधी दलों के माफिया प्रेम व कानून व्यवस्था की बात कर रहे थे वो भी बोल पड़े, "कांग्रेस देश में शरिया कानून लागू करना चाहती है लेकिन यह देश संविधान से ही चलेगा शरिया से नहीं। योगी का कहना है कि बीजेपी को मिलने वाल एक- एक वोट कर्फ्यू से मुक्ति और बेटियों की सुरक्षा से गारंटी देता है। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा का बयान आता है कि कांग्रेस के घोषणापत्र पर पाकिस्तान की छाप है।

कांग्रेस के घोषणापत्र और उसके स्टार प्रचारक के बयानों से तो यह तो स्पष्ट ही था कि अब कांग्रेस पूरी तरह से टुकड़े- टुकडे गैंग और शहरी नक्सलियों के हाथ में चली गयी है लेकिन कन्हैया कुमार को टिकट देकर उसने इस बात को साबित भी कर दिया। एक समय था कि राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी व दादी इंदिरा गांधी ने जातिगत जनगणना को देश के लिए घातक माना था। आज राहुल गांधी उन्हीं के विरुद्ध जाकर जातिगत जनगणना की बात कह रहे हैं। राहुल गांधी की असली मंशा जगजाहिर हो चुकी है।

एक बात ध्यान देने योग्य यह भी है कि विपक्ष का गठबंधन तो बन गया और उनकी तीन रैलियां भी हो चुकी हैं किंतु उसके पास प्रधानमंत्री कौन बनेगा इस बात को लेकर असमंजस है। विपक्षी दलों के घोषणापत्रों में वैसे तो विरोधाभास है किंतु मुस्लिम तुष्टिकरण के मामले पर सब एक हैं। आज भाजपा को हिंदुत्व पर आक्रामक होने का अवसर किसी ने दिया है तो वह केवल और केवल कांग्रेस व इंडी गठबंधन के नेता ही हैं। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में मुसलमानों से कई वायदे किये हैं जिसमें उसने कहा है कि सत्ता में आने पर फैसले बहुसंख्यकवाद पर नहीं अल्पसंख्यकवाद पर आधारित होंगे। कांग्रेस संविधान बचाओ के नाम पर भाजपा को घेरने का प्रयास कर रही थी किन्तु उसके घोषणापत्र ने उसकी कलई खोल दी और भाजपा को हिंदुत्व की राजनीति करने का अवसर दे दिया । वैसे भी आम नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता दोनों ही प्रधानमंत्री मोदी की आक्रामक छवि को अधिक पसंद करते हैं । परिणाम तो चार जून को आएगा किन्तु अभी कांग्रेस बैकफुट पर है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कांड्रा से अवैध शराब बरामद, नष्ट किया

गम्हरिया। सरायकेला-खरसावां जिला उत्पाद अधीक्षक विमल लकड़ा के निर्देश पर कांड्रा थाना अंतर्गत खुद्दीबेड़ा, पालूबेड़ा जंगल तथा डुमरा में संचालित विभिन्न शराब चूलाई अड्डों पर छापेमारी कर उन अड्डों को ध्वस्त किया गया। इस दौरान स्थानीय पुलिस पदाधिकारियों और उत्पाद विभाग के कर्मचारियों द्वारा उन चुलाई अड्डों पर करीब 700 किग्रा जावा महुआ विनष्ट किया गया और 30 लीटर चुलाई शराब बरामद किया गया।

फायरिंग करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जमशेदपुर। उलीडीह में रंगदारी के लिए वैद्यनाथ साहू की दुकान पर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस टीम ने दो आरोपियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। इसमें मानगो संजय पथ का विवेक तिवारी और उलीडीह लक्ष्मणनगर का आकाश गिरी शामिल है। इसका खुलासा शुक्रवार को सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने प्रेसवार्ता में किया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने एक देशी पिस्टल, दो जिंदा गोली, कारतूस, मैंगजिन, बाइक आदि बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में विवेक तिवारी के खिलाफ पहले से ही शहर के कई थानों में मामले दर्ज हैं।

मॉर्निंग वॉक पर निकले दवा व्यवसायी लापता

गम्हरिया। शुक्रवार की सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले गम्हरिया लाल बिल्डिंग चौक स्थित विजय मेडिकल स्टोर के मालिक विजय कुमार चौधरी (55) अबतक लापता हैं। परिजनों ने बताया कि प्रतिदिन की तरह आज प्रातः करीब पांच बजे वे घर से मार्निंग वॉक और योगा के लिए निकले थे। उसके बाद अबतक वापस नहीं लौटे। उन्होंने बताया कि वे मार्निंग वॉक करने के बाद गम्हरिया स्थित घोड़ाबाबा मंदिर परिसर में योगा प्रणायाम करने जाते थे। इसके बाद घर आ जाते हैं, लेकिन आज लौटे नहीं। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद आदित्यपुर और गम्हरिया पुलिस से उनकी तलाश की गुहार लगाई गई है। परिजनों ने बताया कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी या किसी तरह की बात नहीं है। बताया जाता है कि उन्हें अंतिम बार टाटानगर स्टेशन में टिकट काउंटर पर देखा गया है। संभावना जताई जा रही है कि सम्भवतः वे देवघर गए हैं। हालांकि उनसे संपर्क नहीं होने से परिजन चिंतित हैं। विदित है कि विजय चौधरी सरायकेला नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सह भाजपा नेता मनोज कुमार चौधरी के चचेरे भाई हैं। उनके लापता होने की सूचना मिलते ही मनोज चौधरी भी गम्हरिया पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

मातु भिक्षाम देहि! भिक्षाम देहि!! भिक्षाम देहि!!!...

गुरु के लिए भिक्षा मांगने आये बटुकों को देख भावुक हुईं माताएं, दान पात्र में दीं भिक्षा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। शरीर पर भगवा वस्त्र, पैरों में खड़ाऊ, हाथ में कमंडल, गले में माला पहने एक साथ 20 बटुक जब बाल संन्यासी के रूप में शुक्रवार को अमल संघ मैदान, सिदगोड़ा में आयोजित समारोह में उपनयन संस्कार कराने के बाद अपने गुरु के लिए भिक्षा मांगने निकले, तो पूरा समारोह स्थल मातु भिक्षाम देहि... भिक्षाम देहि !! भिक्षाम देहि !!! से गूंज उठा। इन बाल संन्यासियों ने सबसे पहले अपनी माताओं से भिक्षा मांगी। बटुकों की माताओं के लिए एक ओर जहां यह खुशी का मौका था तो दूसरी ओर उन्हें संन्यासी भेष में देख उनकी आंखें भी छलछला आईं। माताओं के भिक्षा देने के पश्चात अन्य परिजनों,रिश्तेदारों और आगंतुकों ने बटुकों के दान पात्र में भिक्षा डाली। भिक्षा टन के बाद सबसे रोचक प्रसंग भी देखने को मिला जब बटुकों ने अपने परिजनों से कहा कि अब हमारी शिक्षा पूर्ण हो गई है और हमारी शादी करवा दें। अन्यथा हमलोग स्थायी रुप से संन्यास ले लेंगे। इतना कह बटुक छाता लिए रुष्ठ होकर जाने लगे तो मामा को जिम्मेदारी दी गई कि वे इन युवा संन्यासियों को मनुहार कर वापस घर लायें। शादी करवा देने के आश्वासन और काफी मनुहार के बाद सन्यासी भेष वाले बरुआ वापस घर लौटे।

इसके साथ ही ब्रह्मर्षि विकास मंच, जमशेदपुर ने 20 बटुकों का सामूहिक उपनयन संस्कार अमल संघ मैदान सिदगोड़ा में हुलासगंज के आचार्य रंगेश शर्मा एवं उनके ७ सदस्यीय आचार्य ने पूरे वैदिक रीति रिवाज के अनुसार हर्षोल्लास के साथ संपन्न कराया। कार्यक्रम में स्वस्तिवाचन, मंडप पूजन, धृतढारी, देवपूजन, चौलकर्म मुंडन, उपनयन संस्कार, वेदारंभ, अभिषेक, आशीर्वाद आदि संपन्न हुआ। पूरे संस्कार के दौरान महिलाओं के पारंपरिक गीत से पूरे क्षेत्र का माहौल पारिवारिक बन गया था।

ब्रह्मर्षि युवा मंच के भव्य समारोह में 20 बटुकों का हुआ उपनयन संस्कार

मुंडन के उपरांत सभी बटुक गेरूआ वस्त्र धारण कर अपने कंधे पर भिछाटन के पात्र लिए अपने रिश्तेदारों एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों के समक्ष भिक्षाम देगी, भिक्षांम देही... के शब्दों का उच्चारण करते हुए आगे बढ़ रहे थे। तब सभी महिलाएं पारंपरिक भोजपुरी गीत गाकर उनके स्वागत के लिए आतुर थीं।

कार्यक्रम के दौरान शहर के कई विशिष्ट अतिथियों ने शिरकत की। सभी ने इस प्रकार के कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से समाज में आडंबर और फिजूलखर्ची से दूर रहने की प्रेरणा मिलती है। सभी बरूआ के परिवार इस आयोजन में अपने बच्चों का उपनयन कराकर समाज में सकारात्मक संदेश दिया है। मंचासीन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विद्युतवरण महतो, विधायक सरयू राय, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ नागेंद्र सिंह मौजूद थे। इसके बाद अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित एवं स्वामी के चित्र पर पुष्प अर्पित की।

मंच के अध्यक्ष रामप्रकाश पांडेय एवं महासचिव योगेन्द्र मौआर ने सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न, अंगवस्त्र, जनेऊ, धार्मिक पुस्तक प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के उपरांत कमेटी के कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुधीर कुमार, विजय नारायण, कृष्णकांत, गोपाल सिंह, ब्रजेश, मुकेश, चंदन कुमार, बिरेन्द्र सिंह, क्षीनिवास ठाकुर, अशोक, अमरेन्द्र की अहम भूमिका रही।

आचार्य रंगेश जी महाराज ने कहा कि संस्कार एवं संस्कृति की रक्षा करने के लिए उपनयन जरूरी है। हमें अपने संस्कार को बरकरार रखने की जरूरत है। तभी हम अपने देश की विरासत को बचाये रख सकते हैं।

इनका हुआ उपनयन

1. राजेंद्र सिंह, छोटा गोविंदपुर।
2. रौनक कुमार, मानगो।
3. रोहन कुमार, मानगो।
4. उत्तम सिंह, बजरंगी बगान, टेल्को।
5. किशन तिवारी, मून सिटी, मानगो।
6. अर्जुन तिवारी, मून सिटी, मानगो।
7. करण तिवारी, मून सिटी, मानगो।
8. आयुष शुक्ला, कंचन नगर।
9. आदित्य शुक्ला, कंचन नगर।
10. पियूष शुक्ला, कंचन नगर।
11. अक्षत सिंह, नया बस्ती, बागबेड़ा।
12. अमन कुमार, भोला बगान, छोटा गोविंदपुर।
13. हैप्पी सिंह, गाजियाबाद, यूपी।
14. रिषभ मिश्रा, भोला बगान, गोविंदपुर।
15. उज्ज्वल मिश्रा, भोला बगान, गोविंदपुर।
16. भावेश तिवारी, शिवजी पथ, उलियान।
17. सौहार्द सिंह, शिव पथ, बारीडीह।
18. अर्चित, सिदगोड़ा।
19. नाम उपलब्ध नहीं।
20. नाम उपलब्ध नहीं।

गर्मी में पेयजल आपूर्ति सुचारू बनी रहनी चाहिए : उपायुक्त

- अनन्य मित्तल ने नगरीय निकाय एवं पेयजल स्वच्छता विभाग के पदाधिकारियों के साथ की बैठक
- पेयजल संबंधी समस्याओं का त्वरित निराकरण एवं टोल फ्री नंबर जारी करने का निर्देश
- खराब चापाकलों को तत्काल मरम्मत कर चालू करने का दिया गया निर्देश

बैठक करते डीसी अनन्य मित्तल।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। शहर समेत सुदूर इलाकों में पेयजल की समस्या नहीं हो इसे लेकर जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल ने पदाधिकारियों को आवश्यक तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। नगरीय निकाय एवं पेयजल स्वच्छता विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में उन्होने स्पष्ट कहा कि सभी नगर निकाय एवं पेयजल स्वच्छता विभाग के दोनों प्रमंडल टोल फ्री नंबर जारी करें जिसपर आमजन पेयजल संबंधी समस्याओं को दर्ज करा सकेंगे। अत्यधिक गर्मी को देखते हुए यह सुनिश्चित करें पेयजल व्यवस्था निर्बाध और सुचारू बनी रहे। आमजनों से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण हो।

जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त ने मानगो नगर निगम एवं जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र में पेयजल संबंधी समस्याओं की समीक्षा के क्रम में कहा कि रूट चार्ट के साथ वाहन नं. और ड्राइवर का फोन नंबर की सूची उपायुक्त कार्यालय में उपलब्ध करायें। कितने टैंकर से पेयजलापूर्ति की जा रही, कितने घरों को पानी पहुंचाया जा रहा इसकी भी विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखें लोगों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हो। दूषित पेयजल का सप्लाई किसी भी हाल में नहीं हो। नलकूप/ बोरिंग/ मोटर्स की मरम्मत की समुचित व्यवस्था रखी जाये।

जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त ने ग्रामीण एवं निकाय क्षेत्रों में खराब पड़े हैंडपम्प को तत्काल दुरूस्त कराने के निर्देश दिये।

गुलमोहर हाई स्कूल प्राइमरी सेक्सन का पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। मनुष्य को उसके सफल कार्य के लिए प्रशंसा तथा सराहना अवश्य मिलती है इस सफलता को पाने के लिए कड़ी मेहनत और लगन की जरूरत पड़ती है। प्रतिवर्ष की तरह इस बार 2024-25 के लिए गुलमोहर हाई स्कूल के प्राइमरी सेक्शन में 26 अप्रैल को प्रशंसा समारोह का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के मेधावी छात्राओं को उनकी उपलब्धियां के लिए सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि थे टाटा मोटर्स में फाउंड्री डिवीजन के जनरल मैनेजर डॉक्टर देवेंद्र पदान। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना नृत्य के साथ की गयी।

मतदान देने के लिए मतदाताओं को मिलेगा सवैतनिक अवकाश : डीसी

खबर मन्त्र ब्यूरो

पूर्वी सिंहभूम के डीसी अनन्य मित्तल।

जमशेदपुर। लोकसभा चुनाव 2024 में प्रत्येक मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भारत चुनाव आयोग से प्राप्त निर्देश के आलोक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश घोषित की है। इसलिए पूर्वी सिंहभूम में 25 मई को मतदान के दिन कर्मचारियों को सवैतनिक अवकाश मिलेगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनन्य मित्तल द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135 (ख) के आलोक में निदेशित किया गया है कि प्रत्येक व्यक्ति जो किसी कारोबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम, मॉल अथवा किसी अन्य स्थापना में नियोजित है एवं लोक सभा/विधान सभा में मतदान करने के हकदार है को मतदान के दिन अवकाश मंजूर किया जायेगा। अवकाश मंजूर किये जाने की स्थिति में किसी ऐसे व्यक्ति की मजदूरी से कोई कटौती या कमी नहीं की जायेगी। पूर्वी सिंहभूम जिले के सभी संस्थान / दुकान (शिफ्ट में कार्य कराने वाले संस्थान / मॉल/दुकान सहित) लोकसभा निर्वाचन-2024 के क्रम में दिनांक-25.05.2024 को (मतदान तिथि को) बन्द रहेंगे।

महिलाओं ने बच्चों को प्रतिदिन 20 मिनट योगा करने को किया प्रेरित

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। मारवाड़ी युवा मंच स्टील सिटी सुरभि शाखा द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम के पांचवें दिन शुक्रवार को योगा एवं मेडिटेशन पर एग्रिको स्थित पंजाब रिफ्यूजी मिडिल स्कूल में कार्यशाला आयोजित किया गया। शाखा अध्यक्ष कविता अग्रवाल ने बच्चों में इम्युनिटी का मजबूत होना बहुत आवश्यक बताया और कहा कि योग से इम्यूनिटी में सुधार आता है। योग की मदद से बच्चों का पेट दर्द, अपच, पेट फूलना जैसी आम समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है। मौके पर शिल्पी पलसानिया (हौट मोंडे मिसेज इंडिया वर्ल्डवाइड-2022) ने बच्चों को बताया कि योग एक प्राचीन कला है जो मन और शरीर को जोड़ती है। यह एक व्यायाम है जिससे हम अपने शरीर के तत्वों को संतुलित कर सकते हैं। इसके अलावा यह हमें ध्यान करने और आराम करने में मदद करता है। इसके अलावा योग हमें अपने शरीर के साथ-साथ दिमाग पर भी नियंत्रण रखने में मदद करता है।

बेल्डीह चर्च स्कूल का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। नार्दन टाउन स्थित बेल्डीह चर्च स्कूल में आज वार्षिक पुरस्कार नाइट का आयोजन किया गया। स्कूल प्रांगण में आयोजित समारोह की शुरुआत बेल्डीह बैपटिस्ट चर्च के पादरी रेवरेंड मनोज चरण के नेतृत्व में आरंभिक प्रार्थना के साथ हुई। इसके बाद समारोह की मुख्य अतिथि एवं टाटा स्टील कारपोरेट कम्यूनिकेशंस की हेड श्रीमती रुना राजीव कुमार और स्कूल के मानद सचिव अविनाश कुमार दास ने दीप प्रज्ज्वलित किया। आगत अतिथियों एवं अभिभावकों का स्वागत डीके दास, अस्तर मोहंती और प्रमिला जोशुआ ने किया। विद्यालय के सचिव अविनाश कुमार दास ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं गुलदस्ता भेंट किया।

एक्सआइटीइ कॉलेज, गम्हरिया को यूजीसी से मिला स्वायत्तता का दर्जा

खबर मन्त्र प्रतिनिधि

गम्हरिया। एक्सआईटीई कॉलेज गम्हरिया को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 'स्वायत्तता' का दर्जा प्रदान किया गया है। इससे संस्थान के शिक्षकों व बच्चों में हर्ष व्याप्त है इस बावत प्रेस वार्ता आयोजित कर कॉलेज के प्राचार्य फादर डॉ0 ई.ए. फ्रांसिस ने बताया कि इस सम्बन्ध में आयोग द्वारा वीते 24 अप्रैल'2024 के पत्र के माध्यम से संस्थान को अवगत कराया गया।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि कॉलेज के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसमें सभी हितधारक गर्व के क्षण में शामिल हैं। यूजीसी द्वारा प्रदत्त स्वायत्त दर्जा कॉलेज में शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया को कई तरीकों से समृद्ध करने का वादा करता है। बताया कि स्वायत्तता का दर्जा प्राप्त होने से संस्थान और यहां अध्ययनरत बच्चो को काफी लाभ मिलेगा। जानकारी दी कि अब एक्सआईटीई कॉलेज को सत्रों को समय पर पूरा करने को सुनिश्चित करते हुए अपनी स्वयं की परीक्षा आयोजित करने की स्वतंत्रता होगी। इसके अलावा कॉलेज व्यापक विषय समझ को बढ़ावा देने के लिए छात्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप एक मजबूत पाठ्यक्रम तैयार करने की स्वतंत्रता का प्रयोग कर सकेगा और कॉलेज को छात्रों की समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप नए पाठ्यक्रम शुरू करने की स्वतंत्रता होगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा स्वायत्तता का अनुदान वास्तव में शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति संस्थान के समर्पण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की खोज की एक महत्वपूर्ण मान्यता है। कई उल्लेखनीय उपलब्धियां इसके महत्व में योगदान करती हैं। प्राचार्य ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 में योग्य और पात्र 100 आदिवासी छात्रों को छात्रवृत्ति दिया जाएगा। बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में होने के बावजूद हर वर्ष यहां के अंतिम वर्ष के छात्रों को रांची, लखनऊ, रूड़की आदि जैसे छोटे आईआईएम में प्रवेश मिलता रहा है। साथ ही, सत्र 2022-23 में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 2021-22 के लिए आईसीएसएसआर से प्रायोजन प्राप्त हुआ और राष्ट्रीय सम्मेलन 2022-23 के लिए एनसीडब्ल्यू से प्रायोजन प्राप्त हुआ है। इस दौरान संस्थान के उप प्राचार्य फादर मुक्ति क्लेरेंस, प्रो निसिथ प्रसाद सिंह, प्रो सुष्मिता चौधरी, प्रो संचिता घोष चौधरी, एनएसएस अधिकारी नवल चौधरी भी थे।

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते प्राचार्य फादर डा ईए फ्रांसिस व सहयोगी।

एक नजर में

इनरव्हील क्लब का डिजिटल विकास पर सेमिनार

जमशेदपुर। इनर व्हील क्लब ऑफ जमशेदपुर ईस्ट के सदस्यों ने क्लब के पास्ट प्रेसिडेंट विनीता झा के घर पर कुछ वंचितों, घरेलू सहायकों के साथ मिलकर डिजिटल विकास पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। अध्यक्ष सम्पा उपाध्याय और विनीता झा ने बताया कि सोशल मीडिया के दुरुपयोग को कैसे संभाला जाए, बैंक ट्रांजेक्शन का सुरक्षित तरीके से उपयोग कैसे किया जाए आदि। आजकल स्मार्टफोन का उपयोग करना हमारी जरूरत बन गई है। इसलिए सोशल मीडिया और डिजिटल ट्रांजेक्शन का सुरक्षित उपयोग भी उतना ही जरूरी है। क्लब की पास्ट प्रेसिडेंट नम्रता झा और उपाध्यक्ष मधुमिता सान्याल ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

श्री श्री शिव संकटमोचन हनुमान मंदिर का जीर्णोद्धार कार्यक्रम संपन्न

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथि।

जमशेदपुर। आदित्यपुर रिवर व्यू कॉलोनी वार्ड नंबर-18 स्थित श्री श्री शिव संकटमोचन हनुमान मंदिर जीर्णोद्धार का कार्यक्रम आज सम्पन्न हुआ, भूमिपूजन कार्यक्रम में यजमान राकेश रंजन जी एवम हेमन्त कुमार जी उपस्थित रहे तथा पुरोहित पंडित धर्मेन्द्र पाण्डेय जी द्वारा भूमिपूजन कार्यक्रम को सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम की पूर्व संध्या विहंगम योग संत समाज के जिला संयोजक शम्भू जी के मार्गदर्शन में विश्व का अद्वितीय आध्यात्मिक सद्ग्रंथ ₹स्वर्वेद₹ का अखण्ड पाठ शुरू किया गया जो कि पूरे रात्रि तक चली। आज प्रातः पंडित जी द्वारा जीर्णोद्धार पूजन के सभी कार्यक्रम कराए गए, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शहर के उद्योगपति समाजसेवी एवम चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष ए0 के0 श्रीवास्तव , एसिया उपाध्यक्ष सुधीर सिंह, डॉ हिमांशु शेखर भारती, आदित्यपुर नगर निगम की पूर्व पार्षद बिनीता अविनाश एवम रंजन सिंह , उद्योगपति सह समाजसेवी एस0 के0 शुक्ला एवम पुष्पेन्द्र सिंह, पूर्व कार्यपालक अभियंता बिनोद कुमार, सतीश राय, रामबिनोद गुप्ता, सुनील कुमार एवम विहंगम योग युवा संत समाज के कोल्हान प्रमुख नीरज मिश्रा के साथ-साथ शहर के कई अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सम्पूर्ण कार्यक्रम कमिटी अध्यक्ष नगीना सिंह के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ एवम उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत नगीना सिंह जी द्वारा पुष्प गुच्छ देकर एवम अंग वस्त्र ओढ़ाकर किया गया। विहंगम योग युवा संत समाज के कोल्हान प्रमुख नीरज मिश्रा ने विहंगम योग एवम स्वर्वेद पर चर्चा करते हुए मुख्य अतिथि एके श्रीवास्तव को विश्व का अद्वितीय आध्यात्मिक सद्ग्रंथ स्वर्वेद प्रदान किया।

बाबू कुंवर सिंह का योगदान स्मरणीय : काले

वीर कुंअर सिंह की तस्वीर पर माल्यार्पण करते अतिथिगण।

जमशेदपुर। 1857 प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के शहादत दिवस पर नमन परिवार द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति साकची स्थित कार्यालय में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं एवं शहर के गणमान्यो की गरिमामय उपस्थिति में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि झारखंड क्षत्रिय संघ के अध्यक्ष शंभूनाथ सिंह ने कहा कि अदम्य साहस और शौर्य के प्रतीक, बाबू वीर कुंवर सिंह एक निर्भीक और दृढ़ निश्चयी क्रांतिकारी थे। उनकी वीरता और पराक्रम की गाथा हम सभी को प्रेरित करती रहेगी। श्री काले ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह निडर और बहादुर इंसान थे उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन को तेज धार देने के साथ-साथ समाज के हितों की रक्षा के लिए सदैव संघर्षरत रहे। मातृभूमि के लिए उनका त्याग और बलिदान अतुलनीय है। उनकी देशभक्ति, साहस और आत्म-बलिदान आज भी प्रेरणा बनकर हमारे हृदयों में विद्यमान हैं, इतिहास उन्हें कभी नहीं भुला सकता। मातृभूमि के लिए उनका योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा। मौके पर रामलीला उत्सव समिति के रामकेवल मिश्रा, पूर्व सैनिक सरदार बलविंदर सिंह आदि उपस्थित थे।

523 रन, 42 छक्के और टी20 इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज

पंजाब ने कोलकाता आठ विकेट से हराया, मैन ऑफ द मैच जॉनी बेयरस्टो

एजेंसी

कोलकाता। पंजाब किंग्स ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने आइपीएल के 17 सीजन के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर चेज किया है। पंजाब ने 262 रन के लक्ष्य को मात्र 18.4 ओवर में चेज कर लिया। यानी आखिर में आठ गेंद बाकी रह गए। 262 रन आइपीएल इतिहास का सबसे सफल चेज है। इससे पहले आइपीएल 2020 में राजस्थान ने पंजाब के खिलाफ 226 रन चेज किए थे। पंजाब के लिए जीत के हीरो जॉनी बेयरस्टो, शशांक सिंह और प्रभसिमरन सिंह रहे। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 261 रन बनाए थे। फिल सॉल्ट ने 37 गेंद में 75 रन और सुनील नरेन ने 32 गेंद में 71 रन की पारी खेली। जवाब में प्रभसिमरन सिंह ने 20 गेंद में 54 रन की पारी खेल पंजाब को तूफानी शुरूआत दिलाई। इसके बाद जॉनी बेयरस्टो ने 48 गेंद में 108 रन और शशांक सिंह ने 28 गेंद में 68 रन की नाबाद पारी खेल पंजाब को जीत दिलाई।

टी-20 क्रिकेट में सबसे सफल रन चेज

टीम	खिलाफ	लक्ष्य
पंजाब किंग्स	केकेआर	262
द. अफ्रीका	वेस्टइंडीज	259
मिडिलसेक्स	सरे	253
ऑस्ट्रेलिया	न्यूजीलैंड	244

इस मैच में 42 छक्के लगे, जो कि आइपीएल इतिहास के किसी मैच में सबसे ज्यादा हैं। इस जीत के साथ पंजाब की टीम नौ मैचों में तीन जीत और छह हार के साथ छह अंक लेकर आठवें स्थान पर आ गई है। वहीं, कोलकाता की टीम दूसरे स्थान पर बरकरार है। उसके आठ मैचों के बाद पांच और तीन हार के साथ 10 अंक हैं। पंजाब को अगला मैच एक मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलना है। वहीं कोलकाता को 29 अप्रैल को दिल्ली के खिलाफ ईडन गार्डेन्स में ही खेलना है। कोलकाता ने सात विकेट पर 261 रन बनाते हुए अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया तो यह लगा इस स्कोर को छूना संभव नहीं होगा, लेकिन पंजाब ने वह कर दिखाया जो आज तक टी20 क्रिकेट में कभी नहीं हुआ। इस मैच में सर्वाधिक 42 छक्के लगाए जाने का भी रिकॉर्ड बना।

बेयरस्टो और शशांक सिंह का धमाल

बेयरस्टो अर्धशतक पूरा करने के बाद और ज्यादा आक्रामक हो गए। उन्होंने 11वें ओवर में वरुण पर दो छक्के लगाए। अगले ओवर में रसेल पर उन्होंने तीन छक्के लगाकर पंजाब का स्कोर 12 ओवर में 173 रन कर दिया। सुनील ने राइली रूसो (26) को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। बेयरस्टो-रूसो ने 39 गेंद में 85 रन जोड़े। शशांक ने आते ही वरुण पर लगातार दो छक्के लगाए। 15 ओवर में कोलकाता ने 201 रन बना लिए, जिससे लक्ष्य 30 में 61 रन रह गया। बेयरस्टो ने 45 गेंद में आइपीएल में अपना दूसरा शतक लगाया। यह आइपीएल में पांच साल बाद उनका शतक था। पिछली बार उन्होंने 2019 में सनराइजर्स हैदराबाद में रहते हुए आरसीबी के खिलाफ 114 रन की पारी खेली थी। शशांक ने 17वें ओवर में दुष्मांथा पर तीन छक्के लगाए और लक्ष्य 18 गेंद में 34 रन रह गया। शशांक यहीं नहीं रुके उन्होंने राणा पर दो लगातार छक्के लगा 23 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। इस ओवर में कुल 3 छक्के और चौका लगा और लक्ष्य 12 गेंद में नौ रन रह गया, जिसे 19वें ओवर में हासिल कर लिया गया।

तीन कैच छोड़ना पड़ा महंगा

सैम करन का टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। खतरनाक नरेन का तीसरे ही ओवर में हर्षल की गेंद पर बराड़ ने कैच छोड़ दिया। तब वह 15 पर थे। नतीजा यह निकला कि फिल सॉल्ट ने इस ओवर में दो छक्के और चौका जड़ 18 रन बटोरे। अगले ओवर में नरेन ने रबाडा को निशाना लगाया और तीन चौके, छक्का लगाकर 21 रन बनाए। पंजाब के खराब का क्षेत्ररक्षण का सिलसिला जारी रहा। छठे ओवर में सॉल्ट का आसान कैच करन ने छोड़ा। वह 34 पर थे। नतीजा यह निकला कि केकेआर ने पावरप्ले में 76 रन बना डाले। हालांकि, सातवें ओवर में साल्ट को 35 के निजी योग पर रबादा ने भी जीवनदान दे डाला।

नरेन-सॉल्ट की तूफानी पारी

इससे पहले सुनील नरेन और फिल सॉल्ट के तूफानी अर्धशतकों की बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स ने पंजाब किंग्स के खिलाफ आइपीएल में अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बना डाला। सुनील के 32 गेंद में नौ चौकों और चार छक्कों की मदद से 71 रन और सॉल्ट की 37 गेंद में 75 रन की पारियों से कोलकाता ने छह विकेट पर 261 रन बनाए। सुनील और सॉल्ट ने पहले विकेट के लिए 63 गेंद में 138 रन की शतकीय साझेदारी निभाई। इसी सत्र में कोलकाता ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सात विकेट पर 272 रन बनाए थे। यह उसका आइपीएल में सर्वोच्च स्कोर है।

रिकॉर्ड्स से भरा मैच

यह मैच टी-20 क्रिकेट के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। टी-20 क्रिकेट में पहली बार किसी टीम ने 262 रन का विशाल स्कोर चेज किया। इसके अलावा एक टी-20 मैच में सबसे ज्यादा 42 छक्के (केकेआर- 18, पंजाब- 24) भी इसी मैच में लगे। एक पारी में सबसे ज्यादा 24 छक्के उड़ाने का रिकॉर्ड भी पंजाब किंग्स ने अपने नाम कर लिया।

कोलकाता 261/6 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
फिलिप साल्ट बोल्ड सैम करन	75	37	06	06
नरेन के. बेयरस्टो बो. चाहर	71	32	09	04
वेंकटेश अय्यर रन आउट	39	23	03	02
रसेल के. हर्षल बो. अर्शदीप	24	12	02	02
श्रेयस के. रबाडा बो. अर्शदीप	28	10	01	03
रिंकू के. शर्मा बो. हर्षल	05	04	01	00
रमनदीप सिंह नाबाद	06	03	00	01

अतिरिक्त : 12

विकेट पतन : 138-1, 163-2, 203-3, 246-4, 253-5, 261-6.

गेंदबाज : सैम करन : 4-0-60-1, अर्शदीप सिंह : 4-0-45-2, हर्षल पटेल : 3-0-48-1, कगिसो रबाडा : 3-0-52-0, राहुल चाहर : 4-0-33-1, हरप्रीत ब्रार : 2-0-21-0.

पंजाब 262/2 (18.4 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
प्रभसिमरन सिंह रन आउट	54	20	04	05
जॉनी बेयरस्टो नाबाद	108	48	08	09
रूसो के. श्रेयस बो. नरेन	26	16	01	02
शशांक सिंह नाबाद	68	28	02	08

अतिरिक्त :09

विकेट पतन : 93-1, 178-2.

विकेट पतन : दुशमंथा चमीरा : 3-0-48-0, हर्षित राणा : 4-0-61-0, अनुकूल रॉय : 2-0-36-0, सुनील नरेन : 4-0-24-1, वरुण चक्रवर्ती : 3-0-46-0, आंद्रे रसेल : 2-0-36-0, रमनदीप सिंह : 0.4-0-9-0.

आइपीएल 2024 पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	रद्द	अंक	रन रेट
राजस्थान	08	07	01	00	14	+0.698
कोलकाता	08	05	03	00	10	+0.972
हैदराबाद	08	05	03	00	10	+0.577
लखनऊ	08	05	03	00	10	+0.148
चेन्नई	08	04	04	00	08	+0.415
दिल्ली	09	04	05	00	08	-0.386
गुजरात	09	04	05	00	08	-0.974
पंजाब	09	03	06	00	06	-0.187
मुंबई	08	03	05	00	06	-0.287
बेंगलुरु	09	02	07	00	04	-0.721

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	रन
कोहली	बेंगलुरु	430
नरेन	कोलकाता	357
गायकवाड	चेन्नई	349
पंत	दिल्ली	342
सुदर्शन	गुजरात	334

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	विकेट
हर्षल	पंजाब	14
बुमराह	मुंबई	13
चहल	राजस्थान	13
कुलदीप	दिल्ली	12
नटराजन	हैदराबाद	12

आज रोमांच से भरा होगा राजस्थान और लखनऊ का मुकाबला

लखनऊ। गत विजेता चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पिछले लगातार दो मुकाबलों में हराने वाली लखनऊ सुपर जॉयंट्स (एलएसजी) शनिवार को अपने घरेलू मैदान में मजबूत राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ जीत दर्ज कर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। नवाब नगरी लखनऊ के खूबसूरत इकाना स्टेडियम पर दोनो टीमों के बीच मुकाबला शाम साढ़े सात बजे से खेला जाएगा। राजस्थान का आईपीएल के मौजूदा संस्करण में प्रदर्शन बेहतरीन रहा है और वह आठ में से सात मैच जीतकर अंक तालिका की पहली पायदान पर है वहीं एलएसजी ने इतने ही मैचों में पांच मैच जीतकर चौथे स्थान पर बनी हुयी हैं। आईपीएल में दो साल पहले पदार्पण करने वाली एलएसजी अब तक चार बार राजस्थान से भिड़ चुकी है जिसमें उसे सिर्फ एक में जीत मिली है। मौजूदा संस्करण में उसे राजस्थान से हार का सामना करना पड़ा है और इस लिहाज से उसे कल के मैच में अपने समर्थकों के सामने बदला लेने का भरपूर अवसर मिलेगा।

मैंने वो हर बल्ला संभाला है जिसने मैंने शतक लगाया : पोंटिंग

एजेंसी

नयी दिल्ली। दो बार के विश्व कप विजेता आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उन्होंने हर वो बल्ला संभालकर रखा है जिससे उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक जड़ा है और उस पर विरोधी टीम का नाम तथा अपना स्कोर भी उन्होंने लिख रखा है। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच पोंटिंग अपने दौर के बेहतरीन बल्लेबाजों में से थे। उन्होंने युवा क्रिकेटरों को किट देने की डीपी वर्ल्ड बियोंड बाउंड्रीज' पहल के मौके पर यह बात कही। 2012 में क्रिकेट को अलविदा कहने वाले पोंटिंग ने 71 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं जिनमें 41 टेस्ट शतक शामिल हैं। पोंटिंग ने कहा कि आप विश्वास करें या नहीं लेकिन मेरे घर पर मेरा पहला बल्ला भी रखा है। इस पर स्टिकर्स लगे हैं। हमारे घर में करीब एक हजार बल्ले हैं। जिस भी बल्ले से मैंने अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा था, वह मेरे पास है। इस पर मैंने अपना स्कोर और विरोधी टीम का नाम भी लिखा है। उनकी यादगार पारियों में भारत के खिलाफ 2003 वनडे विश्व कप फाइनल में जड़े नाबाद 140 रन शामिल है। उस समय भारतीय टीम के कप्तान रहे सौरव गांगुली अब दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक हैं और वह भी इस मौके पर मौजूद थे। गांगुली ने अपने पहले बल्ले के बारे में कहा कि मैं 13 साल का था जब पहला बल्ला खरीदा। गेंद को बल्ले से मारकर हवा में जाते देखकर मैं बहुत खुश होता था। बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स फिलहाल अंक तालिका में छठे स्थान पर चल रही है। उसने 9 में से चार मुकाबले जीते हैं। बीते दिनों दिल्ली ने गुजरात को रोमांचक मुकाबले में हरा दिया था। अब उनके आगामी मुकाबले मुंबई, कोलकाता, राजस्थान, बेंगलुरु और लखनऊ से होने हैं। उन्हें प्लेऑफ में जाने के लिए सभी मुकाबलों में जीतना जरूरी है।

युवराज ने टी20 विश्व कप के लिए दो प्रमुख विकेटकीपरों को चुना

नयी दिल्ली। पूर्व स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भारतीय टीम के लिए विकेटकीपिंग विकल्पों का मूल्यांकन किया, वह खिलाड़ी जो भारत के लिए महत्वपूर्ण होगा और अनुभवी खिलाड़ियों के लिए भविष्य क्या होगा, इस पर अपनी राय दी। भारत प्रतिभा के बावजूद विकेटकीपिंग विकल्पों पर निर्णय लेने के मामले में 'दुविधा' में फंस गया है। मौजूदा आइपीएल 2024 सीजन में शानदार फॉर्म दिखाने के बाद दिनेश कार्तिक विकेटकीपिंग स्थान के लिए एक आश्चर्यजनक दावेदार के रूप में उभरे हैं।अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज आरसीबी के लिए प्रेरक रहे हैं, खासकर डेथ ओवरों में।

तीरंदाजी विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचीं दीपिका कोरियाई प्रतिद्वंद्वी को जियोन को 6-4 से हराया

तीन वर्ष पहले विश्वकप का स्वर्ण जीती थीं दीपिका

142वीं विश्व रैंकिंग पर फिसल गईं दीपिका रैंकिंग राउंड 30वें स्थान पर थीं। दीपिका जियोन के खिलाफ एक समय 1-3 से पिछड़ी हुई थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए अगले दो सेट जीते और पांचवां सेट पर बराबरी पर रखते हुए 27-28-27-27, 29-28, 29-27, 28-28 से जीत हासिल कर ली। मां बनने के बाद दीपिका ने फरवरी में एशिया कप का स्वर्ण जीता था। उन्होंने अंतिम बार विश्वकप का स्वर्ण पेरिस में 2021 में जीता था।

एजेंसी

शंघाई (चीन)। दिसंबर, 2022 में मां बनने के बाद से दीपिका कुमारी के शानदार प्रदर्शन क्रम जारी है। तीन बार की ओलंपियन इस तीरंदाज ने विश्वकप स्टेज-1 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दीपिका ने क्वार्टर फाइनल में कोरिया की जियोन हुनयंग को पिछड़े के बाद 6-4 से पराजित किया। उनका सेमीफाइनल में सामना एक अन्य कोरियाई तीरंदाज नाम सुहयोन से होगा।

ज्योति-अभिषेक मिश्रित स्पर्धा के फाइनल में

कंपाउंड तीरंदाजी में भारतीय तीरंदाजों का शानदार प्रदर्शन का क्रम जारी है। ज्योति सुरेखा और अभिषेक वर्मा ने मिश्रित स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश कर एक और पदक पक्का कर लिया। ज्योति-अभिषेक ने मेक्सिको की जोड़ी एंड्रिया बेसेरा और मैक्सिमो मेंडेज ओर्टिज को 155-151 से हराया। फाइनल में दोनों का सामना निचली रैंक के एस्टोनिया की टीम से होगा। रिकर्व के मिश्रित स्पर्धा में अंकिता भक्त और बी धीरज को सेमीफाइनल में कोरिया के लिम और किम वूजिन से 0-6 से हार का सामना करना पड़ा। अब दोनों कांस्य पदक केलिए मेक्सिको की जोड़ी से खेलेंगे।

बल्ले और गेंद में संतुलन जरूरी, हर जगह गेंदबाज पिट रहे : गांगुली

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग में सपाट पिचों पर और इम्पैक्ट खिलाड़ी के तौर पर अतिरिक्त बल्लेबाज की मौजूदगी से गेंदबाजों की दुर्दशा पर ध्यान दिलाते हुए शुक्रवार को कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड को बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बनाने का तरीका ढूंढना होगा। आइपीएल के इस चरण में अब तक की पिचें बल्लेबाजों के लिए मुफीद रही हैं। टीम अब आसानी से 200 रन का आंकड़ा पार कर रही हैं। गांगुली ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स के मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि गेंदबाजों के लिए यह आसान नहीं है। उनके खिलाफ हर जगह रन बनाए जा रहे हैं।

जीत के इरादे से उतरेंगी दिल्ली और मुंबई

नयी दिल्ली। ऋषभ पंत के शानदार फॉर्म और बेहतरीन कप्तानी से आत्मविश्वास से ओतप्रोत दिल्ली कैपिटल्स शनिवार को आइपीएल 2024 फॉर्म से जूझ रही मुंबई इंडियंस से खेलेगी। दिल्ली कैपिटल्स ने टूर्नामेंट में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए कई मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज की तो कई में शर्मनाक हार भी झेली। पिछले चार मैचों में से तीन जीतकर वह अंकतालिका में छठे स्थान पर है। मुंबई का हाल भी कुछ ऐसा ही है। टीम को 8 मैच में 3 जीत मिली है। यह मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर होगा। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर इस सीजन दो मैच हुए हैं। दोनों ही मैचों में रनों की बरसात देखने को मिली है। एक बार फिर इस मैदान पर गेंदबाजों का बुरा हाल होना तय दिख रहा है। डे मैच होने की वजह से टॉस जीतने वाली टीम बैटिंग से सकती है क्योंकि दिल्ली की गर्मी में फील्डिंग करना आसान नहीं होगा। पहले बैटिंग करते हुए टीम को जीत हासिल करना है तो इस मैदान पर 220 से ज्यादा का स्कोर बनाना ही होगा। मैच खत्म होने के समय भी यह 33 डिग्री के आसपास रहेगा। पहले फील्डिंग करने वाली टीम को चिलचिलाती धूप में मैदान पर आना पड़ेगा। विदेशी खिलाड़ियों को ज्यादा परेशानी हो सकती है।

नौकायन में नेत्रा कुमानन ने भारत का दूसरा पेरिस ओलंपिक कोटा किया हासिल

नयी दिल्ली। टोक्यो ओलंपियन नेत्रा कुमानन ने शुक्रवार को फ्रांस के हायरेस में लास्ट चांस रेगाटा में ओलंपिक क्वालीफायर के नौकायन मुकाबले में भारत का दूसरा ओलंपिक कोटा हासिल किया। महिलाओं की डिंघी (आइएलसीए 6) में प्रतिस्पर्धा करते हुए नेत्रा ने 67 अंक हासिल करते हुए ओवरऑल लीडरबोर्ड पर वह पांचवें स्थान पर रहीं। हालांकि, उन्होंने वर्ल्ड सेलिंग इमर्जिंग नेशंस प्रोग्राम (ईएनपी) के तहत नौकाचालकों के बीच शीर्ष प्रदर्शन करते हुए ओलंपिक कोटा हासिल किया।

दीपक होंगे भारतीय पुरुष रग्बी टीम के कप्तान

हिसार। हरियाणा पुरुष रग्बी (7एस) टीम के कप्तान व हिसार के कनोह गांव के दीपक कुमार पूनिया एशियाई डिविजन 1 रग्बी (15 एस) चैम्पियनशिप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। इससे पहले यह सम्मान सोनीपत के विकास खत्री उर्फ छोटू को हासिल हुआ था। हरियाणा राज्य रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव नरेन्द्र मोर ने शुक्रवार को बताया कि एशिया पुरुष रग्बी (15 एस) डिविजन 1 चैंपियनशिप का आयोजन श्रीलंका में 30 अप्रैल से 5 मई तक होगा। इसमें एशिया पुरुष रग्बी (15 एस) डिवीजन 1 की टीमें भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि दीपक कुमार पूनिया भारतीय रग्बी टीम का चमकता युवा चेहरा है। दीपक को एशियाई डिविजन 1 रग्बी (15 एस) चैंपियनशिप में भारतीय टीम की कप्तानी सौंपेगी।

मार्टा ने संन्यास लेने की घोषणा की

ब्राजिलिया। ब्राजील की महिला खिलाड़ी मार्टा विएरा डी सिल्वा ने कहा कि वह इस वर्ष के आखिर में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लेंगी। मार्टा ने स्थानीय मीडिया को बताया, अगर मैं ओलंपिक में जाती हूं, तो मैं हर पल का आनंद लूंगी क्योंकि चाहे मैं जाऊं या न जाऊं, यह राष्ट्रीय टीम के साथ मेरा आखिरी साल है। उन्होंने कहा, एक क्षण आता है जब हमें समझना होता है कि समय आ गया है।

लखनऊ को बड़ी राहत, मयंक नेट में सक्रिय, जल्द लौटेंगे

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग के पहले 2 मैच में अपनी रफ्तार से क्रिकेट जगत में तलहका मचाने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पेट के निचले हिस्से में चोट के कारण लगभग तीन सप्ताह के आराम के बाद नेट में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है। लखनऊ सुपर जाइंट्स के सहायक कोच श्रीधरन श्रीराम ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आइपीएल मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि वह फिर से खेलने के करीब हैं। दिल्ली के 21 वर्षीय तेज गेंदबाज ने लगातार 3-3 विकेट लिए और लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पार करके सभी को हैरान कर दिया। लेकिन तीसरे ही मैच में चोटिल हो गए। वह साइड स्ट्रेन के कारण पूरे रणजी ट्राफी सत्र में नहीं खेले थे। श्रीराम ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वह नेट में गेंदबाजी कर रहा है। इसलिए हम देखेंगे कि वह कैसे गेंदबाजी करता है। वह फिर से खेलने के काफी करीब है। इसकी उम्मीद है। श्रीराम ने कहा कि मैंने पिछले लगभग एक महीने से उनके साथ काम किया है। वह बहुत परिपक्व लगता है और वह अपने शरीर को अच्छी तरह से जानता है जो एक युवा तेज गेंदबाज के लिए बहुत अच्छी बात है।

पेरिस ओलंपिक्स की दौड़ में आगे बढ़े सिफ्ट और ऐश्वर्य

एजेंसी

नयी दिल्ली। सिफ्ट कौर समरा ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन (3पी) में चार अन्य ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए लगातार ट्रेल जीते। राष्ट्रीय राजधानी में डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में हुए ट्रायल में जहां सिफ्ट ने बाजी मारी, वहीं पुरुषों मेंऐश्वर्य प्रताप ने जीत दर्ज की। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 3पी टी2 फाइनल को फिनिश लाइन तक क्लासिक 0.22 स्क्रैप में जीतकर ओएसटी विजेता सूची में प्रवेश किया। मौजूदा एशियाई खेलों की चैंपियन, विश्व रिकॉर्ड धारक और पिछले कुछ समय से महिलाओं की 3पी में निर्विवाद रूप से भारत की नंबर एक खिलाड़ी सिफ्ट ने ओएसटी टी2 फाइनल में 465.1 का स्कोर किया और आशी चोकसी सिफ्ट से 2.4 से पीछे रह कर दूसरे स्थान पर रहीं। आशी के साथ शूट-ऑफ में दूसरे स्थान पर रहने के बाद अंजुम मौदगिल तीसरे स्थान पर रहीं। श्रीयंका सदांगी और निश्चल चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। पुरुषों के 3पी ओएसटी टी2 फाइनल में एक और भारत के नंबर एक खिलाड़ी और पेरिस कोटा धारक ऐश्वर्य तोमर ने रोमांचक क्लाइमेक्स में जीत हासिल की। अंतिम शॉट की ओर बढ़ते हुए, ऐश्वर्या अखिल श्योराण से 0.1 से पीछे थे। उन्होंने अखिल के 9.9 के मुकाबले 10.6 का स्कोर किया और 463.6 के अंतिम स्कोर के साथ जीत हासिल की।

एयर राइफल और एयर पिस्टल ओएसटी टी2 क्वालिफिकेशन

ओएसटी के आठवें दिन पुरुषों और महिलाओं के 10मीटर एयर राइफल और एयर पिस्टल टी2 क्वालिफिकेशन राउंड का भी क्वालिफिकेशन राउंड हुआ। पनैन्सी ने अपना उत्कृष्ट मौजूदा फॉर्म जारी रखते हुए 633.1 के स्कोर के साथ महिलाओं की एयर राइफल में शीर्ष स्थान हासिल किया। पुरुषों की स्पर्धा में संदीप सिंह मजबूत 632.6 स्कोर के साथ सर्वश्रेष्ठ रहे। महिलाओं की एयर पिस्टल में, रिदम सांगवान 584 के स्कोर के साथ लीडर बोर्ड में शीर्ष पर रहीं, जबकि सरबजोत सिंह 581 के साथ पुरुषों की एयर पिस्टल क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहे। सभी चार फाइनल शनिवार को समापन दिवस पर होंगे।

लोकसभा चुनाव : बिहार में दूसरे चरण के चुनाव में 59 प्रतिशत मतदान

एजेंसी

पटना (बिहार)। राज्य में भीषण गर्मी के बीच लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान शुक्रवार को संपन्न हो गया। दूसरे चरण में बिहार की पांच सीटों किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर और बांका सीट पर सुबह सात बजे से वोटिंग शुरू हुई। शाम छह बजे तक पांचों सीटों पर 58.80 प्रतिशत मतदान हुआ।

किशनगंज में 64 प्रतिशत, कटिहार में 64.60 प्रतिशत और भागलपुर में सबसे कम 51 प्रतिशत मतदान हुआ। बांका में 54 प्रतिशत और पूर्णिया में 59.94 प्रतिशत मतदान हुआ।

भागलपुर और किशनगंज में 12-12 , बांका में 10, कटिहार में नौ और पूर्णिया में सात उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। किशनगंज में राजग से मुजाहिद आलम और महागठबंधन से मोहम्मद जावेद प्रत्याशी हैं। कटिहार में एनडीए से दुलालचंद गोस्वामी और महागठबंधन से तारिक अनवर उम्मीदवार हैं।

पूर्णिया में एनडीए से संतोष कुशवाहा और महागठबंधन से बीमा भारती के अलावा निर्दलीय उम्मीदवार पप्पू यादव के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है।

भागलपुर में एनडीए प्रत्याशी अजय मंडल और महागठबंधन से अजीत शर्मा जबकि बांका में एनडीए से गिरिधारी यादव और महागठबंधन से जय प्रकाश नारायण यादव का किस्मत ईवीएम में कैद हो गया है।

कहां कितनी हुई वोटिंग लोकसभा क्षेत्र	आज पड़े वोट	2019 की स्थिति
किशनगंज	64.00 प्रतिशत	66.35 प्रतिशत
कटिहार	64.06 प्रतिशत	67.62 प्रतिशत
पूर्णिया	59.94 प्रतिशत	65.37 प्रतिशत
भागलपुर	51.00 प्रतिशत	57.17 प्रतिशत
बांका	54.00 प्रतिशत	58.60 प्रतिशत
कुल	58.58 प्रतिशत	62.92 प्रतिशत

वाहन जांच के दौरान निगरानी दल ने जब्त किये लाखों रुपए

एजेंसी

सहरसा। लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर जिले के विभिन्न स्थलों पर बनाए गए चेक पोस्टों पर चल रहे सघन वाहन जांच के दौरान स्थैतिक निगरानी दल हुसैनचक 76 सिमरी बख्तियारपुर चेक पोस्ट पर गौतम कुमार पिता अरविंद कुमार यादव सलखुआ थाना के इटहरी ग्राम निवासी कि स्कॉर्पियो गाड़ी की जांच के द्वारा कुल 1,99,500 एक लाख निन्यानवे हजार पांच सौ नगद राशि पाई गई ।

जब्त राशि के संबंध में जांच स्थल पर कोई संतोषप्रद प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर पाने की स्थिति में स्थैतिक निगरानी दल के दंडाधिकारी सूरज कुमार एवं उड़नदस्ता दल के दंडाधिकारी शुभम वर्मा द्वारा राशि जब्ती की कार्यवाही की गई एवं संबंधित थाना अध्यक्ष सिमरीबख्तियारपुर के एसएचओ को राशि सुपुर्द कर दिया गया।

निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रवीण कुमार द्वारा विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि आदर्श आचार संहिता के अक्षरशः अनुपालन तथा निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने हेतु हमारी पूरी टीम पुलिस बल के साथ जिले के सभी चेक पोस्टों पर पूरी मुस्तादी के साथ आने-जाने वाली सभी गाड़ियों की गहन जांच करवाई जा रही है। किसी भी परिस्थिति में चुनाव को प्रभावित करने वाले सभी कारकों को हम लोग जब्त करने का काम करेंगे। चुनाव प्रभावित किए जा सकने वाले हर एक बिंदु पर निगरानी दलों की नजर बनी हुई है।

नौ नामांकन पत्रों को किया गया अस्वीकृत

एजेंसी

समस्तीपुर। उजियारपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से किये गये नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा समाहरणालय सभागार में सामान्य प्रेक्षक कुलदीप शर्मा की उपस्थिति में निवार्ची पदाधिकारी, अजय कुमार तिवारी के द्वारा की गयी। संवीक्षा के दौरान 1. निर्दलीय चंदेश्वर राय 2. आर0एस0पी0आई (एम0एल0) के चंद्रशेखर राय 3. निर्दलीय विरेन्द्र कुमार राय 4. बिहार जस्टिस पार्टी के राम लगन राय 5. निर्दलीय अरूण कुमार यादव 6. निर्दलीय राम करण पासवान 7. निर्दलीय आमोद कुमार 8. समता पार्टी के अमन कुमार झा एवं 9. निर्दलीय शत्रुध्न साह ,इन सभी के शपथ-पत्र के अपूर्ण रहने के कारण इनके नाम निर्देशन पत्रों को अस्वीकृत किया गया है। नाम निर्देशन पत्रों के संवीक्षा के उपरांत विधिमान्य अभ्यर्थियों के नाम 1. राष्ट्रीय जनता दल के आलोक कुमार मेहता 2. जनता राज विकास पार्टी के मनोज कुमार 3. भारतीय जनता पार्टी के नित्यानंद राय 4. सोशलिस्ट युनिटी सेन्टर आफ इंडिया (कम्यूनिस्ट) के राम पुकार राय 5. जागरूक जनता पार्टी के निक्की झा 6. बहुजन समाज पार्टी के मोहन कुमार मौर्या 7. राष्ट्रीय जन संभावना पार्टी के संतोष राय 8. सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी के अंशु कुमार 9. निर्दलीय नारेन्द्र गिरी 10. निर्दलीय संजय पासवान 11. निर्दलीय अमरेश राय 12. निर्दलीय राकेश कुमार 13. निर्दलीय किशोर कुमार है। संवीक्षा के समय सहायक निवार्ची पदाधिकारी प्रियंका कुमारी, अवर निर्वाचन पदाधिकारी राजीव कुमार एवं अन्य तथा अभ्यर्थी, अभ्यर्थी के प्रस्तावक/निर्वाचन अभिकर्त्ता उपस्थित थे।

महिषी व सिमरी-बख्तियारपुर विधान सभा के कुछ मतदान केंद्रों पर मतदान का समय बदला

एजेंसी

सहरसा। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के तहत तृतीय चरण में जिलान्तर्गत सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 07 मई को मतदान निर्धारित है। इस संदर्भ में अद्यतन प्राप्त सूचना के अनुसार 77-महिषी विधान सभा क्षेत्र एवं 76-सिमरी बख्तियारपुर विधान सभा क्षेत्र से संबंधित मतदान केन्द्रों के मतदान समय में आशिक परिवर्तन किया गया है।।13 मधेपुरा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के 77 महिषी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान का समय 207 मतदान केन्द्रों के लिए मतदान केन्द्र संख्या 15-26, 30-33, 62-228, 264-270, 298-314 पर। पूर्वाह्न 07.00बजे से अपराह्न 06.00 बजे तक शेष 107 मतदान केन्द्रों के लिए पूर्वाह्न 07.00 से अपराह्न 04.00 बजे तक। 25-खगड़िया संसदीय क्षेत्र के 76-सिमरी बख्तियारपुर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 07.05.2024 (मंगलवार) 299 मतदान केन्द्रों के लिए मतदान केन्द्र संख्या (1-39, 43-54, 56, 60-62, 68-69, 89-93, 98-274, 277, 288-333, 343, 344, 349-359 परपूर्वाह्न 07.00बजे से अपराह्न 06.00 बजे तक। शेष 60 मतदान केन्द्रों के लिए पूर्वाह्न 07.00 से अपराह्न 04.00 बजे तक ही मतदान किया जाएगा।

भाजपा समर्थक अशोक देव बने आकर्षण का केन्द्र

अररिया। फारबिसगंज हवाई अड्डा के मैदान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा में खाली बदन पर कमल फूल का निशान और स्लोगन लिखकर धूमता भाजपा समर्थक आकर्षण का केन्द्र रहा। फारबिसगंज के कोठीहाट निवासी अशोक देव अपने शरीर के खाली बदन पर भाजपा के कमल निशान के साथ न काम रुकेगा और न देश झुकेगा स्लोगन को लिखवाए हुए था,जो भीड़ के बीच आकर्षण का केन्द्र बना हुआ था। हाथ में कमल का फूल थामे वह भीड़ के बीच में तो कभी सभा स्थल पर आने जाने के लिए बने रास्ते में टहल टहल कर नारेबाजी करते हुए उपस्थित भीड़ का हौसला आफजाई कर रहे थे। भाजपा का कट्टर समर्थक माने जाने वाले अशोक देव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद और जय श्री राम का नारा भी लगा रहे थे।

सत्य और विकास की हुई जीत : संतोष कुशवाहा

पूर्णिया। पूर्णिया लोकसभा सीट से राजग के उम्मीदवार संतोष कुशवाहा ने मतदान संपन्न होने के बाद जनता का आभार जताते हुए कहा कि आप सबों का आभार, आपने अपने मतों का प्रयोग कर बता दिया कि पूर्णिया फिर से अराजकता के दौर में वापस नही लौटना चाहता है। संतोष। कुशवाहा ने कहा कि यहां के लोग विकास के कारवां को गतिमान रखना चाहते है। अमन-चैन के साथ विकास उनकी प्राथमिकता है। निश्चित तौर पर यह असत्य पर सत्य और विनाश पर विकास की जीत का संदेश है। कुशवाहा ने कहा कि कुछ लोग धनबल और बाहुबल का प्रयोग कर अपने नापाक मंसूबे को साकार करना चाह रहे थे जो चकनाचूर हो चुका है। सोशल मीडिया को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर वर्चुअल हवाबाजी करने वालों को मतदाताओं ने बेनकाब कर दिया है।

ट्रक ने बाइक सवार स्कूल संचालक को कुचला, मौत

नवादा। नवादा-जमुई एसएच-8 पर शुक्रवार को नवादा जिले के कादिरगंज थाना के समीप अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। जिससे मौके पर उसकी मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान रोह थाना क्षेत्र के मनियोचक गांव निवासी मनोज कुमार के रूप में हुई। मृतक मनोज निजी स्कूल संचालक थे। रोह में उनका स्कूल है। हादसे के बाद कादिरगंज थाना की पुलिस पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त ट्रक व बाइक को जब्त कर लिया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि मृतक शव ट्रक के नीचे फंस गया था। जिसे निकालने का प्रयास किया जा रहा है। आसपास के ग्रामीणों ने सड़क को जाम कर दिया है। उक्त मार्ग पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह से ठप है। पुलिस लोगों को समझा बुझाकर शांत कराने में जुटी हुई है।

बाल विवाह मुक्त भारत, मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर प्रशिक्षण

एजेंसी

अररिया। जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुसाकांटा स्थित सभा भवन में शुक्रवार को बाल विवाह मुक्त भारत व मतदाता जागरूकता अभियान के तहत स्वास्थ्य कर्मियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्यकर्मियों को बाल विवाह मुक्त भारत व मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर शपथ भी दिलाया गया. शपथ के साथ ही मतदाताओं को जागरूक करने को लेकर जागरूकता रैली भी निकाली गई। जागरूकता रैली पीएचसी से निकलकर मुख्य चौक, बस स्टैंड के रास्ते हत्ता चौक तक गई। जहां से जागरूकता रैली वापस पीएचसी पहुंची। इस दौरान जागरूकता रैली का नेतृत्व कर रहे पीएचसी प्रभारी डॉ जमील अहमद ने बताया कि जागरूकता रैली के माध्यम से मतदाताओं को आगामी 07 मई को अपने अपने मतदान केंद्र पहुंचकर अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की गई है।

फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी कर रही जिला महिला समादेष्टा को पद से हटाने का आदेश

एजेंसी

सहरसा। जिला लोक शिकायत निवारण प्राधिकारी द्वारा परिवादी राम प्रसाद यादव परिवाद का विषय जिला समादेष्टा रक्षक वाहिनी द्वारा आवेदक मोसमात अनीता देवी पिता शिव शर्मा नरैया पंचगछिया सत्तर कटैया को फर्जी प्रमाण पत्र रखने के कारण पद से शीघ्र हटाए जाने का निर्णय दिया है। जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा इस संबंध में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना के द्वारा अनीता देवी का फर्जी प्रमाण पत्र रखने का पत्र निर्गत किया गया है। वही परिवाद के आलोक में लोक प्राधिकार वरीय जिला समादेष्टा बिहार गृह रक्षा वाहिनी को नोटिस निर्गत किया गया। उक्त सूचना के आलोक में लोक प्राधिकार ने कार्यालय आदेश ज्ञापक 567 दिनांक 24 अप्रैल के द्वारा सूचित किया गया कि सहरसा जिला इकाई के गृह रक्षिका संख्या 33265 अनीता देवी को जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी महिषी के आलोक में फर्जी शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के आरोप में तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए कर्तव्य से वंचित किया जाता है। परिवादी के परिवार एवं लोक प्राधिकार की प्रतिवेदन का अवलोकन कर यह निर्णय दिया गया। लोक प्राधिकार की प्रतिवेदन से सहमत हुए परिवादी के परिवार को निष्पादित किया गया। वही सहरसा जिला इकाई के गृह रक्षक अनीता देवी को जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी महिषी के ज्ञापन के आलोक में फर्जी शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के आरोप में तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए कर्तव्य से वंचित किए जाने का आदेश दिया गया है।

BEFORE THE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, RANCHI
5TH FLOOR, PRAGATI SADAN (RRDA BUILDING), KUTCHERY CHOWK, RANCHI 834001

O.A. No. 233 of 2023

BETWEEN
BANK OF INDIA, KHUNTI BR., KHUNTI ....APPLICANT BANK
VS.
M/S DEV BRICK UDYOG & OTHERS .....DEFENDANTS

SUMMONS ISSUED UNDER RULE 23 (VIII) OF THE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL (PROCEDURE) RULES, 1993

SR No	DEFENDANTS	ADDRESSES
1.	M/S DEV BRICK UDYOG PROP: SANJAY SINGH S/O RAM PREET SINGH	AT - CHALANGI, FUDI, P.O. + P.S.- & DIST.- KHUNTI 835210
2.	SANJAY SINGH S/O RAM PREET SINGH	

Whereas, the Applicant has instituted an Application u/s 19 of the Recovery of Debts Due to Banks and Financial Institutions Act 1993 against the Defendants for Recovery of sum of **Rs. 56,37,042.00/- (Rupees Fifty Six Lakhs Thirty Seven Thousand Forty Two Only) together with current and future interest, cost for other reliefs.** The above mentioned Defendants is/are therefore directed to appear before **Registrar in on 10th day of June, 2024 at 10.30 A.M.** as to why the relief's prayed for should not be granted and to file show-cause in the matter. The notice that in case of default, the application will be heard and determined in your absence.

Given under my hand and seal of this Tribunal on this the **10th day of April, 2024.**

D.K. MAHATO
REGISTRAR

लोकसभा चुनाव को लेकर बने डिस्पैच सेंटर का डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण, दिये निर्देश

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। जिले में लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारी तेज कर दी गई है। इसी क्रम शुक्रवार को डीएस सौरभ जोरवाल व एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने संयुक्त रूप से जिले के चिरैया, ढाका, हरसिद्धि एवं गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र के लिए बनाए गए डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया।साथ ही वहां प्रतिनियुक्त सेक्टर पदाधिकारी व सेक्टर पुलिस पदाधिकारी के साथ की बैठक कर कई आवश्यक निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि जिले में लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर विभिन्न विधानसभा क्षेत्र में डिस्पैच सेंटर बनाये गये है, जिसमें 21-ढाका विधानसभा क्षेत्र के लिए महादेव साह 2 उच्च विद्यालय, चिरैया व 13-हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र के लिए महंत शिव शंकर गिरी कॉलेज अरेराज में बनाए गए डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया गया साथ ही चिरैया डिस्पैच सेंटर के सभागार में चिरैया व ढाका विधान सभा तथा अरेराज डिस्पैच सेंटर के सभागार में इस विद्यालय के सभागार में सभागार में हरसिद्धि एवं गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर पदाधिकारी सेक्टर पुलिस पदाधिकारी के साथ बैठक कर तैयारियो की समीक्षा की गई। बैठक में डीएम द्धारा सभी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया जिसमें मुख्य रूप से ईवीएम कमिश्निंग,पोस्टल बैलेट से मतदान की प्रक्रिया एवं तिथि के बारे में बताया गया। सेक्टर पदाधिकारी को मतदान से पूर्व, मतदान के दिन एवं मतदान के पश्चात किए जाने वाले कार्य एवं बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। कहा गया कि सेक्टर पदाधिकारी को अपने क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहना होगा। साथ ही मतदान की तिथि से 5 दिन पूर्व से लेकर मतदान की समाप्ति तक सेक्टर पदाधिकारी द्वारा किए जाने वाले कार्यों को विस्तार से बताया गया और उसे ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। एसपी ने पदाधिकारियों को संबोधित करते कहा कि सेक्टर पदाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी एक साथ सहयोगपूर्ण रवैया अपनाते हुए हर स्तर पर आपसी समन्वय से कार्य को पूर्ण करेगे।

खबर एक नजर में

बेतिया में बोलेरो ने ट्रक में मारी ठोकर, तीन की मौत

बेतिया। बेतिया पुलिस ज़िला स्थित मझौलिया से बारातियों को वापस लेकर लौट रही बोलेरो ने आगे जा रही ट्रक में पीछे से ठोकर मार दी। इस घटना में बोलेरो में सवार 11 लोगों में से तीन की मौत घटना स्थल पर ही हो गयी है। जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें पटना रेफर कर दिया है। वहीं ड्राइवर व एक अन्य बाराती इस घटना में बाल-बाल बच गए है। घटना रात 11 बजे बेतिया-नवलपुर पथ में बाबू टोला गुरवलिया चौक की है। मनुआपुल थानाध्यक्ष नरेश कुमार ने शुक्रवार को बताया कि गोलाघाट डुमरी निवासी दीनानाथ महतो के पुत्र की बारात गुरुवार की संध्या मझौलिया के गढ़वा भोगाड़ी गयी थी। वहां से खाना खाकर गोलाघाट डुमरी निवासी उमा यादव के बोलेरो से चालक समेत 13 बाराती वापस लौट रहे थे। गाड़ी उमा यादव ही चला रहा था।

बाबू टोला गुरवलिया के समीप बोलेरो ने आगे जा रही ट्रक से साइड लेने में अपने बाएं हिस्से से ट्रक के पीछे ठोकर मार दी, जिससे बोलेरो में बैठे गोलाघाट डुमरी निवासी जनार्दन यादव, प्रकाश यादव, धर्मनाथ यादव की मौत हो गयी। वहीं छह लोग घायल हो गए। घायलों में पूर्वी चंपारण ज़िला स्थित पहाड़पुर के कमाल पिपरा निवासी लवकुश कुमार, पटजिरवा के निमुईया कुंड के रामदेव महतो तथा सोनू कुमार को गंभीर स्थिति में पटना रेफर कर दिया गया है। जबकि सोनू के पिता योगेन्द्र प्रसाद, सोनू के चचेरे भाई राज कुमार, राजनंदन कुमार तथा सोनू के फुफेरे भाई बैरिया के बगही बघंबरपुर निवासी रामदेव, गोलाघाट डुमरी निवासी रेश्म यादव की चिकित्सा बेतियाजीएमसीएच में हो रही है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना कैसे घटी इसका पता ड्राइवर व घायलों से पूछताछ के बाद ही चलेगा। दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो को जब्त कर लिया गया है। बेतिया मे पोस्टमार्टम के बाद लाशों को परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

बैंक खाते फ्रीज करने को लेकर कार्रवाई की मांग

पटना। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गर्वनर को पत्र लिखकर बिहार के विश्वविद्यालयों (विवि) के बैंक खातों से नियमों के विपरीत अवैध हस्तांतरण तथा गैरकानूनी तरीके से बैंक खातों को फ्रीज करने के मामलों में संबंधित बैंकों के ऊपर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। बिहार के राज्य विश्वविद्यालयों के बैंक खाते अवैध रूप से फ्रीज करने के बाद उत्पन्न हुए वित्तीय संकट से विश्वविद्यालय पूरी तरह ठप्प पड़ गये है। गर्वनर को भेजे गए पत्र में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने स्पष्ट उल्लेख किया है कि बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम,1976 तथा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक्ट,1934 के अनुसार वित्तीय क्षेत्र से जुड़े निर्णयों से जुड़े नियमों को पूरी तरह से अनदेखा करते हुए राज्य सरकार के शिक्षा विभाग के एक प्रशासनिक अधिकारी के आदेश पर बैंक खातों से अवैध हस्तांतरण तथा बैंक खातों को फ्रीज करने की गैर-कानूनी कार्रवाई हुई है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, बिहार के राज्य विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता तथा सुचारू संचालन में बाधा बने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य शिक्षा सचिव के गैर-कानूनी तथा अधिनायकवादी निर्णयों के विरोध में कैबिनेट सचिव को भी पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है तथा अपर मुख्य शिक्षा सचिव के कारस्तानियों से कैबिनेट सचिव को अवगत कराया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में सुधार के कथित मसीहा के अधिनायकवादी निर्णयों से बिहार का शिक्षा क्षेत्र जो पहले से ही पिछड़ा हुआ है,वह और भी अधिक पिछड़ रहा है। बिहार के राज्य विश्वविद्यालयों के बैंक खातों में छात्रों के जमा पैसे को शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैंकों के साथ सांठ-गांठ से अवैध रूप से हस्तांतरित कर लिया गया। यह अत्यंत शर्मनाक है।

एक पेज का शेष

गरीबों का हक छीनना चाहती है कांग्रेस

क्या उन्हें आरक्षण लूटने देंगे: प्रधानमंत्री ने जनता से सवाल किया, क्या आप ओबीसी के आरक्षण को लूटने देंगे। कांग्रेस की नजर ओबीसी के हक पर है। कल कांग्रेस-राजद इसी तरह से एससी-एसटी का हक भी छीनने का पाप करेगी। मैं आपको चेता रहा हूं, ये (कांग्रेस) तुष्टिकरण के दलदल में धंस गये हैं, जिनके लिए संविधान मायने नहीं रखता है। उन्होंने कहा कि राजग का मॉडल संतुष्टीकरण जबकि इंडी गठबंधन का मॉडल तुष्टिकरण का है।

वे बूथ और मतपेटी लूट लेते थे : पीएम मोदी ने कहा कि पहले पोलिंग बूथ और बैलट पेपर लूट लिए जाते थे। ये वे लोग हैं, जिन्होंने दशकों तक बैलट पेपर की लूट के जरिये गरीबों का अधिकार छीना लेकिन जब गरीबों को ईवीएम की ताकत मिली है तो चुनाव के दिन लूट करने वालों से ये बर्दाश्त नहीं हो रहा था। इसलिए वे इवीएम को हटाना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आज साफ-साफ कह दिया है कि बैलेट पेपर वाला पुराना दौर अब वापस लौटकर नहीं आयेगा। आज जब पूरी दुनिया भारत के लोकतंत्र, चुनाव प्रक्रिया और चुनाव में टेक्नोलॉजी के उपयोग की वाहवाही करती है, तब ये लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए ईवीएम को बदनाम करने पर लगे पड़े थे। उन्होंने लोकतंत्र के साथ लगातार विश्वासघात करने की कोशिश की है।

देश में चुनाव इवीएम से ही होंगे

इवीएम की ईमानदारी पर लगी मुहर: अब तो सुप्रीम कोर्ट के दो जजों जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने ईवीएम पर जो फैसला दिया है, उसने ईवीएम की ईमानदारी पर मुहर लगा दी है। इस बार सुप्रीम कोर्ट के सामने मुख्य रूप से दो अपील की गयी थी। पहली तो ये कि पूरा चुनाव ही ईवीएम से न करवाकर बैलेट पेपर से करवाया जाये। दूसरी याचिका एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानी कि एडीआर की ओर से दाखिल की गयी थी, जिसमें कहा गया था कि ईवीएम के वोट और वीवीपैट की पर्चियों का 100 फीसदी मिलान किया जाये, क्योंकि अभी तक किसी भी एक निर्वाचन क्षेत्र में पांच ईवीएम के वोटों का ही वीवीपैट पर्चियों से मिलान होता है।

चुनाव आयोग को भी सुझाव : सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि इवीएम के वोट और वीवीपैट की पेपर स्लिप की गिनती का जो सुझाव है, वो अमल में लाया जा सकता है या नहीं, इसकी तहकीकात करें। आयोग को ये भी देखना चाहिए कि क्या चुनाव निशान के अलावा हर पार्टी के लिए अलग से कोई बारकोड भी हो सकता है या नहीं। ईवीएम पर सुप्रीम कोर्ट के आए ताजातरीन फैसले का पूरा मजमून बस यही है।

तेजी से गिर रहे भूगर्भ जल स्तर पर सरकार गंभीर

लोग आगे आयें: सबसे बड़ी बात यह है कि पानी संकट से बचने के लिए स्वयं लोगों को आगे आना होगा नही तो रांची के लोगो को भी बंगलोर की तरह पानी के टैंकर पर निर्भर रहना होगा। बंगलोर में तो अब पानी का टैंकर भी दो दिन बात पहले से बुकिंग करने पर मिल रहा है। रेन वाटर हारवेस्टिंग करा कर जीवन भर के जल संकट से बचा जा सकता है। अधिक भूगर्भ जल दोहन से बोरिंग फेल हो रहे है। कुंआ सूख रहा है। वृक्षा रोपण नहीं होने से वर्षा कम हो रही है। जिसका प्रतिफल यह है कि नदी, नहर, तालाब, आहर पोखर बंजर भूमि के रूप में तब्दील हो रहे है। बढ़ती गर्मी विकास में बाधा बन रही है। पिछले कुछ सालों में 13 लाख पेड़ काटे जा चुके हैं, पेड़ों की कटाई के कारण अब लोगों का गर्मी में बुरा हाल हो रहा है। पूरे झारखंड में तापमान बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक मई और जून के महीने में ये गर्मी अपना प्रचंड रूप दिखायेगी।

स्पीड न्यूज

पिछड़ो का अधिकार छीनकर मुसलमानों को देना चाहती है कांग्रेस: नड्डा

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को तुष्टिकरण की राजनीति को लेकर कांग्रेस की तीखी आलोचना की और कहा कि वह अनुसूचित जाति/जनजाति (एससी/एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) लोगों के अधिकार छीनकर मुसलमानों को देना चाहती है। श्री नड्डा ने अपने वीडियो संदेश में कहा, यह कांग्रेस का छिपा हुआ एजेंडा है। कांग्रेस के घोषणापत्र में भी तुष्टिकरण की स्पष्ट झलक दिख रही है। कांग्रेस का मानना है कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि देश के संसाधनों पर पहला हक गरीबों का है।

संरा ने सूडान संघर्ष में अंतरराष्ट्रीय भागीदारी का किया आह्वान

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के दो अधिकारियों ने सूडान संघर्ष में महिलाओं और किशोरियों के खिलाफ यौन हिंसा से निपटने के लिए और अधिक अंतरराष्ट्रीय भागीदारी का आह्वान किया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुख्य प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि मानवीय मामलों के सहायक महासचिव जॉयस मसुया संघर्ष में यौन हिंसा पर महासचिव के विशेष प्रतिनिधि प्रमिला पैटन के साथ याचिका दायर करने के लिए शामिल हुये। उन्होंने कहा, उनकी अपील तब आई है जब खार्तूम, दारफुर और कोडोर्फान में बलात्कार, जबरन शादी, यौन दासता और महिलाओं तथा किशोरियों की तस्करी के आरोप दर्ज किए जा रहे हैं।

पाक ने मानवाधिकार प्रथाओं पर अमेरिकी रिपोर्ट को खारिज किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने पिछले साल देश में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों पर अमेरिकी विदेश विभाग की एक रिपोर्ट को स्पष्ट तौर से खारिज कर दिया है और कहा है कि केवल राजनीति से प्रेरित रिपोर्ट ही गाजा में चिंताजनक स्थिति को नजरअंदाज कर सकती है। मंत्रालय ने गुरुवार देर रात जारी एक बयान में कहा, यह बेहद चिंताजनक है कि दुनिया भर में मानवाधिकार स्थितियों को उजागर करने वाली एक रिपोर्ट गाजा जैसे घोर मानवाधिकार उल्लंघन को नजरअंदाज करती है।

सेनेगल में सड़क दुर्घटना में 13 लोगों की मौत

डकार। मध्य सेनेगल में एक बस का टायर फटने के बाद पलट जाने से 13 लोगों की मौत हो गई और अन्य 40 घायल हो गए हैं। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी है। सेनेगल प्रेस एजेंसी ने एक सुरक्षा सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि गुरुवार शाम को काफ्रिन क्षेत्र में यामोंग गांव के पास राष्ट्रीय सड़क नंबर एक पर बस का टायर फटने के बाद यात्रियों से भरी बस पलट गयी। जिसमें 13 लोगों की मौत हो गयी और अन्य 40 घायल हो गए थे।

हैती के पीएम एरियल हेनरी ने दिया इस्तीफा

मेक्सिको सिटी। कैरेबियाई देश हैती के प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने इस्तीफा दे दिया, जिससे देश में नई सरकार का मार्ग प्रशस्त हो गया है। जब तक देश में नया प्रधानमंत्री नहीं नियुक्त किया जाता यह पद अस्थायी रूप से अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री मिशेल पैट्रिक बोइसवर्ट के पास रहेगा। हैती की राष्ट्रपति संक्रमणकालीन परिषद (सीपीटी) को भी औपचारिक रूप से स्थापित किया गया है। जिस पर देश में व्यवस्था बहाल करने का भार है। सीपीटी के नौ सदस्यों की नियुक्ति हैती में संवैधानिक व्यवस्था बहाल करने की उम्मीद के साथ हुई है।

कांग्रेस के हिमाचल विधानसभा के लिए तीन सीटों के उम्मीदवार घोषित

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव के लिए तीन उम्मीदवारों के नाम घोषित किये हैं। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने राज्य विधानसभा के तीन सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव के वास्ते इन उम्मीदवारों के नाम का चयन किया है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने सुजानपुर विधानसभा सीट से कैप्टन रणजीत सिंह राणा, गाग्रेड सीट से राकेश कालिया तथा कुटलेहर से विवेक शर्मा को टिकट दिया है।

भाजपा को महाराष्ट्र, बिहार-यूपी में कम वोटिंग से बढ़ी टेंशन

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी हर रैलियों में अबकी बार, 400 पार का नारा लगवा रहे हैं। पहले चरण की 102 सीटों पर और दूसरे चरण में 13 राज्यों की 88 सीटों पर हुए मतदान का रुझान कम दिख रहा है। महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश में उम्मीद से कम वोटिंग ने सबकी टेंशन बढ़ा दी है। खुद भाजपा भी हैरान होगी। राजनीतिक एक्सपर्ट का मानना है कि कभी-कभी हम खुद अपने प्रोपेगंडा का शिकार हो जाते हैं। महंगाई और बेरोजगारी जैसे आज कई बड़े मुद्दे हैं, जिस पर भाजपा के लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। तीसरे टर्म में लौटना किसी के लिए भी बड़ी मुश्किल हो सकता है। आज वोटिंग में जो उदासीनता दिख रही है, वोटों का प्रतिशत गिरा है, उसकी वजह यही बड़े मुद्दे हो सकते हैं। हाल ही में आए सीएसडीएस के सर्वे में कहा गया है कि बेरोजगारी-महंगाई बड़ा मुद्दा है, जिस पर कोई बात नहीं कर रहा है। शायद इसीलिए वोटर्स अनमने ढंग से वोट कर रहा है।

क्या 400 के नारे को विपक्ष बना रहा अपने लिए चुनावी हथियार

राजनीतिक एक्सपर्ट रशीद किदवई कहते हैं कि भाजपा या मोदी 400 पार का जो नारा दे रहे हैं, वो खुद उनके लिए भी मुश्किल में डाल सकता है। इससे तीन आशंकाएं जन्म ले रही हैं। पहला यह कि 400 पार के नारे को चुनावी रैलियों में विपक्ष अपने हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। विपक्ष दलित या पिछड़ा वर्ग बहुल इलाकों में बार-बार यह बात कह रहा है कि भाजपा संविधान संशोधन करके दलितों और पिछड़ों का आरक्षण खत्म करना चाहती है। ऐसे में अगर विपक्ष यह कहानी गढ़ने में कामयाब हो जाता है तो वोटिंग के वक्त जनता का मूड बदल सकता है। दरअसल, भाजपा को दलितों और ओबीसी का भी वोट खूब मिलता रहा है। ऐसा देखा गया है कि राज्य में भले ही सरकार किसी की हो, मगर केंद्र में ज्यादातर लोग मोदी की सरकार ही चाहते हैं।

दो चरणों की वोटिंग से बढ़ सकती है टेंशन

किदवई के मुताबिक, जिस तरह से दो चरणों की वोटिंग में मतदाताओं के रुझान दिख रहे हैं, वो 400 पार के लक्ष्य को पाने के लिए टेंशन बढ़ाने वाले हो सकते हैं। कम वोटिंग से कुछ कहा नहीं जा सकता है। खासकर भाजपा के प्रभाव वाले इलाकों में कम वोटिंग पार्टी के लिए संकट में डाल सकता है। ऊपर से इन प्रदेशों में जातियों का समीकरण भी है, जिसे साधना भी जरूरी है। अब देखते हैं ऊंट आखिर किस करवट बैठता है।

भाजपा दलितों, अल्पसंख्यकों और ओबीसी आरक्षण खत्म करना चाहती है: विपक्ष

एक्सपर्ट का कहना है कि विपक्ष अब लगातार यह आरोप लगा रहा है कि भाजपा 400 सीटें इसलिए जीतना चाहती है, ताकि संविधान में संशोधन कर सके और संविधान संशोधन करके देश से आरक्षण खत्म कर सके। हाल ही में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यह दावा किया कि भाजपा 400 पार का नारा इसलिए दे रही है, क्योंकि वह संविधान संशोधन करना चाहती है। भाजपा पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों को मिले आरक्षण को नया संविधान बनाकर खत्म करना चाहती है। सदियों से 4-5% प्रभुत्ववादी सोच के लोग 90-95% लोगों को अपना गुलाम बनाए रखना चाहते हैं। इसीलिए इस बार पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक मिलकर भाजपा को हराएंगे। संविधान और आरक्षण को बचाएंगे।

पहले से हल्ला मचाने से छिटक सकता है वोटर्स

किदवई कहते हैं कि चुनाव जीतने से पहले संविधान संशोधन को लेकर हल्ला मचाना ठीक नहीं है। वन नेशन वन पोल, यूनिफॉर्म सिविल कोड और आरक्षण हटाने जैसे मुद्दों पर चुनाव बाद रणनीतिक रूप से बात रखनी चाहिए। अभी से हल्ला मचाने से मुश्किलें खड़ी हो रही हैं। देश में अगड़ी जातियों को आज भी लगता है कि आरक्षण हटना चाहिए। वहीं, दलितों और पिछड़ों के लिए यह बेहद संवेदनशील मुद्दा है। ऐसे में चुनावी माहौल में इसे छेड़ना ठीक नहीं है। भाजपा के बड़बोले नेताओं पर लगाम कसकर रखनी चाहिए।

- 400 पार के नारे को विपक्ष बता रहा है आरक्षण खत्म करने का हथियार
- भाजपा नेताओं के बड़बोलेपन से मोदी और शाह को देनी पड़ रही सफाई

मोदी राज के 10 साल में सबसे ज्यादा गिरी है प्रधानमंत्री पद की गरिमा : पवन खेड़ा

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को कहा कि उनके 10 साल के कार्यकाल में रुपया गिरा है और प्रेस की आजादी जैसी कई क्षेत्रों में गिरावट आई है लेकिन सबसे पीड़ाजनक स्थिति यह है कि इस दौरान प्रधानमंत्री के पद में सबसे ज्यादा गिरावट आई है। कांग्रेस संचार विभाग की प्रमुख पवन खेड़ा ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा की श्री मोदी ने प्रधानमंत्री पद की गरिमा को इतना निचले स्तर तक घटा दिया है कि इस गरिमा को फिर से हासिल करने में वर्षों का समय लग जाएगा। श्री खेड़ा ने कहा, पिछले 10 साल में रिकॉर्ड स्तर पर रुपया गिरा, मीडिया फ्रीडम और हंगर इंडेक्स में देश की रैंक गिरी। लेकिन इस दौरान जो चीज सबसे ज्यादा गिरी वो है- प्रधानमंत्री पद की गरिमा। बेहद अफसोस की

बात है कि नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की गरिमा को इतना नीचे गिरा दिया है कि इसे संभालते हुए दशकों लग जाएंगे। देश के प्रधानमंत्री को फूहड़ भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। क्योंकि एक प्रधानमंत्री का काम समाज को आपस में लड़ाने का नहीं होता। चुनाव आते-जाते रहते हैं लेकिन इस बीच देश हार जाए, संविधान हार जाए, सांप्रदायिक सौहार्द हार जाए तो ये बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा आज जो मतदान हो रहा है, उसमें वायनाड काफी महत्वपूर्ण सीट है। क्योंकि यहां से हमारे जनप्रिय नेता राहुल गांधी जी चुनाव लड़ रहे हैं, पिछली बार वह चार लाख से अधिक वोटों से जीते थे और इस बार जीत के सारे रिकॉर्ड टूटने वाले हैं, ये हम दावे के साथ कह रहे हैं। उन्होंने कहा, राजस्थान में भी हम डबल डिजिट में सीट लेकर आ रहे हैं। जब मैं कोटा गया तो देखा कि वहां से लोकसभा स्पीकर भाजपा के प्रत्याशी हैं, चुनाव लड़ रहे हैं। वहां के लोगों ने मुझे बताया कि इन्होंने पिछले चुनाव से पहले कहा था- मैं यहां से अगला चुनाव तभी लड़ूंगा, जब यहां एयरपोर्ट लाऊंगा। अब 2019 से 2024 हो गया और हवाई अड्डा नहीं आया लेकिन फिर भी वह चुनाव लड़ने आ गए। कांग्रेस की घोषणा पत्र पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी को सकारात्मक रूप से प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा ,नरेंद्र मोदी ने जिस तरह कांग्रेस के मेनिफेस्टो का प्रचार कर उसे घर-घर पहुंचाया उसके लिए उनका दिल से धन्यवाद।

दलित के बेटे को मेयर बनने से रोकने के लिए उपराज्यपाल ने चुनाव रद्द किया : आप

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को कहा कि दलित समाज के बेटे को दिल्ली नगर निगम के महापौर की कुर्सी पर बैठने से रोकने के लिए भाजपा ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना के जरिए मेयर चुनाव रद्द करा दिया। आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने यहां कहा, संविधान हमें अधिकार देता है कि पांच साल में एक बार दलित का बेटा भी मेयर की कुर्सी पर बैठेगा लेकिन दलित विरोधी मानसिकता के भाजपा के लोगों ने बाबा साहब को कुर्सी पर बैठने से रोका, दलितों को तालाब का पानी पीने का विरोध किया, ये लोग आज भी उसी घृणा और मानसिकता के साथ जिंदा हैं।

एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य अवधारणा पर काम करेंगे एस सी ओ देश

एजेंसी

नयी दिल्ली। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) देशों ने 'वसुधैव कुटुंबकम' के प्राचीन भारतीय दर्शन में निहित एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य की अवधारणा की दिशा में कार्य करने पर सहमति व्यक्त की है। एससीओ देशों के रक्षा मंत्रियों की शुक्रवार को कजाकिस्तान के अस्ताना में हुई बैठक में यह सहमति बनी। रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने इस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। बैठक के दौरान सभी एससीओ सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए। बाद में जारी संयुक्त विज्ञप्ति में कहा गया है कि एससीओ देशों ने अन्य पहलों के अलावा, एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्यद्व के विचार को विकसित करने पर सहमति व्यक्त की जो 'वसुधैव कुटुंबकम' के प्राचीन भारतीय दर्शन में निहित है। रक्षा सचिव ने एससीओ क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने एससीओ सदस्य देशों की समृद्धि और विकास के लिए आतंकवाद के सभी रूपों को कतई न बर्दाश्त करने का दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री अरमाने ने संयुक्त राष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन में इस संबंध में भारत के लंबित प्रस्ताव का भी उल्लेख किया। उन्होंने हिन्द प्रशांत के लिए भारत द्वारा प्रस्तावित क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) की अवधारणा पर भी चर्चा की।

उम्मीदवार से अधिक 'नोटा' को वोट, चुनाव रद्द करने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को नोटिस

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने किसी उम्मीदवार से अधिक 'नोटा' को वोट मिलने पर संबंधित चुनाव को अमान्य घोषित कर रद्द करने का निर्देश देने की मांग वाली एक जनहित याचिका पर विचार करने का फैसला करते हुए शुक्रवार को चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता और लेखक शिव खेड़ा की ओर से दायर याचिका पर चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा, हम नोटिस जारी करेंगे। यह चुनावी प्रक्रिया से संबंधित भी है। देखते हैं चुनाव आयोग इस मामले क्या कहता है। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि संबंधित राज्य चुनाव आयोग

(एर्ससी) ने घोषणा की है कि यदि नोटा किसी भी चुनाव में विजेता के रूप में उभरा तो वहां अनिवार्य रूप से पुनर्मतदान होगा। अधिवक्ता ने कहा कि चूंकि गुजरात के सूरत संसदीय क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के अलावा कोई अन्य उम्मीदवार नहीं था, इसलिए माना गया कि सभी मतदाता एक ही उम्मीदवार के पक्ष में हैं। सूरत में पिछले दिनों भाजपा उम्मीदवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया था। याचिका में कहा गया है, चुनाव आयोग, नोटा को एक वैध उम्मीदवार के रूप में मानने में विफल रहा है, जोकि शासन के लोकतांत्रिक स्वरूप में आवश्यक है। वजह यह कि नोटा केवल एक नागरिक का 'मतदान' नहीं है, बल्कि वास्तव में एक वैध चयन है।

शीर्ष अदालत ने 'पीयूसीएल बनाम भारत सरकार' (2013) के मामले में अपने ऐतिहासिक फैसले में सभी इवीएम में नोटा (उपरोक्त में से कोई नहीं) विकल्प शुरू करने का निर्देश दिया था। याचिका में कहा गया,चुनावी प्रणाली में नोटा को अपनाने में इस अदालत का एक आदर्शवादी दृष्टिकोण था। राज्य चुनाव आयोगों ने संविधान में अपनी शक्तियों का उपयोग करके उस आदर्शवादी विचार को वास्तविकता में बदल दिया है। चार राज्यों में पंचायत और नगर निगम चुनावों से जो शुरूआत हुई है, उसे सभी स्तरों पर समान रूप से लागू किया जाना चाहिए।

पान मसाला के विज्ञापन में शाहरुख के साथ अजय और टाइगर नजर आए

नयी दिल्ली। शाहरुख खान और अजय देवगन पान मसाला के एक नए विज्ञापन में साथ वापस आ गए हैं। इस बार उनके साथ टाइगर श्रॉफ भी दिखाई दिए। इसके साथ ही नए विज्ञापन में अमायरा दस्तूर भी हैं। नए विज्ञापन में शाहरुख खान और अजय देवगन को एक कार में दिखाया गया है और वह ट्रैफिक में फंसे हुए हैं। इसके बाद टाइगर और अम्यार की एंट्री होती है। नए विज्ञापन का प्रीमियर आईपीएल मैच के दौरान हुआ। अब ये विज्ञापन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एक्टर्स के वर्कफ्रंट की बात करें तो अजय देवगन, शाहरुख खान और टाइगर श्रॉफ सभी अपनी आने वाली फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। अजय की एक के बाद एक दो फिल्में शैतान और मैदान रिलीज हुईं। अब वह ह्यसिंघम अगेन के साथ दर्शकों से रूबरू होने जा रहे हैं।

मोदी घबरा गये हैं, उनकी आंखों से जल्द ही निकलेंगे आंसू: राहुल गांधी

एजेंसी

विजयपुरा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में मौजूदा लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संभावनाओं को लेकर घबराहट के लक्षण नजर आ रहे हैं। श्री गांधी ने श्री मोदी पर जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने का आरोप लगाते हुए कहा, आप मोदी का भाषण सुनें। वह घबराये हुए हैं। कुछ ही दिनों में उनकी आंखों से आंसू निकलने की संभावना है। कांग्रेस नेता ने भाजपा सरकार के तहत धन के वितरण में कथित असमानता पर प्रकाश डालते हुए अपनी पार्टी के सत्ता में आने पर लाखों नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का वादा किया। उन्होंने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा सरकार ने जहां कुछ लोगों को अरबपति बनाया, वहीं कांग्रेस

करोड़ों लोगों को लखपति बनायेगी। श्री गांधी ने गरीबी, मुद्रास्फीति और बेरोजगारी जैसे गंभीर मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए श्री मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इन महत्वपूर्ण मामलों पर चुप हैं और केवल चीन और पाकिस्तान जैसे मुद्दों तथा दर्शकों से तालियां बजाने या मोबाइल फोन की रोशनी दिखाने का अनुरोध करने जैसे प्रतीकात्मक संकेतों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, वह चीन और पाकिस्तान के बारे में बात करेंगे और आपसे ताली बजाने या मोबाइल लाइट जलाने के लिए कहेंगे, लेकिन गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी के बारे में बात नहीं करेंगे। केवल कांग्रेस ही इन मुद्दों का समाधान कर सकती है। इसके अलावा, श्री गांधी ने श्री मोदी पर पिछले एक दशक में कुछ चुनिंदा लोगों को समृद्ध बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में 20-25 लोग अरबपति बन गये हैं। उन्होंने दावा किया कि महत्वपूर्ण अवनिर्माण रियोजनाएं गौतम अडानी जैसे व्यक्तियों को सौंप दी गयीं, जिससे उन्हें काफी फायदा हुआ।

श्री गांधी ने भारतीय संविधान और लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव में विजयी होने पर संविधान को बदलने का इरादा रखती है। इसके विपरीत, कांग्रेस और इंडिया समूह समाज सुधारक बसवन्ना के आदर्शों को बनाये रखने का प्रयास कर रहे हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार दूसरे सप्ताह 2.83 अरब डॉलर गिरा

एजेंसी

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) के पास आरक्षित निधि में गिरावट आने से 19

अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.83 अरब डॉलर कम होकर लगातार दूसरे सप्ताह गिरता हुआ 640.3 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 5.4 अरब डॉलर घटकर 643.2 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 19 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.8 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 560.9 अरब डॉलर रह गया। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार एक अरब डॉलर बढ़कर 56.81 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 4.3 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 18.03 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 20 लाख डॉलर कम होकर 4.6 अरब डॉलर रह गया।

संदेशखाली में शाहजहां के रिश्तेदार के घर से बम और हथियारों का जखीरा बरामद, सीबीआई की कार्रवाई

एजेंसी

कोलकाता। सीबीआइ ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में छापेमारी की। गिरफ्तार टीएमसी नेता शेख शाहजहां के एक रिश्तेदार के आवास पर छापेमारी में भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक जब्त किए गये। सूत्रों ने कहा कि सीबीआइ को शाहजहां के रिश्तेदार हफीजुल खान के आवास पर हथियारों और कच्चे बमों के जखीरे के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद सीबीआई की टीम ने केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों के साथ मछलीपालन फार्म के भीतर स्थित आवास पर छापा मारा। हफीजुल खान भी टीएमसी से जुड़े हुए हैं और पंचायत सदस्य भी हैं। सीबीआई की टीम ने लंबे समय तक खान के आवास की तलाशी ली। बम और विस्फोटक मिलने के बाद एनएसजी की बम स्क्वाड को भी मौके पर बुलाया गया। फिलहाल मामले की जांच जारी है। संदेह जताया गया है कि लोकसभा चुनाव में मतदान के दिन इस्तेमाल के लिए हथियारों, विस्फोटक और देसी बम रखे गए थे। इधर, पश्चिम बंगाल की ममता सरकार संदेशखाली मामले में सीबीआई की जांच के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। ममता सरकार ने सीबीआई को संदेशखाली मामले की

जांच सौंपने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। 29 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में बंगाल सरकार की याचिका को सुनावई होगी।

भाजपा ने उठाए सवाल

सीबीआई की छापेमारी में हथियारों का जखीरा बरामद होने पर पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रमुख सुकांत मजूमदार ने कहा कि संदेशखाली की स्थिति खतरनाक होती जा रही है। पहले महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हुयी। फिर वहां ड्रग रैकेट सामने आया और अब हमें हथियार बरामद होने की खबर मिल रही है। उन्होंने कहा कि जानकारी के अनुसार बरामद किए गए अधिकांश हथियार विदेश निर्मित हैं। गंभीर सवाल यह है कि हथियारों को वहां क्यों रखा गया था?...सभी एजेंसियों को इसकी जांच करनी चाहिए।

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची

VERMA PRESS

Verma's® Today®

शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
• Hindi	₹ 140	• Hindi	₹ 140
• English	₹ 140	• English	₹ 140
• Mathematics	₹ 140	• Mathematics	₹ 140
• Science	₹ 140	• Science	₹ 140
• Social Science	₹ 140	• Social Science	₹ 140
• Sanskrit	₹ 120	• Sanskrit	₹ 120
• Hindi – B	₹ 140	• Hindi – B	₹ 80
• Hindi Vyakaran– II	₹ 120	• Hindi Vyakaran– II	₹ 120
• English Grammar – II	₹ 120	• English Grammar – II	₹ 120
• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
• Hindi Practical	₹ 55	• Hindi Practical	₹ 55
• English Practical	₹ 55	• English Practical	₹ 55
• Maths. Practical	₹ 65	• Maths. Practical	₹ 55
• Science Practical	₹ 65	• Science Practical	₹ 70
• S. Science Practical	₹ 65	• S. Science Practical	₹ 65
• Sanskrit Practical	₹ 55	• Sanskrit Practical	₹ 55
• Maths. Practical (Combined)	₹ 90	• Maths. Practical (Combined)	₹ 75
• Science Practical (Combined)	₹ 90	• Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
• Mathematics	₹ 200	• Mathematics	₹ 130
• Science	₹ 200	• Science	₹ 200
• Social Science	₹ 200	• Social Science	₹ 130
• Maths. Practical	₹ 80	• Maths. Practical	₹ 80
• Science Practical	₹ 80	• Science Practical	₹ 80
• S. Science Practical	₹ 80	• S. Science Practical	₹ 80

मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !